देवीपाटन मण्डल का प्रथम हिन्दी दैनिक

त्रिगुट

गोण्डा शनिवार 21 अक्टूबर 2023 वर्ष 39 अंक 64 रजि0 नं0 46071/85 (हिन्दी दैनिक समाचार पत्र) फोन/फैक्स–05262-230683 डाक पंजीयन संख्या–NP/GONDA-30/2003 पृष्ठ– 8 मूल्य 2.00 रुपये

नासिरा प्रेस
मालवीयनगर–गोण्डा
मो0–9236750993

हमारे यहां शादी कार्ड, मुण्डन कार्ड, हैण्डबिल, पोस्टर, स्टीकर आदि की छपाई उचित दर पर होती है।

एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें।

शक्ति वंदन: टॉमसन की दीवारों पर आज उकेरे जाएंगे मातृ शक्ति के रंग

गोण्डा। देश के अब तक के सबसे बड़ी कन्या पूजन शक्ति वंदन समारोह पहले शनिवार को टॉमसन की दीवारों पर छात्रों और जनपद के कलाकारों के दिवारा मातृ शक्ति के रंग उकेरे जाएंगे। जिला प्रशासन की ओर से यहां पेंट माई वॉल कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। शहीद ए आजम सरदार भगत सिंह (टॉमसन) इंटर कॉलेज के बाहर की दीवार को चुना गया है। प्रस्तावित कार्यक्रम के तहत सुबह 10 बजे इसकी शुरुआत की जाएगी। इसके आयोजन की जिम्मेदारी संभाल रहे श्री लालबहादुर शास्त्री कॉलेज के प्रिंसिपल प्रो. रविन्द्र कुमार पाण्डेय ने बताया कि इस पूरे कार्यक्रम की थीम मिशन शक्ति रखी गई है।

रैपिड रेल सेवा नए भारत के नए सफर और नए संकल्पों को परिभाषित कर रही-प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री ने भारत की प्रथम रैपिड ट्रेन 'नमो भारत' को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया, वर्चुअल माध्यम से बैंग्लुरु मेट्रो के पूर्व-पश्चिम गलियारे के दो हिस्से भी राष्ट्र को समर्पित किये

लखनऊ कार्यालय

लखनऊ। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने कहा कि आज पूरे देश के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। भारत की पहली रैपिड रेल सेवा 'नमो भारत ट्रेन' राष्ट्र को समर्पित हो रही है। लगभग 04 वर्ष पूर्व दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ रीजनल कॉरिडोर प्रोजेक्ट की आधारशिला रखी गयी थी। आज साहिबाबाद से दुहाई डिपो तक नमो भारत ट्रेन का संचालन प्रारम्भ हो गया है। रेलवे का यह नया रूप और अनुभव प्रफुल्लित करने वाला है। इस ट्रेन में ड्राइवर से लेकर अन्य कर्मचारी देश की बेटियां हैं। यह भारत की नारी शक्ति के बढ़ते कदम का प्रतीक है। नमो भारत ट्रेन में आधुनिकता तथा अद्भुत गति है। यह ट्रेन नए भारत के नए सफर और नए संकल्पों को परिभाषित कर रही है।

प्रधानमंत्री जी आज जनपद गाजियाबाद के वसुन्धरा में भारत के प्रथम रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (आर0आर0टी0एस0) के साहिबाबाद से दुहाई डिपो के 17 किलोमीटर प्राथमिक खण्ड का उद्घाटन करने के उपरान्त आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री जी ने वर्चुअल माध्यम से बैंग्लुरु मेट्रो के पूर्व-पश्चिम गलियारे के दो हिस्से भी राष्ट्र को समर्पित किये। इससे पूर्व, प्रधानमंत्री जी ने भारत की प्रथम रैपिड ट्रेन 'नमो भारत' को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। प्रधानमंत्री जी रैपिड ट्रेन का प्रथम टिकट खरीदकर इस ट्रेन के प्रथम यात्री बनें। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी भी सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री जी ने प्रधानमंत्री जी को अंगवस्त्र तथा माँ दुर्गा की प्रतिमा भेंटकर उनका स्वागत किया। कर्नाटक के मुख्यमंत्री श्री सिद्धारमैया कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए। प्रधानमंत्री जी ने कहा कि भारत का विकास राज्यों के विकास से ही सम्भव है। बैंग्लुरु में मेट्रो रेल की दो लाइनें भी आज देश को समर्पित की गयी हैं। इससे बैंग्लुरु के आई0टी0 हब से कनेक्टिविटी और अधिक बेहतर हुई है। 21वीं सदी का भारत आज प्रत्येक क्षेत्र में नई गाथा लिख रहा है। आज का भारत चंद्रयान को चंद्रमा पर उतारकर दुनिया में छाया हुआ है। भारत जी-20 का शानदार आयोजन कर दुनिया के लिए आकर्षण व उत्सुकता का केन्द्र बना है। भारत ने एशियन गेम्स में 100 से अधिक मेडल जीते हैं, मेडल जीतने वाले प्रदेशों में उत्तर प्रदेश भी सम्मिलित है।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि भारत ने अपने बल पर 5-जी सेवा लॉन्च कर इसे देश के कोने-कोने तक पहुंचाया है। भारत दुनिया में सबसे ज्यादा डिजिटल लेन-देन करता है। कोरोना कालखण्ड में भारत में बनी वैक्सीन ने दुनिया के करोड़ों लोगों की जान बचायी। बड़ी-बड़ी कम्पनियां आज भारत में मोबाइल, टीवी, लैपटॉप व कम्प्यूटर बनाने के लिए आ रही हैं। भारत लड़ाकू विमान बना रहा है। समुद्र में तिरंगा फहराने वाला विक्रांत जहाज भी देश में ही बना है। तेज रफ्तार नमो भारत ट्रेन भी मेड इन इंडिया है। प्रधानमंत्री जी ने कहा कि नमो भारत ट्रेन इस बात का प्रमाण है कि जब देश की आर्थिक ताकत बढ़ती है, तो कैसे देश की तस्वीर बदल जाती है। दिल्ली और मेरठ का यह 80 किलोमीटर से ज्यादा स्ट्रेच एक शुरुआत है। पहले फेज में दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा तथा राजस्थान के अनेक क्षेत्र नमो भारत ट्रेन से कनेक्ट होने वाले हैं। आने वाले समय में देश के और भी हिस्सों में नमो भारत ट्रेन जैसा सिस्टम बनाया जाएगा, जिससे औद्योगिक विकास के साथ-साथ युवा पीढ़ी और बहन-बेटियों को रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे। इस शताब्दी का तीसरा दशक भारतीय रेल के कायाकल्प का दशक है। अगले 10 वर्षों में पूरी रेल सेवा बदली हुई नजर आएगी। सुरक्षा, सुविधा, सफाई, सामंजस्य, संवेदना और सामर्थ्य में भारतीय रेल पूरी दुनिया में एक नया मुकाम हासिल करेगी। भारतीय रेल 100 प्रतिशत विद्युतीकरण के लक्ष्य के नजदीक है। आज नमो भारत ट्रेन की शुरूआत हुई है। इससे पूर्व वंदे भारत ट्रेन के रूप में आधुनिक ट्रेनें देश का मिली थीं।

प्रधानमंत्री जी ने कहा कि 'अमृत भारत स्टेशन अभियान' के तहत देश के रेलवे स्टेशनों को आधुनिक बनाने का काम भी तेज गति से चल रहा है। अमृत भारत, वंदे भारत और नमो भारत की त्रिवेणी इस दशक के अंत तक भारतीय रेल के आधुनिकीकरण का प्रतीक बन जाएगी। देश में मल्टी मोडल ट्रांसपोर्ट सिस्टम पर भी बहुत तेजी से काम चल रहा है। यातायात के अलग-अलग माध्यमों को आपस में जोड़ा जा रहा है। नमो भारत ट्रेन में भी मल्टी मोडल कनेक्टिविटी का ध्यान रखा गया है। प्रधानमंत्री जी ने कहा कि बदलते हुए भारत में यह बहुत जरूरी है कि सभी देशवासियों के जीवनस्तर में सुधार हो। लोग स्वच्छ हवा में सांस लें, कूड़े करकट के ढेर न हों, यातायात के अच्छे साधन हों, पढ़ाई के लिए अच्छे शिक्षण संस्थान हों और उपचार की बेहतर व्यवस्था हो, इन सब पर भारत सरकार विशेष जोर दे रही है। भारत पब्लिक ट्रांसपोर्ट की सुविधा के लिए जितना खर्च कर रहा है, उतना पहले कभी नहीं हुआ। यातायात के लिए जल, थल, नभ और अंतरिक्ष प्रत्येक दिशा में प्रयास किया जा रहा है। देश में नदियों में 100 से अधिक वॉटर-वेज बन रहे हैं। सबसे बड़ा वाटर-वे मां गंगा के जल प्रवाह में बन रहा है। बनारस से हल्दिया तक गंगा जी पर अनेक वॉटर-वे टर्मिनल बनाए गए हैं। इससे किसान जल मार्ग के माध्यम से भी फल, सब्जी और अनाज देश से बाहर भेज पा रहे हैं। हाल ही में दुनिया के सबसे लंबे रिवर क्रूज 'गंगा विलास' ने 3200 किलोमीटर की दूरी तय कर रिकॉर्ड बनाया है। देश में समुद्री किनारों पर भी नए पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर का अभूतपूर्व विस्तार हो रहा है। इसका लाभ कर्नाटक जैसे राज्यों को भी हो रहा है।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी विजयदशमी के पूर्व देश की पहली आर0आर0टी0एस0 'नमो भारत' के रूप में देश को समर्पित कर रहे हैं। इसके लिए प्रधानमंत्री जी का आभार व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विगत साढ़े नौ वर्षों में देश में विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर बना है। एयरपोर्ट की तर्ज पर रेलवे स्टेशन बनें, इसके लिए 500 रेलवे स्टेशनों के पुनरूद्धार का कार्य तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। वंदे भारत ट्रेन ने एक नए भारत का दर्शन कराया है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन व नेतृत्व में आज देश की सर्वाधिक आबादी वाला राज्य एक नए इंफ्रास्ट्रक्चर का दर्शन कर रहा है। यह डबल इंजन सरकार के ही प्रयास है कि आज प्रदेश के पांच शहरों में अत्याधुनिक पब्लिक ट्रांसपोर्ट की सुविधा के रूप में मेट्रो रेल का सफलतापूर्वक संचालन हो रहा है। आगामी फरवरी माह में प्रधानमंत्री जी के कर-कमलों से जनपद आगरा में मेट्रो रेल का संचालन प्रायोरिटी सेक्शन में प्रारम्भ होगा। पब्लिक ट्रांसपोर्ट की इस अत्याधुनिक सुविधा के साथ ही, बाबा विश्वनाथधाम वाराणसी में प्राचीन अविनाशी काशी की पुरातन काया को नए कलेवर के रूप में बदलते हुए देश की पहली रोप-वे सर्विस का कार्य भी युद्धस्तर पर आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि देश में हाई-वे, एक्सप्रेस-वे, ईस्टर्न एण्ड वेस्टर्न डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर तथा लॉजिस्टिक हब के प्रयास प्रारम्भ हुए, उनके चमत्कारी परिणाम आज देखने को मिल रहे हैं। आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में देश प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में अत्याधुनिक विश्व स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से दुनिया की पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित हुआ है। आज देश की पहली रैपिड रेल का शुभारम्भ हुआ है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यह एक शानदार रैपिड रेल है। यह दिल्ली से मेरठ की दूरी को कम कर देगी। मेरठ को दिल्ली से 12-लेन के एक्सप्रेस-वे के साथ पहले ही जोड़ा जा चुका था। 12-लेन का एक्सप्रेस-वे उत्तर प्रदेश में पहले एक सपना था, लेकिन 'मोदी है तो मुमकिन है'। आज यह सपना इस रूप में साकार हुआ है। पहले जिस दूरी को तय करने में साढ़े चार घंटे लगते थे, आज मात्र 45 मिनट में उसे तय किया जा सकता है। इस अवसर पर केन्द्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी, केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग राज्यमंत्री जनरल (सेवानिवृत्त) वी0के0 सिंह, केन्द्रीय आवास एवं शहरी मामलों के राज्यमंत्री श्री कौशल किशोर, उत्तर प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री नरेन्द्र कश्यप सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं शासन-प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मंडलायुक्त ने किया गोद लिए विद्यालय का निरीक्षण

बच्चों को दी जाए बेहतर से बेहतर शिक्षा - मण्डलायुक्त

निज संवाददाता

गोण्डा। मंडलायुक्त योगेश्वर राम मिश्र ने गोद लिए कंपोजिट विद्यालय महादेवा पण्डरी कृपाल का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय के सभी बच्चे लंच ब्रेक में मिड डे मील खाते हुये मिले। मंडलायक ने सभी बच्चों से भोजन की गुणवत्ता की जानकारी एवं स्वयं भी मिड डे मील को चखा। मंडलायुक्त ने बच्चों का हालचाल लिया और उनसे पढ़ाई के विषय में भी पूछा। मण्डलायुक्त ने विद्यालय में चल रहे निर्माण कार्य को भी देखा एवं प्रधानाचार्य को निर्देश दिए कि जल्द से जल्द निर्माण कार्य पूरा कराया जाए। उन्होंने कहा कि कक्ष सही हो जाने के बाद एक बार फिर से विद्यालय में आकर निरीक्षण करेंगे और बच्चों को कुछ देर पढ़ायेंगे। उन्होंने प्रधानाचार्य एवं सभी अध्यापकों को निर्देश दिए कि वह सभी बच्चों को बेहतर से बेहतर शिक्षा प्रदान करें एवं विद्यालय में ऑपरेशन कायाकल्प के तहत विद्यालय का कायाकल्प करायें।

करिकुलम के अंतर्गत अध्यापकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

निज संवाददाता

गोण्डा। विकास भवन सभागार में उत्तर प्रदेश मिलेट्स पुनरुद्धार कार्यक्रम के अंतर्गत मुख्य विकास अधिकारी एम.अरुन्मौली की अध्यक्षता में स्कूल करिकुलम के अंतर्गत अध्यापकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपकृषि निदेशक प्रेम कुमार ठाकुर, जिला कृषि अधिकारी जगदीश प्रसाद, उप संभागीय कृषि प्रसार अधिकारी शिव शंकर चौधरी, कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. हरपाल सिंह, डॉ. राम लखन सिंह, डॉ. अंकित तिवारी, जिला उद्यान अधिकारी पारसनाथ सहित जनपद के 63 माध्यमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के अध्यापकों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य विकास अधिकारी एम. अरुन्मौली ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में अध्यापकों का आह्वान किया कि वे स्वयं भी मिलेट्स से बनी हुई डिशेज को अपने आहार में शामिल करने के साथ ही साथ छात्रों एवं उनके अभिभावकों को भी मिलेट्स से बने हुए खाद्य पदार्थों के उपभोग को प्रेरित करें।

उपकृषि निदेशक प्रेम कुमार ठाकुर ने अध्यापकों से आयोजन की प्रासंगिकता के विषय में चर्चा करते हुए उन्हें मिलेट्स से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी लाभ के विषय में अवगत कराया। जिला कृषि अधिकारी जगदीश प्रसाद ने मिलेट्स को पौष्टिकता से भरपूर बताते हुए इससे बने विभिन्न प्रकार के डिशेस को अपने आहार में शामिल करने के लिए प्रेरित किया। जिला उद्यान अधिकारी ने मिलेट्स फसलों के प्रसंस्करण की संभावनाओं पर प्रकाश डाला।

कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. राम लखन सिंह तथा डॉ. अंकित तिवारी ने मिलेट्स उत्पादन तकनीक के विषय में आधारभूत तथ्यों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। प्रगतिशील कृषक तथा एफपीओ संचालक रविशंकर सिंह ने अपने एफपीओ के द्वारा बनाए जा रहे मिलेट्स के विभिन्न उत्पादों के विषय में प्रतिभागियों को जानकारी दी।

कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ प्राविधिक सहायक आरपीएन सिंह ने किया। कार्यक्रम के आयोजन में वरिष्ठ प्राविधिक सहायक सुमित तिवारी द्वारा सहयोग प्रदान किया गया। अंत में सभी को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन की घोषणा की गई।

गोण्डा में शक्ति वंदन के साथ स्थापित होगा प्रदेश का पहला मिशन शक्ति कैफे

निज संवाददाता

गोण्डा। प्रदेश में नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के प्रति समर्पित योगी सरकार मिशन शक्ति के चौथे चरण में एक अनूठी पहल करने जा रही है। इसके अंतर्गत गोण्डा जनपद में महिलाओं के सशक्तिकरण और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए प्रदेश के पहले मिशन शक्ति कैफे की शुरुआत की जा रही है। सीएम योगी के मार्गदर्शन में आगामी 22 अक्टूबर को जनपद में दुर्गाष्टमी के पावन अवसर पर इसका शुभारंभ किया जाएगा। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के द्वारा एक स्कूल से इसकी शुरुआत की जा रही है। इससे न सिर्फ इन महिलाओं को प्रोत्साहित किया जाएगा बल्कि छात्र एवं छात्राओं को भी जंक फूड की बजाय पोशाक आहार उपलब्ध होगा। उल्लेखनीय है कि गोण्डा में 22 अक्टूबर को ही 11,000 बेटियों का भव्य कन्या पूजन समारोह #शक्ति वंदन# का भी आयोजन किया जा रहा है। यह सिर्फ प्रदेश ही नहीं बल्कि देश का अब तक का सबसे कन्या पूजन समारोह है।

महिलाओं को समर्पित होगा कैफे

गोण्डा की जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने बताया कि शक्ति वंदन समारोह के साथ ही सरकारी सहायता प्राप्त श्री लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय से इस मिशन शक्ति कैफे की शुरुआत की जा रही है। यह कैफे स्कूल और कॉलेजों में स्थापित किए जा रहे हैं। जिनका संचालन स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के द्वारा किया जाएगा। यह प्रदेश का पहला मिशन शक्ति कैफे है जो स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को अपने पैरों पर खड़ा होने का अवसर देगा तो वहीं, छात्र-छात्राओं को पोषक और साफ-स्वच्छ भोजन उपलब्ध कराएगा।

उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को नवदेवी सम्मान

नेहा शर्मा शक्ति वंदन समारोह को लेकर तैयारियों में जुटी हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ मिशन की थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में 11 हजार कन्याओं को शहीदे आजम सरदार भगत सिंह इंटर कॉलेज (टॉमसन) के प्रांगण में कन्या भोज कराया जाएगा। इस दौरान इन सभी बेटियों को पोषण पोटली और हाइजीन किट भी प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि मां दुर्गा के नौ स्वरूपों के आधार पर 9 अलग-अलग क्षेत्रों जैसे पुलिस, उद्यमी, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, स्वयं सहायता समूह, पंचायती राज, कला, एनजीओ में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को समारोह के दौरान नव देवी सम्मान से भी सम्मानित किया जाएगा।

बिना भेदभाव हर तबके की बेटियों का होगा सम्मान

प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिस तरह सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश में बिना भेदभाव अपनी योजनाओं का लाभ हर वर्ग और तबके तक पहुंचाया है, उसी तरह इस कार्यक्रम में भी हर वर्ग और तबके को शामिल किया जाएगा। सीएम योगी की मंशा के अनुरूप सभी जाति और पंथ की बेटियों को इस समारोह में एक समान सम्मान देकर समाज को जागरूक किया जाएगा। इसमें खासतौर पर बड़ी संख्या में पिछड़ी, अति पिछड़ी जातियों के साथ ही दलित, आदिवासी, वनटांगियां समाज की बेटियों को सम्मिलित कर उनका पूजन किया जाएगा। इसके लिए जिला प्रशासन ने कई विद्यालयों और समाजसेवी संगठनों से संपर्क किया है। गोण्डा जनपद में वनटांगिया समुदाय के लिए पहले भी कई कार्य किए गए हैं और उन्हें बिजली व सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं से जोड़कर मुख्य धारा में लाने का प्रयास किया गया है। इस पहल के माध्यम से इन सभी समुदायों की बेटियों को सम्मान और स्वावलंबी बनाने का प्रयास किया जाएगा।

ऊर्जा मंत्री ने गोण्डा में 132/33 केवी पारेषण विद्युत उपकेन्द्र, घारीघाट का किया लोकार्पण

गोण्डा जनपद की कुल विद्युत स्थापित क्षमता 960 एमवीए से 42.74 लाख आबादी को मिलेगी भरपूर बिजली

निज संवाददाता

गोण्डा। प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए के शर्मा ने गोण्डा के घारीघाट में 2म40 एमवीए क्षमता का 132/33 केवी पारेषण विद्युत उपकेन्द्र का लोकार्पण किया। साथ ही 36.80 किमी0 लम्बाई की 132 केवी मनकापुर-घारीघाट पारेषण लाइन और 16.20 किमी0 लम्बाई की 132 केवी भौखरी-घारीघाट पारेषण लाइन का भी लोकार्पण किया। इन सभी परियोजनाओं में 132/33 केवी विद्युत उपकेन्द्र तथा पारेषण लाइनों के निर्माण में कुल 48.66 करोड़ रूपये की लागत आयी। इस कार्य को डेढ़ वर्ष में अगस्त, 2021 में प्रारम्भ कर फरवरी, 2023 में पूरा कर इस उपकेन्द्र को ऊर्जीकृत कर दिया गया। इस उपकेन्द्र के संचालित होने से गोण्डा की गौरा विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत गौरा चौकी, देवरिया मद्दो, घारीघाट, मसकनवा, स्वामीनारायन मन्दिर छपिया, परसा तिवारी एवं अचलपुर चौधरी क्षेत्र की चार लाख आबादी लाभान्वित होगी।

ऊर्जा मंत्री श्री ए के शर्मा ने बताया कि घारीघाट उपकेन्द्र के निर्माण से गोण्डा के गौरा विधान सभा क्षेत्र के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों को सुचारू विद्युत आपूर्ति हो सकेगी और लो-वोल्टेज की समस्या से निजात मिलेगी। इस क्षेत्र को गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होगी। क्षेत्र में विकसित हो रहे औद्योगिक, व्यवसायिक एवं घरेलू उपभोक्ताओं को समुचित विद्युत आपूर्ति हो सकेगी तथा पूर्व के अतिभारित क्षेत्रों को पुर्ननियोजित कर अतिभारिता नियंत्रित होगी। उन्होंने बताया कि गोण्डा जनपद में अब 220/132/33 केवी का एक नग उपकेन्द्र तथा 132/33 केवी के पांच नग उपकेन्द्र हो जाएंगे, जिसमें 2म40 एमवीए क्षमता के नवाबगंज, कर्नलगंज, इटियाथोक घारीघाट तथा 3म40 एमवीए क्षमता का मनकापुर उपकेन्द्र आते हैं। गोण्डा जनपद की अब कुल विद्युत स्थापित क्षमता 960 एमवीए हो जायेगी जबकि यहां की पीक लोड 320 एमवीए ही है। इस जनपद के 4448 वर्ग किमी0 क्षेत्रफल की 42.74 लाख आबादी को भरपूर बिजली मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की विद्युत व्यवस्था को चुस्त-दुरूस्त करने के लिए इस प्रकार के 80 सब स्टेशन और बनकर तैयार हैं, जिनका लोकार्पण किया जाना है।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि घारीघाट उपकेन्द्र का लोकार्पण जिले की प्रगति व विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इस क्षेत्र को ही नहीं बल्कि गोण्डा जिला मुख्यालय को भी यहां से बिजली मिलेगी। निर्माण कार्य जल्द पूरा होने उन्होंने सभी जन-प्रतिनिधियों को धन्यवाद दिया और गोण्डा की 45 लाख जनता को बधाई दी। मा0 मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन में गोण्डा जिले के दुर्गम-दूरस्थ इलाकों में बेहतर विद्युत आपूर्ति हेतु यह सब स्टेशन बनाया गया। कहा कि इससे यहां की विद्युत व्यवस्था बहुत ही सुदृढ़ और सुचारू हो जायेगी। श्री ए0के0 शर्मा ने बताया कि प्रदेश में विद्युत के आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने के लिए युद्धस्तर पर कार्य किया जा रहा। इसके लिए केन्द्र की रिवैम्प योजना (आरडीएसएस) के तहत 17 हजार करोड़ रूपये के कार्य किये जा रहे। बिजनेस प्लान से 05 हजार करोड़ रूपये तथा नगरीय क्षेत्रों में एक हजार करोड़ रूपये के कार्य कराये जा रहे। इस प्रकार कुल मिलाकर 23 से 24 हजार करोड़ रूपये के कार्य विद्युत सुधार के लिए चलाये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि देवीपाटन मण्डल के लिए 434 करोड़ रूपये तथा गोण्डा जिले के लिए 175 करोड़ रूपये से जर्जर तार, ट्रांसफार्मर की क्षमता वृद्धि, बांस-बल्ली को हटाकर पोल लगाने जैसे जरूरी कार्य किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाज की आर्थिक प्रगति के साथ ही बिजली की भी मांग बढ़ रही। आज उद्योग लगाये जा रहे, वाणिज्यिक प्रतिष्ठान बनाये जा रहे। जिन घरों में पहले पंखे लगे होते थे आज वहां एसी लगे हुए हैं। प्रदेश सरकार बढ़ी हुई मांग को निर्बाध रूप से पूरा कर रही है। बिजली आज हमारे जीवन के लिए आवश्यक अंग बन चुकी है।

ऊर्जा मंत्री ने विद्युत कार्मिकों को सख्त चेतावनी दी है कि उपभोक्ताओं के साथ किसी भी प्रकार के दुर्व्यवहार एवं भ्रष्टाचार पर कार्मिकों पर सख्त कार्यवाही की जायेगी उन्हें जेल भेजा जायेगा, निलम्बित भी किया जायेगा। ऊर्जा विभाग अच्छे अधिकारियों को प्रोत्साहित कर रहा तथा गलत कार्य व भ्रष्टाचार करने वालों के खिलाफ कार्यवाही भी कर रहा। उन्होंने आमजन से भी अपील की कि गलत कार्यों का साथ न दें और ऐसे कार्यों को बिल्कुल बढ़ावा न दें। सभी लोग प्रदेश को कटिया चोरों से निजात दिलाने में सहयोग करें, जिससे कि प्रदेश को विद्युत की दुर्व्यवस्था से हमेशा के लिए निकाला जा सके। प्रदेश के रोस्टर व्यवस्था को भी धीरे-धीरे समाप्त करना है। उन्होंने कहा कि विभाग 01 लाख करोड़ रूपये के घाटे में चल रहा है। श्री ए के शर्मा ने बताया कि ऊर्जा मंत्री बनने के समय प्रदेश में तीन करोड़ कनेक्शन थे इसका दस प्रतिशत 26 लाख कनेक्शन अभी डेढ़ वर्षों में दिये गये। इस दौरान साढ़े चार लाख ट्रांसफार्मर की क्षमता वृद्धि की गयी।

प्रत्येक महीने एक हजार ट्रांसफार्मर बदले जा रहे और इतनी की ही क्षमता वृद्धि की जा रही है। प्रतिमाह एक लाख से ज्यादा नये कनेक्शन दिये जा रहे, अब कोई यह न कहे कि कनेक्शन नहीं मिल रहा। बांस-बल्ली के खम्भों को हटाकर डेढ़ वर्ष में दस लाख खम्भे लगाये गये। योगी सरकार ने सवा लाख मजरों का विद्युतीकरण किया तथा डेढ़ करोड़ से अधिक परिवारों को कनेक्शन दिये। उन्होंने कहा कि आप सभी लोगों एवं जन-प्रतिनिधियों के सहयोग व सुझावों से कार्यों को किया जा रहा है जिससे कि कहीं कोई भी कमी न रह जाये। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी ने देश के बिजली संकट, खराब सड़कें एवं स्वच्छता को लेकर चिन्ता की थी और कहा था कि देश को बिजली उत्पादन के मामले में सरप्लस बनाना है। आज हम अपने पड़ोसी देशों नेपाल व भूटान को बिजली दे रहे हैं। उन्होंने बिजली बचाने व पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी प्रदेशवासियों से बिजली के संयमित उपयोग की अपील की है।

कार्यक्रम में गोण्डा के सांसद श्री कीर्तिवर्धन सिंह, विधायक प्रभात वर्मा व रमापति शास्त्री, जिलाध्यक्ष, ब्लाक प्रमुख, मण्डल अध्यक्ष, जन-प्रतिनिधिगण, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता तथा गणमान्य व्यक्तियों के साथ यूपीपीसीएल के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

आया तेज बुखार, इलेक्ट्रॉनिक मिस्त्री की हुई मौत

अलीगढ़। 18 अक्तूबर की सुबह बुखार से अचानक तबीयत बिगड़ने पर परिजन युवक को छर्रा के एक निजी अस्पताल में ले गए, जहां हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने अलीगढ़ के एक निजी अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। निजी अस्पताल में हालत गंभीर होने पर उसे जेएन मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया था। अलीगढ़ में दादों के गांव हरनोट भोजपुर निवासी 24 वर्षीय मानिक चंद पुत्र जितेंद्र कुमार की बुखार से मौत हो गई। मृतक इलेक्ट्रॉनिक मिस्त्री का कार्य करता था। परिजनों के अनुसार बीते पांच दिन पूर्व युवक को अचानक बहुत तेज बुखार आया। परिजन क्षेत्रीय डॉक्टर के पास उपचार के लिए ले गए। 18 अक्तूबर की सुबह अचानक तबीयत बिगड़ने पर परिजन युवक को छर्रा के एक निजी अस्पताल में ले गए, जहां हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने अलीगढ़ के एक निजी अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। निजी अस्पताल में हालत गंभीर होने पर उसे जेएन मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। 19 अक्तूबर की तड़के सुबह चार बजे युवक की मौत हो गई। मृतक अपने पीछे पत्नी सहित दो बेटियों को रोते बिलखता छोड़ गया।

किशोरी का अपहरण कर दुष्कर्म करने का आरोपी गिरफ्तार, भेजा जेल

अलीगढ़। पीड़ित का आरोप था कि उसकी बहन को कमलेश अपने घर बुलाकर अपने बेटे अमनदीप से बात कराती थी। उसकी बहन नीतू भी सहयोग करती थी। किशोरी के अपहरण व दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। कोतवाल प्रवीण कुमार ने बताया कि 12 जुलाई को एक किशोरी के अपहरण की घटना के संबंध में अमनदीप व उसकी मां कमलेश देवी तथा बहन नीतू के खिलाफ मुकदमा बेसवां चौकी में दर्ज कराया गया था। पीड़ित का आरोप था कि उसकी बहन को कमलेश अपने घर बुलाकर अपने बेटे अमनदीप से बात कराती थी। उसकी बहन नीतू भी सहयोग करती थी। मुकदमा दर्ज करने के साथ ही विवेचक ने अपहृत किशोरी को बरामद करने के साथ ही उसका चिकित्सकीय परीक्षण कराकर धारा 164 में बयान दर्ज कराए हैं। तदनुसार धारा 376 की वृद्धि कर आरोपी अमनदीप को गिरफ्तार करके बुधवार को 14 दिन के रिमांड पर जेल भेजा गया है। प्रकरण में अग्रेतर कार्रवाई जांच के बाद की जाएगी।

आंकड़ों में सब हरे-भरे, जमीन पर ठूठ भी नहीं दिखे

बांदा। वन विभाग बांदा की धरती को सब्जबाग (हराभरा) बता रहा है। उसके आंकड़ों में जिले में पिछले तीन सालों में करीब 48 लाख 68 हजार 746 पौधे लगाए गए हैं। जिले का क्षेत्रफल 4408 वर्ग किलोमीटर है। यानि प्रत्येक वर्ग किलोमीटर में 1104 पौधे लहलहा रहे हैं। तीन वर्षों से पूर्व जो पौधे लगाए जा चुके हैं वो इसके अलावा हैं। बांदा समेत समूचे बुंदेलखंड में पौधरोपण को लेकर वन विभाग और पौधरोपण कराने वाले अन्य महकमें हमेशा निशाने पर रहे हैं। करोड़ों रुपये घोटाले के आरोप है। हाईकोर्ट, एनजीटी, शासन आदि तक इसकी शिकायतें पहुंची हैं। अभी भी इलाहाबाद हाईकोर्ट में स्वयं सेवी आशीष सागर द्वारा दायर याचिका विचाराधीन है। अब वन विभाग ने पिछले तीन वर्षों में हुए पौधरोपण संबंधी आंकड़े आरटीआई में दिए हैं। यह काफी हैरतनाक है। बांदा के आरटीआई कार्यकर्ता कुलदीप शुक्ला द्वारा मांगी गई सूचना में प्रभागीय वनाधिकारी ने दी जानकारी में बताया कि पिछले तीन वर्षों (वर्ष 2021 से वर्ष 2023) तक जनपद में 48 लाख 68 हजार 746 पौध लगाए गए हैं। इनमें 23 लाख 74 हजार 222 पौधे रोपित किए गए हैं और 24 लाख 94 हजार 524 पौधे बीज से उगाए गए हैं। इससे तो लग रहा है कि जनपद की पूरी धरती पेड़ों से ढक गई है। चौतरफा हरियाली है। दूसरी तरफ वन विभाग के ही आंकड़े हैं कि जनपद में वन क्षेत्र सिर्फ ढाई फीसदी है। जबकि मानक 33 फीसदी का है।

मां ने डांटा तो किशोरी ने फंदा लगाकर दी जान

बांदा। मां के डांटने से क्षुब्ध किशोरी ने खेत में लगे नीम के पेड़ से दुपट्टा से फंदा लगाकर जान दे दी। ग्रामीणों ने शव को लटके देखा तो परिजनों को जानकारी दी। मौके पर पहुंचे घर वालों ने फंदा काटकर उसे नीचे उतार लिया। देहात कोतवाली क्षेत्र के घटघटनगर नई बस्ती निवासी गुंजन (17) बुधवार को सुबह घर से शौच जाने की बात कहकर खेत गई थी। वहां पर लगे नीम के पेड़ पर दुपट्टा से फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। ग्रामीणों ने शव लटका देखा तो परिजनों को सूचना दी। पिता पप्पू निषाद ने बताया कि घटना के समय वह मजदूरी करने बांदा चला आया था। घर पर उसकी मां पार्वती लिपाई पुताई कर रही थी। काम काज को लेकर मां ने डांट दिया। इसी से नाराज होकर गुंजन ने फंदा लगाकर खुदकुशी की है। मृतका दो भाइयों में अकेली बहन है। देहात कोतवाली प्रभारी जयचंद्र सिंह ने बताया कि परिजन कोई ठोस वजह नहीं बता पा रहे। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

भाई-बहन समेत चार को डेंगू

बांदा। जिला अस्पताल की पैथोलॉजी में बुधवार को डेंगू के 43 सैंपल लगाए गए। इनमें से चार को डेंगू की पुष्टि की गई। इनमें दो भाई-बहन भी शामिल है। पैथोलॉजी जांच में कबौली गांव निवासी खैरुन्निशां (55), छाबी तालाब निवासी तान्या चौहान (55) उसके भाई वीर प्रताप (14) व गुलाब बाग निवासी नूर अहमद (18) को डेंगू की पुष्टि की गई। इनमें खैरुन्निशां को भर्ती कराया गया है। शेष मरीज ओपीडी के रहे थे। पैथोलॉजी में 316 विभिविन्न बीमारियों से ग्रसित मरीजों की जांच की गई। अब तक डेंगू मरीजों की संख्या 217 पहुंच गई है। विभिन्न मोहल्लों में स्वास्थ्य विभाग का घरों की जांच और डेंगू निरोधक लार्वा छिड़कने का कार्य जारी है। जिला अस्पताल परिसर स्थित मंडलीय चिकित्सालय में बुधवार को अमर उजाला में बिना मच्छरदानी के भर्ती डेंगू मरीज की खबर प्रकाशित होने पर जिला अस्पताल प्रशासन ने मरीजों के बेडों में मच्छरदानी लगवाई है। यहां टायलेट में गंदगी मिलने की शिकायत पर दो बार टायलेट की सफाई भी कराई गई। सीएमओ डॉ. एके श्रीवास्तव व सीएमएस डॉ. एसएन मिश्र ने डेंगू वार्ड का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को देखा।

शव गांव पहुंचे तो बिलख पड़े परिजन, पसरा मातम

बाराबंकी। सीतापुर में सोमवार को हुए सड़क हादसे में फतेहपुर के दो लोगों की मौत होने के बाद मंगलवार को उनके शव गांव पहुंचे तो परिजनों में कोहराम मच गया। घर में मुंडन जैसे मांगलिक कार्य को लेकर छाया उल्लास आंसुओं के सैलाब में बदल गया। नम आंखों से वृद्ध व कार चालक का अंतिम संस्कार किया गया। फतेहपुर कोतवाली क्षेत्र के मीननगर गांव निवासी जानकी प्रसाद वर्मा (65) व कस्बे के मोहल्ला पचघरा निवासी जमील अख्तर को मारुति वैन लेकर वह परिवार के साथ अपनी नातिन का मुंडन कराने सीतापुर के नैमिषारण्य गए थे। शाम को लौटते समय सिधौली-महमूदाबाद रोड पर ग्राम भेड़िया के पास बोलेरो से वैन की टक्कर हो गई थी। हादसे में जानकी प्रसाद व जमील की मौत हो गई थी। मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद दोनों के शव घर पहुंचे तो कोहराम मच गया। जमील की दो पुत्री व एक पुत्र को उसकी पत्नी नाहिद परवीन संभाल नहीं पा रही थी। अब परिवार कैसे चलेगा यही सवाल हर व्यक्ति की जुबान पर था। वहीं, जानकी प्रसाद के परिजनों ने बताया कि जानकी की पुत्री राखी, उसके पुत्र आदर्श तथा समधी प्यारेलाल का इलाज चल रहा है।

दो पतियों से केस, महिला ने रचाई तीसरी शादी, मुकदमा

बाराबंकी। देवा कोतवाली क्षेत्र में महिला ने खुद को अविवाहित बता कर एक अधेड़ से तीसरी शादी कर ली। इसका खुलासा होने के बाद अधेड़ दंग रह गया। क्योंकि पूर्व के दो पतियों से महिला का केस चल रहा है। अधेड़ की तहरीर पर देवा कोतवाली में महिला के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। कोतवाली क्षेत्र के अलीपुर मजरे रेंदुआ पल्हरी गांव निवासी 52 वर्षीय अश्विनी कुमार सिंह ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उनकी पत्नी का निधन सात साल पहले हो चुका है। वह 17 व 15 साल के दो पुत्रों का पिता भी है। दो साल पहले उसकी मुलाकात फतेहपुर इलाके की निवासी 32 वर्षीय आरती से हुई। आरती ने स्वयं को अविवाहित बताया और फिर एक संस्था के माध्यम से दोनों ने शादी कर ली। लेकिन दोनों में विवाद हुआ और अलग हो गए। अश्विनी के अनुसार उसने महिला के बारे में जानकारी हासिल की तो पता चला कि आरती ने पहली शादी सीतापुर जिले के महमूदाबाद इलाके के एक व्यक्ति से की, जिससे विवाद के बाद वर्ष 2012 में सीतापुर की पारिवारिक न्यायालय में केस चला। जबकि वर्ष 2007 में फतेहपुर कस्बे के एक युवक से निकाह किया था, जिसका मामला लखनऊ के पारिवारिक न्यायालय में लंबित है। दोनों में तलाक हुए बगैर आरती ने तीसरी शादी की है। एसएचओ देवा पंकज कुमार सिंह ने बताया कि महिला के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है।

न्याय पंचायत स्तरीय खेलों में कादरचौक का रहा दबदबा

बदायूं। न्याय पंचायत स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन राधाकांत मंदिर मैदान में किया गया। इसमें प्राथमिक वर्ग बालक में कंपोजिट विद्यालय कादरचौक का दबदबा रहा। व्यायाम शिक्षक मुकेश यादव व खेल प्रभारी पुष्पेंद्र कुमार के निर्देशन में हुई प्रतियोगिताओं में प्राथमिक बालक वर्ग में 50, 100, 200 मीटर दौड़ में कंपोजिट विद्यालय कादरचौक के अनमोल प्रथम, सुमित द्वितीय रहे। लंबीकूद में कंपोजिट विद्यालय कादरचौक के राज प्रथम और पुष्पेंद्र द्वितीय रहे। जूनियर वर्ग की 100 मीटर दौड़ में कंपोजिट स्कूल कैथुलिया के श्रीओम प्रथम, 200 व 400 मीटर दौड़ में कंपोजिट विद्यालय कादरचौक के खुशीराम प्रथम रहे।

घर के बगल में खड़ी कच्ची दीवार ढही, मासूम बच्ची की मलबे में दबकर मौत, बहन गंभीर

बाराबंकी। बाराबंकी के रामनगर में एक मासूम के ऊपर कच्ची दीवार ढह जाने से उसकी मौत हो गई। उसे गंभीर हालत में केजीएमयू रेफर किया गया है। बाराबंकी जिले की रामनगर कोतवाली क्षेत्र के बिछलखा गांव में बुधवार सुबह कच्ची दीवार ढहने से पांच साल के मासूम की मौत हो गई जबकि उसकी चार साल की बहन घायल हो गई। उसे गंभीर हालत में केजीएमयू लखनऊ रेफर किया गया है। घटना के बाद से परिजनों में कोहराम मचा है। बिछलखा गांव निवासी रामकिशोर मजदूरी करके परिवार का भरण पोषण करते हैं। इनके चार बच्चे रोली (8), रामस्वरूप उर्फ अमन (5), राधा (4) व चार माह का रमन है। गांव में इनका एक कमरे का पक्का मकान है जबकि मकान के बगल में कच्चे मकान की एक दीवार खड़ी थी। बुधवार सुबह करीब आठ बजे रामकिशोर मजदूरी करने के लिए निकल गया था। अमन व राधा घर के बाहर खेल रहे थे जबकि रोली चार माह के बच्चे को गोद में लेकर दरवाजे पर बैठी थी। इसी दौरान मकान के बगल खड़ी कच्ची दीवार भरभरा कर गिर पड़ी। अमन व राधा दीवार के मलबे में दब गए। हादसे में रोली व करन बाल-बाल बच गए।

दीवार गिरते ही रोली की चीख निकल पड़ी। तेज आवाज सुनकर घर के अंदर नहा रहा रामकिशोर की पत्नी कमला देवी बाहर पहुंची तो सन्न रह गई। चीख पुकार के बीच मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने दीवार का मलबा हटाया तो अमन व राधा गंभीर रुप से घायल पड़े मिले। दोनों को आननफानन सीएचसी रामनगर ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने अमन को मृत घोषित कर दिया।राधा को प्राथमिक उपचार के बाद तुरंत बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

एक बाइक ने दूसरी बाइक में मारी टक्कर, दो घायल

अलीगढ़। अलीगढ़ में थाना गंगीरी के गांव बूढ़ागांव निवासी दो युवक बाइक से कासगंज गए। वहां से लौटते समय एक बाइक ने उनमें टक्कर मार दी। जिससे दोनों घायल हो गए। अलीगढ़ में थाना गंगीरी के गांव बूढ़ागांव निवासी कपिल कुमार पुत्र भीमसेन गांव के ही अपने साथी रोहित पुत्र सत्यप्रकास के साथ 18 अक्तूबर को बाइक पर कासगंज काम की तलाश में गये थे। बाइक पर दोनों शाम को गांव लौट रहे थे। गांव मलसई पुल के पास आते ही पीछे से आ रहे दूसरी बाइक सवार ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से कपिल की बाइक नीम नदी के पुल में जा लगी, जिससे बाइक सवार कपिल व रोहित दोनों घायल हो गये।

अज्ञात वाहन ने बाइक में मारी टक्कर, सिकंदराराऊ के युवक की मौत

अलीगढ़। थाना सिकंदराराऊ के गांव बिलार निवासी चंद्रपाल पुत्र कल्लू बुधवार की शाम गोपी स्थित बाजार से कुछ घरेलू सामान खरीद कर बाइक द्वारा अपने घर वापस लौट रहा था। इसी दौरान शाम लगभग सात बजे चांदपुर के निकट बाबा ढावा के पास पहुंची तो अज्ञात वाहन से बाइक की भिड़ंत हो गई। अकराबाद थाना क्षेत्र में जीटी रोड पर गांव गोपी चांदपुर के निकट बुधवार की शाम बाइक सवार एक युवक को दूसरे वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। थाना सिकंदराराऊ के गांव बिलार निवासी चंद्रपाल पुत्र कल्लू बुधवार की शाम गोपी स्थित बाजार से कुछ घरेलू सामान खरीद कर बाइक द्वारा अपने घर वापस लौट रहा था। इसी दौरान शाम लगभग सात बजे चांदपुर के निकट बाबा ढावा के पास पहुंची तो अज्ञात वाहन से बाइक की भिड़ंत हो गई। जिससे 32 वर्षीय बाइक सवार चंद्रपाल की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा होते ही तमाम राहगीरों के साथ आसपास के लोगों की मौके पर भीड़ एकत्रित हो गई। परिजनों के अनुसार मृतक ने अपने पीछे पत्नी व तीन बच्चों को रोते बिलखते छोड़ा है। घटना के संबंध में थाना प्रभारी अवधेश कुमार ने बताया है कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, तहरीर आने पर कार्रवाई होगी।

एसडीएम बन छात्रा प्रतिभा ने सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं

बदायूं। मिशन शक्ति कार्यक्रम के तहत जीजीआईसी की छात्राओं ने तहसील का भ्रमण किया। इस दौरान कक्षा 12 की छात्रा प्रतिभा को दो घंटे के लिए एसडीएम बनाकर ऑफिस में बैठाया गया। उन्होंने लोगों की समस्याएं सुनीं और उनके निराकरण के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। शिकायत करने आए भुढ़िया गांव के संतोष का आरोप था कि उनके परिवार के ही एक दबंग ने उनके मकान और खेत पर कब्जा कर लिया है।

पुलिस में उल्टी उनकी ही शिकायत कर दी है। पलिया लद्दू गांव के बाबू ने शिकायत की कि उनका रास्ता ग्राम प्रधान ने बंद कर दिया है। गांव गौंटिया रामनारायण के सुबोध ने आरोप लगाया कि गंगा एक्सप्रेस-वे के लिए उनकी बैनामा से ज्यादा जमीन ले ली गई है। एसडीएम बनीं छात्रा प्रतिभा ने संबंधित अधिकारियों को इन सभी शिकायतों का निस्तारण करने के निर्देश दिए। इस मौके पर एसडीएम धर्मेंद्र कुमार सिंह, तहसीलदार, नायब तहसीलदार समेत तहसील के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

इधर, डहरपुर गांव में मिशन शक्ति के अंतर्गत महिलाओं को उनके अधिकारों के बारे में बताया गया। एसडीम धर्मेंद्र कुमार सिंह और सीओ कर्मवीर सिंह ने कहा कि अब महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से पीछे नहीं है। किसी भी तरह की परेशानी होने पर महिलाएं तुरंत कानून का सहारा ले सकती हैं। स्कूल की प्रधानाध्यापिका सीमा राजन और ग्राम प्रधान विशाल गुप्ता ने भी मिशन शक्ति की जानकारी दी।

जाम से है बचना तो बाहरी मार्गों का करें इस्तेमाल, दुर्गा पूजा के कारण शहर की पटरियों पर लगी बांस बल्ली

आजमगढ़। दशहरे के पर्व को लेकर नगर क्षेत्र में प्रतिमाओं की स्थापना का कार्य शुरू हो गया है। साथ ही सड़कों के किनारे सजावट के लिए बांस बल्ली लगाने का कार्य तेज हो गया है। जिसके कारण शहर की पटरियां अब आवागमन योग्य नहीं रह गई हैं। ऐसे में अगर आप जाम से बचना चाहते हैं तो मुख्य मार्गों को छोड़कर या तो गलियों का सहारा ले सकते हैं या फिर शहर के बाहरी मार्गों का प्रयोग कर सकते हैं। जनपद में विजयादशमी का पर्व 24 अक्टूबर को मनाया जाएगा। जिसे लेकर पूजा समितियों द्वारा तैयारियां तेज कर दी गई है। कई जगहों पर स्थापित प्रतिमाओं के पट खुल चुके हैं। तो ज्यादातर जगहों पर स्थापित मां की प्रतिमाओं के पट सप्तमी के दिन खुलेंगे। दशहरे का दिन जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है वैसे ही पूजा समितियों की तैयारियां भी तेज होती जा रही हैं। पंडालों के साथ ही रास्तों को भी आकर्षक विद्युत झालरों से सजाया जा रहा है। जिसके लिए उनके द्वारा सड़क की पटरियों पर बांस बल्ली लगाने का कार्य लगभग पूरा कर लिया गया है। पटरियों पर बांस बल्ली लगने के बाद शहर में जाम की समस्या बढ़ गई है। ऐसे में अगर आप मुख्य मार्ग जो सिविल लाइन से होकर हर्रा की चुंगी और बिलरिया की चुंगी को जाता है उसे पकड़ते हैं तो जाम में फंसना तय है। लेकिन अगर आप शहर की गलियों और बाहरी रास्तों का इस्तेमाल करते हैं तो जाम की इस समस्या से बच सकते हैं।

इन मार्गों से आवागमन होगा सुलभ

- नगर के सिविल लाइन से अगर आप बिलरिया की चुंगी, ब्रह्मस्थान, हर्रा की चुंगी जाना चाहते हैं तो आप बवाली मोड़ से करतालपुर होते हुए गंतव्य को जा सकते हैं।
- अगर शहर के बीच से जाना चाहते हैं तो पुरानी जेल के पास से बंधे के रास्ते गुरुटोला, पुरानी सब्जी मंडी चौक, शिब्ली चौराहा होते हुए गंतव्य को जा सकते हैं।
- अगर पुरानी सब्जी मंडी चौराहे पर जाम मिलता है तो आप गलियों के जरिए ही आगे का सफर कर सकते हैं।
- वहीं अगर आप बिलरिया की चुंगी से सिविल लाइन या रोडवेज जाना चाहते हैं तो इसके दो रास्ते हैं। एक आप सीधे करतालपुर से बाइपास पकड़कर रोडवेज पहुंचे या फिर बिलरिया की चुंगी से हर्रा की चुंगी पहुंचिये फिर वहां से सीधे कालीनगंज, डीएवी कालेज होते हुए सिविल लाइन पहुंच सकते हैं।

यातायात निरीक्षक धनंजय कुमार ने बताया कि नवरात्र से ही बड़े वाहनों का भवरनाथ चौराहा, नरौली, जुनेदगंज, हाफिजपुर, सिधारी में शंकर जी मूर्ति से शहर में प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया गया है। आटो और ई रिक्शा के लिए वनवे नियम लागू किया गया है। यह लोग सदर अस्पताल से सीधे कोट किला, काली चौरा होते हुए सिविल लाइन, रोडवेज जाएंगे। रोडवेज और सिधारी से आने वाले वाहन पुरानी जेल के सामने बंधे के रास्ते होते हुए पांडेयबाजार को निकलेंगे। शंकर जी तिराहा से पहाड़पुर तक छोटे और बड़े वाहनों को प्रतिबंधित किया गया है।

निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेस-वे से सटे बिनावर में बनेगा औद्योगिक गलियारा

बदायूं। शासन ने प्रशासन के बिनावर क्षेत्र में औद्योगिक गलियारा विकसित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। दरअसल, मेरठ से प्रयागराज तक गंगा एक्सप्रेस-वे बनाया जा रहा है। यह सदर तहसील के बिनावर कस्बा समेत जिले की चार तहसीलों से होकर गुजरेगा। एक्सप्रेस-वे से संजोई जा रहीं विकास की उम्मीदों को पंख लगाने के लिए तीन स्थानों पर औद्योगिक गलियारा बनाने का जिला प्रशासन ने शासन को प्रस्ताव भेजा था। इनमें से बिनावर क्षेत्र में औद्योगिक गलियारा बनाने के लिए हरी झंडी मिल गई है। औद्योगिक गलियारा बनाए जाने के लिए एक्सप्रेस-वे से जुड़े गांवों में जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा। गंगा एक्सप्रेस-वे का कार्य तेजी से चल रहा है। मेरठ से शुरू होकर एक्सप्रेस वे प्रदेश के कई जिलों से होकर गुजरेगा और प्रयागराज को जोड़ेगा। बदायूं में एक्सप्रेस-वे का 92 किमी का हिस्सा सदर के अलावा बिल्सी, बिसौली और दातागंज तहसील में होगा। जिन गांवों से एक्सप्रेस-वे गुजर रहा है, वहां जमीनों का अधिग्रहण किया जा चुका है।

शासन के निर्देश पर पिछले दिनों प्रशासन ने तहसील बिसौली क्षेत्र के गांव बनकोटा, बदायूं के बिनावर और तहसील दातागंज के डहरपुर कलां क्षेत्र में औद्योगिक गलियारा बनाने का प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा था। प्रशासन चाहता था कि तीनों ही स्थानों पर औद्योगिक गलियारा बनाया जाए, ताकि तीनों तहसीलों का विकास हो सके, लेकिन शासन के मानकों पर खरा उतरने के बाद बिनावर क्षेत्र का चयन औद्योगिक गलियारे के लिए किया गया है।

132 हेक्टेयर में बनेगा औद्योगिक गलियारा

जिला प्रशासन अभी लगभग 132 हेक्टेयर जमीन पर औद्योगिक गलियारा विकसित करने की बात कह रहा है। इसके लिए गांव औरंगाबाद, कुतुबपुरथरा और घटपुरी का चयन किया गया है। हालांकि जमीन का क्षेत्रफल अभी घट या बढ़ सकता है। इसको लेकर जल्द ही जिला प्रशासन की ओर से बैठक होगी। माना जा रहा है कि औद्योगिक गलियारा स्थापित हो जाने के बाद क्षेत्र का कायाकल्प होगा। जिस स्थान पर औद्योगिक गलियारा बनाया जाएगा, वहां कई तरह के उद्योग लगेंगे और उसका लाभ क्षेत्र के साथ ही जिले की जनता को भी मिलेगा। लोगों का कहना है कि औद्योगिक क्षेत्र हो जाने के बाद लोगों को रोजगार भी मिलेगा और बहुत से लोग अपने रोजगार भी स्थापित कर सकेंगे। यूपी एक्सप्रेस वेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) के अधिकारियों के अनुसार, यहां पर उद्योग लगाने के लिए कंपनियों को यह जगह दी जाएगी, जिससे क्षेत्र में बड़े उद्योग लगे सकें।

जमीनों के बढ़ जाएंगे रेट

गंगा एक्सप्रेस-वे के बिनावर से होकर निकलने की वजह से वहां जमीन के रेट पहले से ही बढ़े चल रहे हैं। औद्योगिक गलियारा स्थापित होने के बाद रेट और बढ़ जाएंगे। इससे किसानों को भी फायदा होगा। इधर, इसे लेकर रियल कारोबारी भी सक्रिय हो गए हैं। औद्योगिक गलियारा स्थापित होने की संभावना के बाद वे किसानों से जमीन खरीदने के लिए संपर्क कर रहे हैं। इधर, किसानों का कहना है कि पहले वे यह देखेंगे कि उन्हें कितना मुआवजा मिलेगा और उस समय जमीन का क्या रेट होगा।

- सदर तहसील के बिनावर का चयन औद्योगिक गलियारा बनाने के लिए किया गया है। इस दिशा में तेजी से काम हो, इसे लेकर जल्द ही डीएम की अध्यक्षता में बैठक होगी। उसके बाद में ही काफी चीजें स्पष्ट हो सकेंगी। - केएस वर्मा, भू अर्जन अधिकारी, यूपीडा

जोनल बैडमिंटन टूर्नामेंट-नोएडा ने देहरादून को हराया

बदायूं। जोनल बैडमिंटन टूर्नामेंट में बुधवार को नोएडा के लोटस वैली इंटरनेशनल स्कूल और देहरादून के सोशल बलूनी पब्लिक स्कूल ब्राह्मणवाला के बीच हुए मैच में नोएडा ने 2-0 से देहरादून को हरा दिया। इसके साथ ही अमरोहा, बुलंदशहर, गाजियाबाद, बिजनौर आदि के भी मैच हुए। इनमें खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। बीआरबी मॉडल स्कूल में चल रहे टूर्नामेंट के दूसरे दिन खिलाड़ियों में और ज्यादा जोश देखने को मिला। दूसरे दिन की स्पर्धा में अंडर-14 वर्ग में 18 स्कूलों के खिलाड़ियों के बीच 128 राउंड हुए। अंडर-19 वर्ग की प्रतिस्पर्धा में 26 स्कूलों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इनके बीच 128 राउंड खेले गए। अंडर-14 में सहारनपुर के पाइनवुड स्कूल और सिकंदराबाद के बाबू बोधराज कॉन्वेंट विद्यालय के बीच मुकाबला हुआ। इसमें सहारनपुर 2-0 से विजयी रहा। नोएडा के कोठारी इंटरनेशनल स्कूल और मोंटफोर्ट स्कूल रुड़की हरिद्वार के बीच हुए मुकाबले में नोएडा ने हरिद्वार को 2-0 से हराया। मेरठ की वर्धमान अकादमी ने 2-0 से गौतमबुद्ध नगर के पेसेफिक वर्ल्ड स्कूल को शिकस्त दी। मेजबान स्कूल के प्रबंधक सुभाष बत्रा व हिमांशु बत्रा ने कहा कि स्कूल हमेशा इस तरह की स्पर्धाओं का आयोजन करता रहा है।

सुबह होना था मैच, शाम को किया मना

बीआरबी मॉडल स्कूल में चल रहे जोनल बैडमिंटन टूर्नामेंट में खेलने के लिए हल्द्वानी से आशुतोष रावत अपनी आठ सदस्यीय टीम लेकर आए थे। उनका अंडर-17 का मैच सुबह 10 बजे होना था। टीम भी फाइनल हो गई थी, लेकिन शाम छह बजे तक मैच नहीं हो सका। टीम मैनेजर आशुतोष रावत का कहना है जब उन्होंने इस संबंध में जानकारी मांगी, तो उनसे कह दिया कि उनकी टीम को मैच नहीं खिलाया जा सकता है। इसके अलावा कोई और स्पष्ट जवाब नहीं दे सके। बताया जा रहा है इसके अलावा कुछ अन्य टीमों के साथ भी ऐसा किया गया है।

बढ़ेगा अमेठी नपं का दायर, मिलेगी शहर जैसी सुविधा

अमेठी। स्थानीय नगर पंचायत की ओर से एक बार फिर सीमा विस्तार को लेकर कवायद शुरू हो गई है। सीमा विस्तार के प्रस्ताव की मंजूरी के लिए शासन को फाइल भेजी गई है। इससे नगर पंचायत से सटी ग्राम पंचायतों की 14 हजार आबादी को नगर जैसी सुविधा मिलनी शुरू हो जाएगी। करीब 27 हजार से अधिक आबादी को फायदा मिलेगा। स्थानीय नगर पंचायत 14 सितंबर 1968 को रायपुर फुलवारी, कटरा राजा हिम्मत सिंह और सरवनपुर को शामिल कर गठन किया गया। नगर पंचायत गठन के बाद कई कार्यकाल बीते लेकिन सीमा विस्तार व नगर पालिका बनाए जाने को लेकर कोई कवायद नहीं शुरू हुई। वर्ष 2012 में चंद्रमा देवी नगर पंचायत अध्यक्ष बनीं और इसके बाद सीमा विस्तार को लेकर कवायद शुरू हुई। शासन स्तर तक कई बार सीमा विस्तार की फाइल गई लेकिन अधर में लटकी रही। नगर पंचायत अध्यक्ष अंजू कसौधन और जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरि ने नगर पंचायत के सीमा विस्तार को लेकर एक बार फिर पहल शुरु की है। नगर पंचायत अध्यक्ष और अधिशासी अधिकारी अभिनव यादव ने नगर पंचायत सीमा विस्तार के प्रस्ताव को मंजूरी के लिए शासन को भेजा है। ईओ ने बताया कि नगर पंचायत की अब तक सीमा (.84 स्क्वायर किलोमीटर) है।

सीमा विस्तार के बाद 3.74 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल होगा। 2011 की जनगणना के अनुसार अब तक नगर पंचायत की आबादी 13,849 थी। सीमा विस्तार के बाद प्रस्तावित क्षेत्र की आबादी करीब 27,750 होगी और क्षेत्र की जनसंख्या का घनत्व करीब 7420 होगा। साथ ही सीमा विस्तार के बाद निकाय की वार्षिक आय करीब 25 लाख और वार्षिक व्यय करीब बीस लाख रुपए होगा। सीमा विस्तार के बाद करीब 13 आबादी को शहरी क्षेत्र की मूलभूत सुविधाएं मिलेगी।

डेंगू के छह संदिग्ध मरीज मिले, गांव पहुंचीं टीमें

अमेठी। जिले में डेंगू और बुखार का प्रकोप थम नहीं रहा है। बुधवार को डेंगू की किट से जांच में छह मरीज संदिग्ध संक्रमित मिल। जिला अस्पताल की ओपीडी में जुखाम बुखार से पीड़ित मिले 406 मरीजों का इलाज किया गया। जबकि डेंगू पॉजीटिव मिले मरीजों के संबंधित गांवों में पहुंची टीमों ने आसपास के लोगों की जांच कर खून के सैंपल लिए। एंटी लार्वा का छिड़काव कर लोगों को जागरूक किया गया। मौसम में तेजी से बदलाव हो रहा है दिन में गर्मी व कड़ी धूप जो रात में मौसम सर्द हो गया है। इन सबके बीच जिले में जुखाम बुखार एवं डेंगू के मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। बुधवार को जिले में कार्ड से हुई डेंगू जांच में छह संदिग्ध मरीज पाए गए। जिसमें सीएचसी अमेठी, गौरीगंज, संग्रामपुर, भेटुआ, भादर, शाहगढ़ और जगदीशपुर के एक-एक डेंगू संदिग्ध मरीज पाए गए है। जिला अस्पताल की ओपीडी में 905 मरीज आए। जिसमें से 328 मरीज बुखार, 78 मरीज जुखाम, 71 खांसी, 67 ठंड, 49 पेटदर्द, 44 मरीज डिहाइड्रेशन से पीड़ित रहे।

बच्चों को नशे से बचाने के लिए विद्यालयों में हो निगरानी -त्रिपाठी

बदायूं। राज्य बाल संरक्षण आयोग के सदस्य श्याम त्रिपाठी ने कहा कि बच्चों को नशे से बचाने के लिए विद्यालयों में निगरानी की जाए। स्कूलों की 100 मीटर परिधि में नशीले पदार्थों की कोई दुकान न हो। इस दायरे में नशीले पदार्थों की बिक्री पर पूरी तरह पाबंदी लगाई जानी चाहिए। बुधवार को सीडीओ केशव कुमार के साथ विकास भवन स्थित सभागार में बच्चों से संबंधित कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा बैठक में श्याम त्रिपाठी ने पीएम केयर, उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (कोविड), एवं स्पॉन्सरशिप आदि योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जन कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जागरूक कर पात्रों को इनका लाभ दिलाया जाए। बच्चों को नशे से बचाने के लिए डीआईओएस को स्कूलों, कॉलेजों में निगरानी के निर्देश दिए।

आबकारी विभाग को निर्देश दिए कि शराब की दुकानों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाए जाएं। 21 वर्ष से कम आयु वालों को शराब बिक्री न की जाए। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के सामने खुले मेडिकल स्टोर्स हटवाए जाएं। बीएसए को आरटीई के तहत गरीब बच्चों के शत प्रतिशत दाखिले सुनिश्चित कराने को कहा।

मतदेय स्थलों की सूचियां निशुल्क निरीक्षण के लिए उपलब्ध

बदायूं। डीएम मनोज कुमार ने बताया कि जिले की सभी छह विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों बिसौली, सहसवान, बिल्सी, बदायूं, शेखूपुर एवं दातागंज के मतदेय स्थलों की सूचियों का अंतिम प्रकाशन भारत निर्वाचन आयोग के अनुमोदन के पश्चात कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि इन मतदेय स्थलों की सूचियां कार्यालय जिला निर्वाचन अधिकारी, जिला निर्वाचन कार्यालय, समस्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, तहसील कार्यालयों पर निशुल्क निरीक्षण के लिए उपलब्ध हैं।

शोध के लिए हिसामुद्दीनपुर का वैज्ञानिकों ने किया सर्वेक्षण

आजमगढ़। कृषि वातावरण संरक्षण व गुणवत्तायुक्त शोध के लिए बुधवार को कोयलसा ब्लाक के हिसामुद्दीनपुर गांव का सर्वेक्षण किया गया। इसमें कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान कानपुर व कृषि विज्ञान केंद्र लेदौरा के संयुक्त टीम शामिल रही। किसानों से जानकारी प्राप्त कर शोध की परिकल्पना तैयार की जायेगी। इस संबंध में केवीके के वरिष्ठ वैज्ञानिक व अध्यक्ष डा एलसी वर्मा ने बताया कि किसान की जोत, पशुओं की संख्या व बाजार की आवश्यकतानुसार शोध परिकल्पना तैयार की जायेगी। जिससे कि पैदावार के साथ-साथ किसान की आमदनी में वृद्धि हो सके। वानिकी वैज्ञानिक उमेश कुमार ने किसानों से सवाल जवाब कर उनकी कृषि समस्याओं का उजागर करने की कोशिश की। पादप प्रजनन वैज्ञानिक डा अखिलेश यादव ने बताया कि केंद्र पर फ्रंटलाइन डिमांसट्रेशन, आन फार्म ट्रायल व प्रशिक्षण के माध्यम से किसानों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त करने के लिए सर्वेक्षण एक अचूक उपाय है।

चार दशक में पहली बार देवारा में नहीं आई बाढ़, किसानों को रबी फसलों की बोआई में होगी देरी

आजमगढ़। देवारा क्षेत्र में घाघरा नदी से आने वाली बाढ़ से जन धन के साथ ही फसलें भी प्रभावित होती हैं। चार दशक में देवारावासियों के लिए बीता मानसून ऐसा रहा जब पहले जैसी बाढ़ नहीं आई। जिससे इस बार किसानों को गेहूं की बोआई में विलंब होगा। वहीं बारिश न होने से गन्ने की फसल को फायदा पहुंचेगा। जनपद के उत्तर महुला गढ़वल बांध लगभग 43 किलोमीटर लंबा है।

बंधे के उत्तर घाघरा नदी और दक्षिण में हरैया, अजमतगढ़ व महाराजगंज ब्लाक के गांवों की एक लाख से अधिक की आबादी निवास करती है। यहां 76000 हेक्टेयर का क्षेत्रफल है। घाघरा की बाढ़ से करीब दो महीने तक पूरा क्षेत्र प्रभावित रहता है। 1980 के बाद 2023 में घाघरा में बाढ़ नहीं आई। बाढ़ न आने के कारण देवारावासियों ने इस बार राहत की सांस ली है। हालांकि बारिश न होने के कारण उन्हें गेहूं की बोआई में थोड़ा विलंब हो सकता है। क्योंकि उन्हें खेतों में पानी भरकर उसकी नमी को लाना होगा। वहीं घाघरा की बाढ़ से किसानों की गन्ने की फसल को सबसे अधिक नुकसान होता था। छोटा गन्ना घाघरा के पानी में डूबकर बर्बाद हो जाता था। लेकिन इस बार गन्ने की फसल में इजाफा होगा क्योंकि उसमें पानी नहीं लगा। क्षेत्र में सबसे ज्यादा गन्ने की खेती इस्माइलपुर, अजगरा,सहदेवगंज, उल्टहवा,चपरी, नैनीजोर होती है।

घाघरा की कटान से बचे ग्रामीण

लाटघाट। घाघरा नदी का जलस्तर जब बढ़ता था तो यह तटवर्ती गांवों के किसानों की खेती योग्य भूमि को काटती थी। इस बार बाढ़ न आने से किसानों की भूमि कटने से बच गई। हालांकि नदी के जलस्तर में बढ़ाव घटाव के दौरान नदी ने कुछ कटान जरूर की लेकिन यह कटान नाममात्र की रही। जिससे किसान थोड़ी राहत महसूस कर रहे हैं।

नहीं छोड़ना पड़ा गांव, नहीं आई बाढ़

लाटघाट। घाघरा नदी का जलस्तर जब बढ़ता है तो यह लगभग 50 से अधिक गांव प्रभावित हो जाते हैं। जिसके कारण यहां रहने वालों को सुरक्षित स्थान जाना पड़ता है। लोग महीनों अपने नात-रिश्तेदारों के यहां शरण लेते हैं। लेकिन इस बार बाढ़ न आने से किसानों ने राहत महसूस की है।

बोले किसान

- देवाराखास गांव के छेदी यादव ने कहा कि हमारे देखने में अभी तक ऐसा नहीं हुआ कि बाढ़ न आई हो। लेकिन इस बार बाढ़ न आने से हमें काफी राहत मिली है। दर्जनों लोगों के आशियाने कटान के मुहाने पर खड़े थे। जो कटने से बच गए।
- अजगरा मंगरवी गांव के रामप्रसाद यादव ने कहा कि 1980 के बाद पहली बार ऐसा हुआ है कि बाढ़ नहीं है। जिससे हर बार उजड़ने वाला हमारा गांव बच गया। देवारा क्षेत्र में प्रतिवर्ष सैकड़ों बीघा जमीन कटान की भेंट चढ़ जाती थी लेकिन इस बार वह बच गई।

हैंडबाल टीम के लिए ट्रायल्स 27 और 28 को

आजमगढ़। खेल निदेशालय लखनऊ के तत्वावधान में पं. दीनदयाल उपाध्याय जन्मशताब्दी वर्ष के तहत 29 अक्तूबर से एक नवंबर तक प्रदेश स्तरीय सीनियर महिला हैंडबाल प्रतियोगिता का आयोजन क्षेत्रीय खेल कार्यालय, सुखदेव पहलवान स्पोर्ट्स स्टेडियम में होगा। यह जानकारी क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी, आजमगढ़ मंडल, आजमगढ़ एके पाण्डेय ने दी। बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आजमगढ़ मंडल की टीम का जनपदीय चयन और ट्रायल्स 27 को और मंडलीय चयन और ट्रायल्स दिनांक 28 को सुबह दस बजे से सुखदेव पहलवान स्पोर्ट्स स्टेडियम में होगा। उन्होंने बताया कि उक्त चयन और ट्रायल्स में प्रतिभाग करने वाले सीनियर महिला हैंडबाल खिलाड़ीअपने साथ आधार कार्ड लाएं। जिले के इच्छुक सीनियर महिला हैंडबाल खिलाड़ी भी इस चयन व ट्रायल में भाग ले सकती हैं। मंडल स्तर पर चयनित सीनियर महिला हैंडबाल खिलाड़ी 29 अक्टूबर आयोजित उक्त प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगी।

खैराना माइनर में नहीं आता पानी, कैसे करें सिंचाई

अमेठी। बहादुरपुर ब्लॉक परिसर में बुधवार को किसान दिवस का आयोजन डीडीओ तेजभान सिंह की अगुवाई में हुआ। कृषि विभाग के साथ अन्य विभागों ने योजनाएं व खेती-किसानी से जुड़ी जानकारी दी। दिवस में किसानों ने अफसरों को पीड़ा सुनाई तो अफसर भी जिम्मेदारों को जरूरी निर्देश दिए। इस दौरान किसानों ने नहरों में पानी, धान खरीद, छुट्टा पशु, बिजली की समस्याएं मुख्य रूप से उठाई। खैराना गांव से आए किसान विमल कुमार ने कहा कि साहब सिंचाई के लिए माइनर है लेकिन उसमें पानी नहीं आता। फसलों की सिंचाई करने में दिक्कत होती है। डीडीओ ने सिंचाई विभाग के अफसर को पूरे प्रकरण की जांच माइनर में टेल तक पानी पहुंचाने का प्रबंध करते हुए रिपोर्ट देने को कहा। पीढ़ी निवासी किसान उमाशंकर ने तहसील संपर्क मार्ग के जर्जर होने का मुद्दा उठाया। किसान संजय बाबा ने कहा कि साहब इफको सेंटर पर खाद लेने में बहुत परेशानी होती है। टोकन सिस्टम से बिक्री की व्यवस्था बनाई जाए या फिर अतिरिक्त काउंटर खोले जाए। किसान मकबूल अहमद ने धान खरीद केंद्र पर बोरे की कटौती मानक से अधिक करने का आरोप लगाते हुए पल्लेदारों पर पैसे की डिमांड करने की बात कही। कहा कि चहेतों किसानों के अनाज की तौल पहले कराई जाती है। डीडीओ ने विपणन विभाग के अफसर को जांच कराते हुए टोकन सिस्टम से नियमानुसार खरीद का प्रबंध करने का निर्देश दिए। किसान शारदा प्रसाद ने निराश्रित पशु से नष्ट हो रही फसल तो बिजली के तार ढीले से दुर्घटना होने की संभावना जाहिर करते हुए दुरुस्त कराने का मुद्दा उठाया।

कृषि वैज्ञानिक डॉ आरके आनंद ने किसानों को रबी सीजन के फसलों की बोआई, बीजों की प्रजाति, खेत की तैयारी, बीज शोधन के बारे में किसानों को विस्तृत जानकारी दी। ऊसर जमीन में पैदा होने वाली सरसों की प्रजातियों के बारे में बताया गया।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व मंत्री के मकान का किरायेदार ने पत्नी के नाम करा दिया बैनामा, चार नामजद; पुलिस कर रही जांच

आगरा। आगरा में पूर्व मंत्री के मकान का किरायेदार ने पत्नी के नाम पर बैनामा करा दिया। मामले में चार नामजद किए गए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। उत्तर प्रदेश के आगरा में पूर्व मंत्री अरिदमन सिंह के मकान में रहने वाले किरायेदार ने धोखाधड़ी करते हुए मालिकाना हक जताकर अपनी पत्नी के नाम बैनामा करा दिया। मामले में चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मामला पिनाहट थाना क्षेत्र के मोहल्ला मल्लनटोला का है। यहां के निवासी अयूब खान ने थाने में तहरीर दी। बताया कि पूर्व मंत्री अरिदमन सिंह की जमीन व मकान की वह देखरेख करता है। मोहल्ला मल्लनटोला में बने मकान में छोटेलाल और छोटइया किरायेदार के रूप में रहते हैं। प्रतिमाह की किराये की रसीद भी उन्हें दी जाती है। इस मकान पर छोटेलाल ने कई बार निर्माण का प्रयास भी किया, लेकिन पुलिस से रुकवा दिया। अब छोटेलाल ने जमीन पर मलकाना हक जताते हुए पत्नी गूंगी देवी के नाम धोखाधड़ी से बैनामा कर दिया। गवाह कल्याण सिंह, गिर्राज सिंह को बनाया गया है। थानाध्यक्ष नीरज पंवांर ने बताया कि तहरीर के आधार पर चारों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

साहब, आगरा में तैनात दरोगा घर छोड़ने के लिए कर रहा मजबूर

अलीगढ़। कस्बा के मोहल्ला शिवपुरी गली नंबर एक निवासी कीर्ति शर्मा पत्नी सौरभ शर्मा ने बताया कि 9 सितंबर 23 को जेठानी के पिता राकेश शर्मा जो कि आगरा में दरोगा हैं, अन्य परिजनों के साथ घर आए। मारपीट कर लूटपाट कर ले गए। इसके बाद आए दिन अपने पद का गलत इस्तेमाल करते हुए घर छोड़ने के लिए दबाव बनाने के लिए पुलिस को भेज रहे हैं। शिवपुरी निवासी एक महिला ने एसएसपी से न्याय की गुहार लगाते हुए आगरा में तैनात दरोगा पर फर्जी मुकद्दमा दर्ज करने, आए दिन पुलिस भेजकर घर छोड़ने का दबाव बनाने, मारपीट कर धौंस जमाने की शिकायत की है। महिला ने इसका लिखित शिकायती पत्र दिया है। कस्बा के मोहल्ला शिवपुरी गली नंबर एक निवासी कीर्ति शर्मा पत्नी सौरभ शर्मा ने बताया कि 9 सितंबर 23 को जेठानी के पिता राकेश शर्मा जो कि आगरा में दरोगा हैं, अन्य परिजनों के साथ घर आए। मारपीट कर लूटपाट कर ले गए। इसके बाद आए दिन अपने पद का गलत इस्तेमाल करते हुए घर छोड़ने के लिए दबाव बनाने के लिए पुलिस को भेज रहे हैं। घर खाली करवाने में सफलता नहीं मिलने पर थाना कोतवाली टूंडला में मेरे व पति के खिलाफ एक फर्जी मुकद्दमा भी दर्ज करा दिया है। महिला ने अपने और परिजनों की जान का खतरा बताया है। पीड़िता ने एसएसपी से न्याय की गुहार लगाते हुए जांच कराने के लिए मंगलवार को एक शिकायती पत्र सौंपा है।

दरगाह में ताला, चौखट पर दुआ कर रहे श्रद्धालु

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड लखनऊ के विधि अधिकारी अब्दुल मुबीन खां की ओर से दरगाह कमेटी के 11 पदाधिकारियों को नोटिस जारी किया गया है। जिसमें कहा गया है कि लोगों की शिकायत प्राप्त होने पर हुई जांच में दरगाह इंतजामिया कमेटी के खिलाफ लगाए गए इल्जाम सही मिले हैं। गांव खेड़ा स्थित दरगाह पीर साहब में भ्रष्टाचार व गबन के आरोपों में रिपोर्ट दर्ज होने के बाद से वहां ताला पड़ा है। जिसकी वजह से श्रद्धालु चौखट पर ही दुआ करने को मजबूर हैं। दरगाह के अंदर प्रवेश नहीं मिलने से श्रद्धालुओं में मायूसी है। उधर, सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड ने दरगाह कमेटी के लोगों को नोटिस देकर 15 दिन में जवाब मांगा है। उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड लखनऊ के विधि अधिकारी अब्दुल मुबीन खां की ओर से दरगाह कमेटी के 11 पदाधिकारियों को नोटिस जारी किया गया है। जिसमें कहा गया है कि लोगों की शिकायत प्राप्त होने पर हुई जांच में दरगाह इंतजामिया कमेटी के खिलाफ लगाए गए इल्जाम सही मिले हैं। जिसके बाद जिला प्रशासन द्वारा कमेटी के खिलाफ वक्फ की आमदनी को खुर्द-बुर्द करने के संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। इस मामले में कमेटी के चार लोग जेल में हैं, कुछ अभी फरार हैं। जिसके चलते दरगाह में ताला लगा है। जिससे दरगाह के प्रबंधन पर असर पड़ रहा है। तीन पेड़ बोर्ड की अनुमति के बिना ही खुर्द बुर्द कर दिए गए। प्रबंध समिति का कार्य संतोषजनक व वक्फ हित में नहीं है। अतः 15 दिन के अंदर जवाब दें कि कमेटी को क्यों न बरखास्त कर दिया जाए।

सुबह फिर दलिया में दिखे कीड़े, छात्राओं ने किया हंगामा

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) के बेगम अजीजुन निसा हॉल में सुबह दलिया में कीड़े मिलने से छात्राओं ने हंगामा काट दिया। दरअसल, मंगलवार रात सर सैयद दिवस पर दावत खाने के बाद 400 से ज्यादा छात्राएं फूड प्वाइजनिंग का शिकार हो गईं। छात्राओं ने प्रोवोस्ट प्रो. सुबूही का घेराव कर उनसे इस्तीफा लिखने के लिए मजबूर कर दिया। प्रो. सुबूही को एएमयू इंतजामिया ने उनके पद से हटा दिया है। रात में भोजन करने के बाद छात्राएं बीमार हो गई थीं। रात भर परेशान होने के बाद जब उन्हें सुबह नाश्ते में दलिया मिला। उसमें भी कीड़े देख वह बिफर गईं और हॉल परिसर में हंगामा करने लगीं। नाश्ते में दलिया, दो केले और एक ओआरएस का पैकेट दिया गया था। छात्राओं ने खाने की गुणवत्ता ठीक न होने पर आपत्ति जताई है। विरोध-प्रदर्शन के बीच छात्राओं ने प्रोवोस्ट का घेराव किया। उन्हें अपने सामने कागज पर इस्तीफा लिखने के लिए मजबूर किया। इससे पहले छात्राओं ने खाने की गुणवत्ता खराब होने पर कुलसचिव से अपना विरोध दर्ज कराया था। इस संबंध में एएमयू छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष डॉ. मोहम्मद सलमान इम्तियाज ने कहा कि पूरे प्रकरण पर जांच होनी चाहिए। जिन भी लोगों की वजह से यह हादसा हुआ है, उनके खिलाफ करवाई होनी चाहिए। अमुटा के सचिव डॉ. ओबैद अहमद सिद्दीकी ने कहा कि हॉलों में खाद्य सामग्री की आपूर्ति कौन करता है, इसकी जांच होनी चाहिए। बृहस्पतिवार को इस बारे में सामान्य सभा की बैठक होगी।

कस्तूरबा की छात्राओं को मिलेगा 100 रुपये भत्ता

अमेठी। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में पढ़ने वाली छात्राओं को मुफ्त शिक्षा के साथ अब 100 रुपए प्रतिमाह स्टाइपेंड भी प्रदान की जाएगी। जिले के 13 केजीबीवी की 1260 छात्राओं को योजना का लाभ मिलेगा। यह धनराशि डीबीटी के माध्यम से उनके बैंक खाते में दी जाएगी। बेटियों को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने के लिए केजीबीवी में पढ़ने वाली छात्राओं को स्टाइपेंड देने का निर्णय लिया गया है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय की ओर से इन छात्राओं को 100 रुपए प्रतिमाह की दर से 11 माह तक भुगतान उनके बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से किया जाएगा। जिला समन्वयक बालिका शिक्षा प्रभाकार मिश्र व वार्डेन को केजीबीवी में नामांकित छात्राओं का पंजीकरण प्रेरणा पोर्टल पर अपलोड करने और जिन छात्राओं का नवीन प्रवेश हुआ है, उनका बचत खाता खुलवाते हुए आधार से लिंक कराने का निर्देश राज्य परियोजना निदेशक विजय किरन आनंद ने दिया है।

खाते में भेजी जाएगी धनराशि

बीएसए संजय कुमार तिवारी ने बताया कि सहायक वित्त एवं लेखाधिकारी, जिला समन्वयक बालिका शिक्षा, वार्डेन व लेखाकार को समन्वय बनाकर डाटा अपलोड करने के साथ भत्ते का लाभ पारदर्शी ढ़ंग छात्राओं को देने का निर्देश दिया गया है। स्टाइपेंड मिलने से बालिकाओं को सुविधा मिलेगी।

चाय की दुकान में घुसी बेकाबू बोलेरो, एक की मौत, दुकानदार समेत दो घायल

आजमगढ़। आजमगढ़ जिले के गंभीरपुर थाना क्षेत्र के गोमाडीह कटघर बाजार में तेज रफ्तार बोलेरो अनियंत्रित होकर एक चाय की दुकान में घुस गई। हादसे में दुकान पर मौजूद एक ग्राहक की जहां मौत हो गई तो वहीं दुकानदार समेत दो घायल हो गए। आजमगढ़ जिले के गंभीरपुर थाना क्षेत्र के गोमाडीह कटघर बाजार में तेज रफ्तार बोलेरो अनियंत्रित होकर एक चाय की दुकान में घुस गई। हादसे में दुकान पर मौजूद एक ग्राहक की जहां मौत हो गई तो वहीं दुकानदार समेत दो घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गंभीरपुर के कटघर गांव निवासी हरिराम (29) गांव के बाहर मुख्य मार्ग पर चाय की दुकान चलाता है।

गुरुवार अलसुबह दुकान पर गांव के ही राम नरायन (56) और श्याम नरायन (50) बैठ कर चाय पी रहे थे। इसी दौरान मुख्य मार्ग से गुजर रही एक बोलेरो अनियंत्रित होकर हरिराम की चाय की दुकान में ही घुस गई। हादसे में दुकानदार हरिराम, ग्राहक रामनरायन व श्याम नरायन घायल हो गए। हादसे के बाद बोलेरो सवार मौके पर ही वाहन छोड़ कर फरार हो गए।

सूचना पर पहुंची गंभीरपुर थाना पुलिस ने घायलों को अस्पताल रवाना किया। रास्ते में ही रामनरायन की मौत हो गई। वहीं दुकानदार हरिराम की हालत गंभीर देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। श्याम नरायन को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया है।

महाराजा सुहेलदेव स्मारक स्थल पर निर्माणाधीन डारमेट्री कार्य दिसम्बर तक करें पूर्ण- डीएम

चित्तौरा झील के चारों तरफ वाकवे का प्रस्ताव तैयार करने के दिये निर्देश

त्रिगुट संवाददाता

बहराइच। जिलाधिकारी मोनिका रानी ने चित्तौरा झील के तट पर स्थित महाराजा सुहेल देव जी के निर्माणाधीन स्मारक स्थल पर पहुँच कर महाराजा सुहेलदेव जी की अश्वरोही प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित किया। तत्पश्चात स्मारक स्थल पर निर्माणाधीन विकास परियोजना मन्दिर, घाट, महाराजा सुहेल देव की मूर्ति, भव्य द्वार, पार्किंग स्थल, बाउण्ड्रीवाल, हार्टिकल्चर एवं लैण्ड स्केपिंग एवं सभागार इत्यादि कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रगति का जायज़ा लेते हुए कार्यदायी संस्था को निर्देश दिया कि निर्माण कार्य को निर्धारित मानक व गुणवत्ता के साथ समय से पूर्ण करायें। कार्यदायी संस्था राजकीय निर्माण निगम को निर्देश दिये गये कि मेनपावर बढ़ाकर डे नाईट कार्य कराते हुए डारमेट्री का कार्य प्रत्येक दशा में दिसम्बर तक पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। इस सम्बंध में जिला पर्यटन अधिकारी को निर्देश दिये गये कि नियमित रूप से कार्य स्थल का निरीक्षण करते हुए डारमेट्री के निर्माण कार्य को निर्धारित मानक व गुणवत्ता के साथ प्रत्येक दशा में दिसम्बर तक पूर्ण कराना सुनिश्चित करे। कार्यदायी संस्था सी एण्ड डीएस को निर्देश दिये गये कि स्मारक स्थल पर फसाट लाइट लगवायी जाय। वीवीआईपी गेस्ट हाउस के निरीक्षण के दौरान कार्यदायी संस्था को निर्देश दिये गये कि भवन में बेड, फर्नीचन, टीबी इत्यादि मानक के अनुसार व्यवस्था करायी जाय तथा गेस्टहाउस के कमरो को एक ही कलर में रंगाई-पोताई करायी जाय ताकि एकरूपता दिखायी दे। झील के निरीक्षण के दौरान जिला पर्यटन अधिकारी को निर्देश दिये गये कि झील की साफ-सफाई तथा चारो तरफ वाकवे का प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजवाएं। डीएम ने यह भी निर्देश दिया कि यहां पर गन्दगी व पूजा की सामग्री कलेक्शन के लिए अलग-अलग बड़े आकार के डस्टबिन रखवा दिये जायें।

डीएम ने यह भी निर्देश दिया कि स्मारक स्थल पर स्थापित प्रतिमाओं की रंगाई-पोताई के साथ-साथ नियमित रूप से साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाय। डीएम ने यह भी निर्देश दिया कि स्मारक के प्रवेश द्वार से परिसर के अन्दर तक ऐसे लाईटिंग की जाए जिससे भवन और भी भव्य एवं सुन्दर दिखे। डीएम ने यह भी सुझाव दिया कि चित्तौरा झील पर बोटिंग तथा फ्लोटिंग रेस्टोरेन्ट की स्थापना हेतु कार्ययोजना तैयार की जाए।

इस अवसर पर प्रशिक्षु पीसीएस ज्योति चौरसिया, बीडीओ चित्तौरा सौरभ त्रिपाठी, जिला पर्यटन अधिकारी मनीष श्रीवास्तव, कार्यदायी संस्था सी एण्ड डीएस के सहायक अभियन्ता भानु प्रताप गौड़, राजकीय निर्माण निगम के आर.के. तिवारी व अवर अभियन्ता रजनीश तथा अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

पॉलीटेक्निक छात्र को कॉलेज स्टाफ ने पीटा, वो चीखता रहा...

आगरा। दो छात्रों के बीच हुए विवाद के बाद कॉलेज स्टाफ ने एक की पिटाई लगा दी। छात्र की पिटाई के वीडियो किसी ने बना लिया, जो वायरल हो रहा है। कासगंज के सोरोंजी पॉलीटेक्निक कॉलेज के सिविल ट्रेड तृतीय वर्ष के छात्र की कॉलेज स्टाफ ने पिटाई कर दी। छात्र को पिटता देख मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। छात्र पिटता रहा लेकिन कोई भी उसकी मदद के लिए आगे नहीं आया। इस पूरे घटना का किसी ने वीडियो बना लिया जो अब वायरल हो रहा है। प्रियदर्शन राजपूत से कॉलेज स्टाफ द्वारा गाली गलौज करने व डंडों से मारपीट करने का वीडियो वायरल हुआ है। वायरल वीडियो में स्टाफ के चार पांच लोग छात्र को घसीटते हुए कैम्पस के अंदर ले जाते नजर आ रहे हैं। वायरल वीडियो बुधवार का है। घटना के मुताबिक छात्र प्रियदर्शन राजपूत व सिविल ट्रेड द्वितीय वर्ष के छात्र मुरारी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। प्रियदर्शन व मुरारी के बीच हाथापाई हो गई, जिसमें मुरारी के सिर में प्रियदर्शन के हाथ में पहना कड़ा लग गया, जिससे मुरारी के सिर से खून बहने लगा। मुरारी की शिकायत पर कॉलेज स्टाफ ने पकड़कर प्रियदर्शन की डंडों से पिटाई कर दी, जिससे प्रियदर्शन के गर्दन, सिर, पैर में अंदरूनी चोटें आई हैं। छात्र मुरारी ने प्रियदर्शन के खिलाफ कोतवाली में तहरीर दी है।

राजकीय पॉलीटेक्निक सोरोंजी के प्रधानाचार्य राजन सिंह ने बताया कि %मेरी अनुपस्थिति में दो छात्रों के बीच मारपीट हुई है, जिसमें छात्र मुरारी के सिर में चोट लगी है, मारपीट करने वाले छात्र प्रियदर्शन को डांट फटकार की गई है।

आजमगढ़ में दो बाइकों की टक्कर में तीन युवकों की मौत, एक घायल, परिजनों में कोहराम

आजमगढ़। आजमगढ़ जिले के जगदीशपुर गांव के पास दो बाइकों में बीच टक्कर हो गई। इस हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई तो वहीं दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाने के साथ ही शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। यूपी के आजमगढ़ जिले में तेज रफ्तार के कहर ने तीन युवकों की जान ले ली। वहीं एक युवक अस्पताल में मौत से जंग लड़ रहे हैं। हादसा गुरुवार अलसुबह फूलपुर कोतवाली के जगदीशपुर के पास हुआ। हादसे में जान गंवाने वाले युवकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। फूलपुर कोतवाली क्षेत्र के नोनियाडीह गांव में डे-नाइट कबड्डी प्रतियोगिता चल रही है। बुधवार को अहरौला थाना क्षेत्र के जागापुर गांव निवासी मो. उमर (18) और अयन (20) एक ही बाइक से कबड्डी प्रतियोगिता देखने गए थे। दोनों गुरुवार अलसुबह बाइक से घर लौट रहे थे। फूलपुर कोतवाली के जगदीशपुर के पास सामने से आ रही बाइक से उनकी टक्कर हो गई। हादसे में मो. उमर, अयन के साथ ही दूसरी बाइक पर सवार ताहा (19) निवासी रानीपुर थाना खेतासराय जिला जौनपुर व उमेर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने चारों को अस्पताल भिजवाया। जहां उमर, अयन व ताहा को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

जलता पुआल देखकर खेतों के बीच पहुंची जिलाधिकारी

बहराइच। विकास खण्ड चित्तौरा के ग्राम तुरहनी रज्जब गौशाला के स्थलीय निरीक्षण से लौटते समय ग्राम टेण्डवा जलालपुर के एक खेत के बीच में पुआल जलता हुए दिखने पर जिलाधिकारी मोनिका रानी ने तत्काल गाड़ी से उतर कर खेत के बीच पहुंचकर पुआल जलने की घटना के बारे में जानकारी प्राप्त की। खेत में मौजूद काश्तकार व अन्य ग्रामवासियों ने बताया कि यह खेत सन्तराम पुत्र सेवक का है परन्तु तीरथ पुत्र दुलारे द्वारा बटाई पर इसकी बोआई की जाती है। पुआल जलने की घटना के सम्बन्ध में मौजूद लोगों ने बताया कि खेत के बीच में जमा किये गये पुआल में दुर्घटनावश थ्रेसर की चिंगारी से आग लग गई है। डीएम ने खेत के बीच से ही उप जिलाधिकारी सदर डॉ. पूजा यादव को निर्देश दिया कि तत्काल घटना की जांच कराकर नियमानुसार कार्यवाही की जाय। यहां पर मौजूद कृषकों को डीएम ने बताया कि पराली को कदापि आग के हवाले न करें। ऐसा करने पर आपसे अर्थ दण्ड वसूला जायेगा। डीएम ने कहा कि फसल जलाने से पर्यावरण प्रदूषित होने के साथ-साथ खेत में मौजूद मित्र कीट भी मर जाते हैं। लाभदायक कीटों की क्रियाशीलता कम हो जाने से फसलों की पैदावार में भी कमी हो जाती है। उन्होंने किसानों से अपील की कि पराली व फसल अवशेषों के बायो डीकम्पोज़र डालकर फसल अवशेष सड़ाकर खेत में ही खाद बनाएं। डीएम ने यह भी सुझाव दिया कि अतिरिक्त फसल अवशेष को अपनी नज़दीकी गौशाला का दान कर दें।

प्रदेश के कृषकों को आगामी सप्ताह हेतु मौसम आधारित कृषि परामर्श

लखनऊ। क्रॉप वेदर वॉच ग्रुप की वर्ष 2023-24 की चौदहवीं बैठक श्री पीयूष कुमार शर्मा, सचिव उप्र कृषि अनुसंधान परिषद की अध्यक्षता में गुरुवार को उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। आगामी सप्ताह (20 से 26 अक्टूबर, 2023) के दौरान प्रदेश का मौसम सामान्यतया शुष्क रहने की संभावना है। इस सप्ताह के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अधिकांश भागों में अधिकतम तापमान सामान्य अथवा सामान्य से कम जबकि पूर्वी उत्तर प्रदेश के अधिकांश भागों में यह सामान्य अथवा सामान्य से अधिक रहने की संभावना है।

इस सप्ताह के दौरान दक्षिणी पश्चिमी अर्द्धशुष्क मैदानी तथा मध्य पश्चिमी मैदानी कृषि जलवायु अंचलों में न्यूनतम तापमान सामान्य अथवा सामान्य से अधिक रहने जबकि प्रदेश के अन्य कृषि जलवायु अंचलों में सामान्य अथवा सामान्य से कम रहने की संभावना है। द्वितीय सप्ताह (27 अक्टूबर से 02 नवम्बर 2023) के दौरान प्रदेश के समस्त कृषि जलवायु अंचलों में अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान सामान्य अथवा सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। इस दौरान भावर तराई कृषि जलवायु अंचल में न्यूनतम तापमान 13-16 डिग्री सेल्सियस तथा उत्तर पूर्वी मैदानी एवं पूर्वी मैदानी कृषि जलवायु अंचलों में न्यूनतम तापमान 18-20 डिग्री सेल्सियस जबकि प्रदेश के अन्य कृषि जलवायु अंचलों में यह 16-18 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। इनको लगभग 20 कि.ग्रा. प्रति एकड़ यूरिया की दर से मिट्टी पलटने वाले हल से जुताई / पलेवा के समय मिला देने से फसल अवशेष लगभग 20 से 30 दिन के भीतर जमीन में सड़ जाते हैं। कृषि विभाग के बीज व कृषि रक्षा केन्द्रों से डीकम्पोजर प्राप्त कर फसल अवशेषों को खेत में सड़ाया जा सकता है।

रबी फसलों की बुवाई के लिये चयनित किस्म का स्वस्थ, शुद्ध एवं प्रमाणित बीज का ही प्रयोग करें यदि प्रमाणित बीज उपलब्ध न हो तो बीज शोधन के बाद ही बुवाई करें। शरदकालीन गन्ना के साथ अन्तः फसल के रूप में आलू लहसुन, पीली सरसों, सब्जी मटर, मसूर आदि की अन्तःफसली खेती अवश्य करें। अन्तःफसल की फसल ज्यादा वानस्पतिक फैलाव वाली नहीं होनी चाहिये। राई / सरसों की सिंचित क्षेत्रों के लिये संस्तुत किस्मों यथा नरेन्द्र अगेती राई 4, रोहिणी, माया, उर्वशी, बसंती (पीली), नरेन्द्र स्वर्णा- राई 8. नरेन्द्र राई (एन.डी.आर.-8501, असिंचित दशा में वरूणा (टी 59) एवं वैभव तथा लवणीय व क्षारीय मृदा में नरेन्द्र राई. सी.एस.-52. सी. एस. 54. सी.एस.-56, पूसा सरसों-21, पूसा सरसों 24 पूसा सरसों-28, पूसा सरसों-29, पूसा सरसों-30. पूसा-0031, आर.एच.-749. सी.एस.-58 सी.एस.-80, पूसा सरसों-32, आजाद महक, सुरेखा की बुआई 31 अक्टूबर तक अवश्य कर लें। विलम्ब से बुवाई करने के लिये सरसों की वरदान अथवा आर्शीवाद प्रजाति का चयन करें। क्षारीय / लवणीय भूमि हेतु सरसों की सी. एस. - 52, नरेन्द्र राई, सी.एस.-54 अथवा सी.एस.-58 किस्मों का चयन करें।

अलसी की बीज उद्देशीय उन्नतिशील किस्मों यथा रजनी, यूटेरा अलसी, जे.एल.एस.-95, मऊ आजाद, शारदा, शेखर, पदमिनी, उमा इंदू उत्तेरा अलसी-2, राजन तथा कोटा अलसी-6 तथा द्विउद्देशीय किस्मों यथा रूचि, पार्वती तथा रश्मि की बुवाई करें। चना की सम्पूर्ण उ.प्र. हेतु देशी संस्तुत किस्मों यथा अवरोधी, पूसा 256, के.डब्लू. आर. 108. डी. सी. पी. 92-3, के.डी.जी.-1168, आई. पी.सी. 2004-98, पूर्वी उ.प्र. हेतु संस्तुत प्रजाति गुजरात चना-4 मैदानी क्षेत्रों हेतु जाकी 9218. सी. एस. जे. 515. जी. एन. जी. -2144, जी. एन. जी. - 2171, पंत ग्राम-5. वी.जी.-3043. आई.पी.सी. 2004-1, पश्चिमी उप्र हेतु आधार(आर. एस. जी. - 963), डब्लू.सी. जी.-1 तथा बुन्देलखण्ड हेतु संस्तुत किस्मों राधे व जे.जी.- 1.-16 तथा काबुली चना की सम्पूर्ण उ.प्र. हेतु संस्तुत प्रजाति एच. के - 94-134 फूल विक्रम (जी- 08108) पूर्वी उ.प्र. हेतु पूसा-1003, पश्चिम उ.प्र. हेतु चमत्कार (वी. जी. - 1053) तथा बुन्देलखण्ड हेतु संस्तुत जे. जी. के. 1, उज्जवल व शुभ्रा किस्मों की बुवाई करें।

मटर की सम्पूर्ण उ.प्र. हेतु संस्तुत किस्मों मालवीय मटर-15 आई.पी.एफ.डी. 6-3 आई.पी.एफ.डी. 9-2 आई.पी.एफ.डी. 12-8, आई. पी.एफ. 49. आई.पी.एफ.डी. 132. एच.एफ.पी. - 1428. पूर्वी उत्तर प्रदेश हेतु पूसा प्रभात पश्चिमी उ.प्र. हेतु जय हरियाल, पंत पी-42, अमन, पंत पी.-250, मध्य क्षेत्र हेतु आई.पी.एफ.डी. 10-12, पत पी-243, उ.पू. मैदानी क्षेत्र के लिये दंतीवाडा फील्ड पी-1, एच.एफ.पी.-529 तथा बुंदेलखण्ड क्षेत्र हेतु आदर्श, प्रकाश, आई.पी.एफ.डी. 11-5, आई.पी.एफ.डी. 12-2 तथा आई.पी.एफ.डी. -2014-2 किस्मों की बुवाई करें।

मूल्य समर्थन योजनान्तर्गत 136 क्रय केन्द्रों के माध्यम से होगी धान खरीद

जिले में 01 नवम्बर से प्रारम्भ होगी धान खरीद

बहराइच। जिला खाद्य विपणन अधिकारी संजीव कुमार सिंह ने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2023-04 के अन्तर्गत मूल्य समर्थन योजना अन्तर्गत जनपद में 01 नवम्बर 2023 से धान की खरीद प्रारम्भ होगी। जिले में धान की खरीद हेतु जिलाधिकारी मोनिका रानी द्वारा 06 क्रय संस्थाओं के 136 धान क्रय केन्द्रों को अनुमोदन प्रदान किया गया है। खाद्य विभाग के 23, पीसीएफ के 48, पीसीयू के 37, यूपीएसएस के 23, मण्डी समिति के 03 एवं भारतीय खाद्य निगम के 02 धान केन्द्रों के माध्यम से खरीद की जाएगी।

जिला खाद्य विपणन अधिकारी श्री सिंह ने बताया कि क्रय केन्द्रों के माध्यम से खरीदे गये धान की कुटाई हेतु 24 पंजीकृत/सत्यापित चावल मिलों का सम्बद्धीकरण केन्द्रो से किया जा चुका है। खरीदे गये चावल के सम्प्रदान हेतु जनपद में 1853500 नये जूट के बोरे उपलब्ध है। धान खरीद हेतु जिले में उपयोगी बोरों की पर्याप्त उपलब्धता है। क्रय केन्द्रों पर क्रय सम्बन्धी आवश्यक उपकरणों यथा प्रत्येक क्रय केन्द्र पर 02 इलेक्ट्रानिक कांटा, 01 नमीमापक यंत्र, विनोईंग फैन/पॉवर डस्टर व डबल जाली का छलना तथा एनॉलिसिस किट आदि की व्यवस्था लगभग पूर्ण की जा रही है।

जिला खाद्य विपणन अधिकारी श्री सिंह ने बताया कि धान खरीद के दौरान यदि किसी कृषक को कोई समस्या आती है अथवा पंजीकरण सत्यापन के सम्बन्ध में कृषक अपनी तहसील के उप जिलाधिकारियों, एसडीएम सदर के लिए मो.न. 9454416033, नानपारा के लिए मो.न. 9454416034, पयागपुर के लिए मो.न. 9454416050, कैसरगंज के लिए मो.न. 9454416035, महसी के लिए मो.न. 9454416036 तथा मिहींपुरवा (मोतीपुर) के लिए मो.न. 94544160 पर सम्पर्क कर सकते हैं। इसके अलावा तहसील अन्तर्गत केन्द्र प्रभारियों एवं कृषकों के बीच विवाद की स्थिति में निर्णय हेतु खाद्य एवं रसद विभाग द्वारा तहसीलवार क्षेत्रीय विपणन अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। तहसील सदर बहराइच के क्षे.वि.अधि. रोहित वर्मा द्वितीय का मो.न. 9457446064, पयागपुर के विजय कुमार यादव का मो.न. 9415716213, कैसरगंज के कमलेश कुमार टुनटुन का मो.न. 9120282012, महसी के जितेन्द्र प्रकाश का मो.न. 9473509674, नानपारा के संतोष कुमार श्रीवास्तव को मो.न. 9450870246 व मिहींपुरवा के रोहित वर्मा को मो.न. 9129666934 है। कृषकों की सुविधा के दृष्टिगत जिला खाद्य विपणन अधिकारी श्री सिंह ने जनपद में धान खरीद हेतु नामित क्रय एजेन्सियों के जिला प्रभारियों के मो.न. की जानकारी देते हुए बताया कि जिला प्रबंधक पीसीएफ के रफीक अंसारी का मो.न. 9336555111, पी.सी.यू. के अखिलेश कुमार त्रिपाठी को मो.न. 8317035190, यूपीएसएस के सुनील कुमार यादव का मो.न. 7054401707, मण्डी सचिव धनन्जय कुमार सिंह का मो.न. 9415213902, भारतीय खाद्य निगम के विकास गौरव का मो.न.9076500264, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता संजीव कुमार तिवारी का मो.न. 7380605566 तथा जिला खाद्य विपणन अधिकारी संजीव कुमार सिंह का मो.न. 9450615815 है।

जैव ऊर्जा परियोजनाओं की स्वीकृति हेतु अपर मुख्य सचिव अतिरिक्त ऊर्जा स्त्रोत विभाग की अध्यक्षता में हुई राज्य स्तरीय समिति की बैठक

लखनऊ। यूपीनेडा के मुख्यालय में अपर मुख्य सचिव ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्त्रेत श्री महेश कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में गठित राज्य स्तरीय समिति की हुई बैठक में आज जैव ऊर्जा की परियोजनाओं की स्वीकृति के लिए चर्चा की गयी और कम्प्रेस्ड बायोगैस तथा बायो डीजल के उत्पादन संयंत्रों की स्थापना हेतु 550 करोड़ रूपये के 12 प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की गई। राज्य स्तरीय समिति की बैठक में जिन परियोजनाओं हेतु भूमि बैंक लोन, फीड स्टॉक की उपलब्धता तथा ऑफटेक आदि से सम्बन्धित समस्त कार्यवाहियाँ निवेशकों द्वारा पूर्ण कर ली गयीं हैं, उन्हें स्वीकृति प्रदान की गई। यूपीनेडा द्वारा निवेशकर्ताओं के प्रस्तुत डीपीआर सम्बंधी सूचनाओं का परीक्षण कर 20 प्रस्ताव आज अनुमोदन हेतु समिति की बैठक में विचारार्थ प्रस्तुत किये गये थे। यूपीनेडा के निदेशक श्री अनुपम शुक्ला ने बताया कि स्वीकृत इन 12 परियोजनाओं से 93 टन सीबीजी तथा 44 किलो लीटर बायो डीजल का उत्पादन प्रतिदिन प्रदेश में होगा। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा पूर्व में 13 परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गयी जिन पर आवश्यक निर्माण कार्य प्रारम्भ हो चुका है। इस प्रकार अभी तक स्वीकृत कुल 25 प्रस्तावों से 1271 करोड़ रूपये का निवेश होगा।

श्री अनुपम शुक्ला ने बताया कि नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में अब तक लगभग सात लाख करोड़ रूपये के निवेश प्रस्ताव यूपीनेडा को प्राप्त हुए हैं। इसमें से लगभग 57 हजार करोड़ रूपये के निवेश प्रस्ताव उत्तर प्रदेश राज्य जैव ऊर्जा नीति-2022 के तहत बायो ऊर्जा क्षेत्र के हैं। कम्प्रेस्ड बायोगैस, बायो डीजल तथा बायोकोल के प्लांटों की स्थापना हेतु 354 निवेशकों ने अपनी परियोजनाओं की स्वीकृति के लिए यूपीनेडा के समक्ष अपना प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। जिसमें से 80 परियोजनाओं को यूपीनेडा स्तर से सैद्धान्तिक स्वीकृति प्रदान कर दी गई है।

उल्लेखनीय है कि जैव ऊर्जा की परियोजनाओं की स्वीकृति हेतु अपर मुख्य सचिव ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्त्रोत विभाग की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समिति गठित है। बैठक में निवेशकर्ताओं द्वारा अवगत कराया गया कि उनके द्वारा प्लांट के उत्पादन संयंत्रों की स्थापना हेतु मौके पर आवश्यक जमीन तथा पर्याप्त बायोमास की उपलब्धता सुनिश्चित कर ली गयी है।

आयुष्मान गोल्डेन कार्ड व ईकेवाईसी कार्य का लिया जायजा लेने मसीहाबाद पहुंची डीएम

05 लाभार्थियों का अपने समक्ष बनवाया गोल्डेन कार्ड
प्रातः से देर शाम तक ईकेवाईसी कार्य करने के दिये निर्देश

बहराइच। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में ईकेवाईसी कार्य के लिए संचालित अभियान एवं आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत बनाये जा रहे गोल्डेन कार्ड की प्रगति का जायजा लेने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मोनिका रानी ने विकास खण्ड चित्तौरा के ग्राम पंचायत मसीहाबाद का निरीक्षण किया। ग्राम पंचायत के पंचायत भवन में संचालित किये जा रहे कैम्प के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने ग्राम की जरीना, लाईक खान, जोहरा बीबी आदि से आयुष्मान गोल्डेन कार्ड सत्याप किया तथा अपने समक्ष अजीम खां, अमीरे, जाहीदा, तब्बसुम, शरीफन, गोमती देवी व रूबीना का गोल्डेन कार्ड भी बनवाया। इस अवसर पर डीएचआईओ ने बताया कि ग्राम पंचायत में 60 पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों के लगभग 400 परिवारों का गोल्डेन कार्ड बनाया जाना है जिसमें से अब तक 38 लोगों का गोल्डेन कार्ड बनाया गया है। इसके अलावा ग्राम के 08 वरिष्ठ नागरिकों में से 04 वरिष्ठ नागरिको का भी गोल्डेन कार्ड बनाया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि एक माह में पूरे जनपद में लगभग 01 लाख 40 हजार लोगों का गोल्डेन कार्ड बनाया गया है।

इस सम्बंध में जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि ग्राम के सभी अवशेष पात्र लोगों का शत प्रतिशत गोल्डेन कार्ड बनाया ताकि सरकार द्वारा संचालित महत्वपूर्ण स्वास्थ्य योजना का लाभ गरीब व असहाय लोग प्राप्त कर सके। इसके पश्चात् ईकेवाईसी कार्य के सत्यापन के दौरान बताया गया कि ग्राम पंचायत में 319 कृषक लाभार्थी है जिसमें से 64 किसानों का ईकेवाईसी पेन्डिग है इसमें से अब तक 20 लोगों का ईकेवाईसी किया गया है 07 किसानों की मृत्यु हो गयी है तथा 06 किसान बाहर रहते है जिन्हे ईकेवाईसी कराने के लिए सूचित कर दिया गया है।

जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिये गये कि प्रातः 06 बजे से रात्रि 09 बजे तक ईकेवाईसी का कार्य किया जाय ताकि शतप्रतिशत पात्र किसानों का ईकेवाईसी कार्य पूर्ण हो सके। निरीक्षण के दौरान ग्राम वासियों ने डीएम को बताया कि कामन सर्विस सेण्टर की उन्हें जानकारी नहीं है इस सम्बंध में जिलाधिकारी द्वारा बीडीओ को निर्देश दिये गये कि निर्धारित स्थान पर कार्य न करने वाले सीएससी संचालकों का निरस्तीकरण का प्रस्ताव भेजवाएं। इस अवसर पर प्रशिक्षु पीसीएस ज्योति चौरसिया, बीडीओ चित्तौरा सौरभ त्रिपाठी, डीएसओ नरेन्द्र तिवारी, डीएचआईओ बृजेश सिंह, प्रभारी चिकित्साधिकारी चित्तौरा डॉ प्रताप गौतम व अन्य सम्बन्धित अधिकारी, कर्मचारी, प्रधान प्रतिनिधि सलमान सहित अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

त्रिगुट
शनिवार 21 अक्टूबर 2023

पोर्न वीडियोग्राफी में भारत दुनिया का तीसरा देश

पोर्न सेक्स वीडियो देखने , शेयर करने पर 7 साल की सजा ओर 10 लाख का जुर्माना है। इसके बाद भी 2018 के बाद 75 फ़ीसदी पॉर्न वीडियो देखने का चलन भारत में बढ़ा है। 2018 के बाद से भारत में इंटरनेट और स्मार्टफोन की सुविधा बढ़ने के बाद, सभी वर्गों के बीच पोर्नोग्राफी के वीडियो और कंटेंट देखने की प्रवृत्ति बढ़ी है। भारत में स्मार्टफोन के कारण पोर्न वीडियों और सोशल मीडिया प्लेटफार्म के कारण मानसिक रोगियों की संख्या बढ़ रही है। इंटरनेट पर पोर्न वीडियो के कारण यौन अपराधों की संख्या में वृद्धि हो रही है। यौन अपराधों को रोकने के लिए सरकार 2018 से प्रयास कर रही है। सरकार ने पोर्नोग्राफ़ी की 800 वेबसाइटों को प्रतिबन्धित किया था (कुछ ही समय के बाद पोर्न वेबसाइट अन्य नामों से इंटरनेट पर उपलब्ध हैं। सर्च इंजन के माध्यम से आसानी से हर वर्ग तक पोर्न कंटेंट में सभी की पहुंच है। इस पर रोक लगा पाना सरकार के लिए संभव नहीं है। केंद्र सरकार ने 2008 में आईटी एक्ट में संशोधन कर भारतीय दंड संहिता की धारा 292, 293, 294, 506 और 509 के तहत सजा का प्रावधान किया है। इसका असर भी देखने को नहीं मिला। केंद्र सरकार ने इसके बाद आईटी एक्ट में संशोधन किया। आईटी एक्ट की धारा 66 ई धारा 67 ए और धारा 67 बी के तहत पोर्नोग्राफी फिल्म बनाना, इन्हें शेयर करना अथवा प्रसारित करना प्रतिबंधित किया गया। गैर जमानती अपराध के रूप में धारा 66 ई के तहत पोर्नोग्राफ़ी,पोर्न फोटोग्राफी और फिल्म बनाने पर सजा और जुर्माने का प्रावधान है। आईटी एक्ट मे अपराध को पाक्सो एक्ट के तहत भी लाया गया है। आईटी एक्ट की धारा 67 ए के अनुसार पोर्नो ग्राफी देखने और शेयर करने पर 5 साल की सजा और 10 लाख रुपए के जुर्माना का प्रावधान है। दूसरी बार में यही अपराध करने पर धारा 67 बी के तहत 7 साल की सजा और 10 लाख रुपए के जुर्माना का प्रावधान है। पाक्सो एक्ट के तहत भी कार्रवाई की जाती है। भारतीय दंड संहिता के अंतर्गत भी सजा का प्रावधान है। गैर जमानती अपराध है।अपराधी के साथ कोई नरमी नहीं बरती जाती है।

इंटरनेट पर भारत में पोर्न वेबसाइट एवं पोर्न कंटेंट पूरी तरह से प्रतिबंधित है। इसके बाद भी इंटरनेट पर जब चाहे, जहां चाहे, सर्च इंजन की सहायता से बच्चे, युवा, बुजुर्ग पॉर्न वीडियो इंटरनेट पर आसानी से देख रहे हैं। पॉर्न वीडियो इंटरनेट और स्मार्टफोन पर उपलब्ध है। यह सरकार भी जानती है। कानून में प्रतिबंधित होने के बाद भी सरकार पोर्न कंटेंट पर रोक नहीं लग पा रही है। जिसके कारण लोग पोर्न के आदी होकर मानसिक रोग के शिकार हो रहे हैं। यह नशा इतना घातक हो गया है, कि इससे बाहर निकल पाना या इसका उपचार करना डॉक्टरों के लिए भी संभव नहीं रहा। पोर्न कंटेंट देखने से युवाओं में नपुंसकता बढ रही है। भारत में पिछले 5 वर्षों में यौन अपराधों की संख्या बड़ी तेजी के साथ बढ़ी है। छोटी-छोटी मासूम बच्चियों के साथ दुष्कर्म की घटनाएं होने लगी हैं। यौन अपराधों में कड़ी सजा होने के बाद भी पुलिस यौन अपराधों पर रोक नहीं लगा पा रही है। इंटरनेट पर पॉर्न वीडियो देखने से मानसिक रोगियों के कारण और बच्चियों और महिलाओं को सुरक्षित रख पाना बड़ा मुश्किल होता जा रहा है परिवार एवं रिश्तो में भी अब इस तरह के अपराध बढ़ गए हैं। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी, स्मार्ट फोन पर आसानी से पोर्नोग्राफ़ी के वीडियो उपलब्ध होने से भारत के सभी आयु वर्ग के लोग मानसिक रूप से प्रभावित हो रहे हैं। पॉर्न वीडियो के कारण नजदीकी रिश्तों में यौन संबंध की घटनाओं में बृद्धि हुई है। जिसके कारण सामाजिक एवं पारिवारिक रिश्ते भी अब डर और भय के साए में है। इस समस्या को जल्द खत्म नहीं किया गया, तो भारतीय संस्कृति, पारिवारिक एवं सामाजिक व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती होगी।

राजस्थान में भी चल रही है बदलाव की बयार

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान में पिछले तीस वर्षो से हर पांच साल बाद सत्ता बदलने का रिवाज चला आ रहा है। अगले महीने होने वाले राजस्थान विधानसभा के चुनाव में जहां भाजपा हर बार राज बदलने के रिवाज को बनाए रखने का प्रयास कर रही है। वहीं सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी फिर से सरकार बनाकर रिवाज बदलना चाहती है। चुनाव में दोनों ही पार्टियों पूरे दमखम के साथ उतरने जा रही है। तीसरे मोर्चे के रूप में बसपा, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी, आम आदमी पार्टी, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिममीन, भारतीय आदिवासी पार्टी, वामपंथी पार्टिया जैसे छोटे राजनीतिक दल भी प्रदेश की राजनीति में तीसरी शक्ति बनकर सत्ता की चाबी अपने हाथ में लेना चाहते हैं। राजस्थान में पिछले 30 वर्षो से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कांग्रेस की मुख्य धुरी बने हुए हैं। तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके अशोक गहलोत के इर्द-गिर्द ही कांग्रेस की राजनीति घूमती है। कांग्रेस पार्टी में जैसा गहलोत चाहते हैं वैसा ही होता है। 1998 में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रहते अशोक गहलोत जब पहली बार मुख्यमंत्री बने थे। तब राजस्थान में कांग्रेस की राजनीति में कई दिग्गज नेता सक्रिय थे। जिनमें मुख्य परसराम मदेरणा, शीशराम ओला, नवल किशोर शर्मा, कुंवर नटवर सिंह, शिवचरण माथुर, जगन्नाथ पहाड़िया, हीरालाल देवपुरा, बलराम जाखड़, चौधरी नारायण सिंह, रामनारायण चौधरी, कमला बेनीवाल, खेत सिंह राठौड़, प्रद्युम्न सिंह, गुलाब सिंह शक्तावत जैसे दिग्गज नेता मौजूद थे। उस वक्त गहलोत ने इन सभी को मात देकर मुख्यमंत्री का पद हासिल किया था।

बाद में गहलोत ने एक-एक कर सभी बड़े नेताओं को सक्रिय राजनीति से किनारे लगा दिया। आज स्थिति यह है कि कांग्रेस की राजनीति में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के प्रतिद्वंदी बनकर उभरे सचिन पायलट भी साइड लाईन हो चुके हैं। गांधी परिवार के वफादार भंवर जितेंद्र सिंह का व्यक्तित्व इतना बड़ा नहीं है कि उनके नाम पर मुख्यमंत्री पद के लिए आम सहमति बन सके। 2008 के विधानसभा चुनाव में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रहते सीपी जोशी मुख्यमंत्री पद के सबसे मजबूत दावेदार बने थे। मगर उनकी एक वोट से हुई हार ने उनका राजनीतिक कैरियर ही चौपट कर दिया था। गत वर्ष कांग्रेस आलाकमान ने गहलोत के स्थान पर सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाने का प्रयास किया था। जिसके लिए मल्लिकार्जुन खड़गे व अजय माकन पर्यवेक्षक बन कर जयपुर आए थे। मगर विधायकों द्वारा विधायक दल की बैठक का बहिष्कार कर देने से सचिन पायलट दूसरी बार मुख्यमंत्री बनते बनते रह गए थे। मुख्यमंत्री गहलोत पिछले पांच साल से लगातार अपनी सभाओं में कहते आ रहे हैं कि वह चौथी बार भी मुख्यमंत्री बनेंगे। मगर लगता है कि अब कांग्रेस में भी बड़ा उलट-पुलट होने वाला है। विधानसभा चुनाव के बाद यदि कांग्रेस पार्टी फिर से सरकार बनती है तो गहलोत के स्थान पर किसी नए नेता को ही कमान मिलने की अधिक संभावना नजर आने लगी है। पिछले पांच वर्षों में जिस तरह से गहलोत ने सरकार चलाई है। उससे कांग्रेस नेता राहुल गांधी संतुष्ट नहीं बताये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा हायर की गई एक निजी प्रचार एजेंसी डिजाइन बॉक्स को लेकर भी पार्टी में बड़ा विवाद हुआ था। डिजाइन बाक्स को गहलोत ने अपनी छवि चमकाने के लिए हायर किया था। इस एजेंसी की कार्यप्रणाली को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की डिजाइन बॉक्स के फाउंडर नरेश अरोड़ा से तकरार हो चुकी है। डिजाइन बॉक्स की नियुक्ति कांग्रेस आलाकमान को पसंद नहीं आ रही है। कांग्रेस आलाकमान कर्नाटक चुनावों में कांग्रेस के रणनीतिकार रहे सुनील कानुगोलू को राजस्थान में कांग्रेस की चुनावी रणनीति बनाने के लिए नियुक्त करना चाहता था। मगर मुख्यमंत्री गहलोत के विरोध के चलते उन्हें मध्य प्रदेश भेजना पड़ा था। कांग्रेस आलाकमान ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को इस बार कांग्रेस कार्य समिति का सदस्य भी नहीं बनाया है। जबकि उनके प्रतिद्वंदी सचिन पायलट व कैबिनेट मंत्री महेंद्रजीत मालवीय को कार्य समिति में लिया गया है। आदिवासी नेता महेंद्रजीत मालवीय को कार्य समिति में लाकर राहुल गांधी प्रादेशिक नेतृत्व में बदलाव के संकेत दे रहें हैं। गहलोत के स्थान पर राजस्थान में सचिन पायलट, भंवर जितेंद्र सिंह, महेंद्रजीत मालवीय, सीपी जोशी जैसे नेताओं को बड़ी भूमिका मिल सकती है। राजस्थान में भाजपा भी पूरे बदलाव के दौर से ही गुजर रही है। 2002 से लेकर अब तक पार्टी की एक छत्र नेता रही वसुंधरा राजे के स्थान पर पार्टी में कई नेताओं को आगे बढ़ाया जा रहा है। भाजपा में नया नेतृत्व लाने के लिए ही पार्टी ने इस बार किसी भी नेता के चेहरे पर चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है। भाजपा सामूहिक नेतृत्व व कमल के निशान पर चुनाव मैदान में उतरने जा रही है। अभी प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, कैलाश चौधरी, अर्जुन मेघवाल, सांसद दीया कुमारी, किरोड़ीलाल मीणा, राज्यवर्धन राठौड़ अग्रिम पंक्ति के नेताओं में शुमार हैं। प्रदेश में यदि भाजपा की सरकार बनती है तो इनमें से ही कोई मुख्यमंत्री बन सकता है।

जिस तरह से वसुंधरा राजे समर्थक नेताओं के टिकट काटे जा रहे हैं उससे लगता है कि आने वाला समय वसुंधरा राजे के लिए अच्छा नहीं रहने वाला है। 2013 से 18 के कार्यकाल में वसुंधरा राजे के इर्द-गिर्द ऐसे चापलूस नेताओं की का जमावड़ा हो गया था जो सिर्फ उनकी जी हजूरी में ही लगे रहते थे। उस कार्यकाल में वसुंधरा राजे ने एक मुख्यमंत्री की बजाय महारानी के रूप में शासन चलाया था। जिसके चलते ही 2018 के विधानसभा चुनाव में भाजपा 163 सीटों से घटकर 73 सीटों पर सिमट गई थी। प्रदेश में पार्टी की करारी हार से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वसुंधरा राज्य से नाराज हो गए। उसके बाद से ही उन्हें प्रदेश की राजनीति में अलग थलग करना शुरू हो गया। 2019 के लोकसभा चुनाव में भी वसुंधरा को बड़ी भूमिका नहीं दी गई थी। उसके उपरांत भी भाजपा ने प्रदेश की सभी 25 सीटों पर जीत दर्ज की थी। इससे भाजपा के राष्ट्रीय नेताओं को यह बात समझ में आ गई कि बिना वसुंधरा के भी राजस्थान में भाजपा मजबूती से पैर जमा सकती है। इस बार के विधानसभा चुनाव में वसुंधरा राजे को अभी तक कोई बड़ी भूमिका नहीं दी गई है। उनके कट्टर समर्थकों के टिकट भी काटे जा रहे हैं। वसुंधरा राजे गुट के कालीचरण सर्राफ, अशोक परनामी, यूनुस खान, प्रताप सिंह सिंघवी, भवानी सिंह राजावत, देवी सिंह भाटी, रोहिताश शर्मा, कालूलाल गुर्जर, नरपतसिंह राजवी, राजपाल सिंह शेखावत, खेमाराम मेघवाल, अशोक लाहोटी जैसे नेताओं के स्थान पर नए लोगों को टिकट देकर पार्टी वसुंधरा राजे का रहा सहा प्रभाव भी खत्म करने का प्रयास कर रही है। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि राजस्थान में इस बार बड़ी संख्या में नये नेता चुन कर आयेगें। जिससे आने वाले समय में प्रदेश की राजनीति में बड़ा बदला बदलाव देखने को मिलेगा।

फ़ोन स्मार्ट

विजय गर्ग

शरद ऋतु करीब आ रही है, और कई लोगों के लिए अधिक नियमित कार्यालय कार्यक्रम की वापसी निकट आ रही है और इसके साथ ही, परिवहन, बैठकों और नियुक्तियों के लिए प्रतीक्षा समय भी बढ़ रहा है। खेल, पढ़ना, सोशल-मीडिया स्क्रॉल करना या बस ज़ोनिंग करना इन मिनटों को खर्च करने के सामान्य तरीके हैं, लेकिन यदि आप अधिक मानसिक उत्तेजना चाहते हैं, तो उन विषयों में संक्षिप्त पाठ के साथ अपने मस्तिष्क को बढ़ावा क्यों न दें जिनमें आपकी रुचि है? यहां एंड्रॉइड और आईओएस ऐप ढूंढने के लिए एक गाइड है जो आपके स्मार्टफोन को एक ट्रैवलिंग पॉकेट ट्यूटर में बदल देगा। कोई भाषा सीखो वेब-आधारित शैक्षणिक पाठ्यक्रम और संगीत पाठ पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़े हैं, खासकर जब दूरस्थ शिक्षा महामारी जीवन का एक हिस्सा बन गई है। हालाँकि, ड्ड्डद्दद्ध और त्रश्वह्यद्गद्ध के पास अपने स्वयं के मुफ़्त अनुवाद ऐप हैं, कुछ लोगों को ऑनलाइन भाषा पाठ भी उपयोगी लगे। कोई भी आपको ट्रेन में अजीब फ्रेंच उच्चारण का अभ्यास करते हुए नहीं सुनना चाहता, लेकिन कई भाषा-शिक्षण ऐप्स शब्दावली और व्याकरण में मुफ्त या सस्ते ट्यूटोरियल प्रदान करते हैं जिन्हें आप चुपचाप या हेडफ़ोन पहने हुए कर सकते हैं। बबेल, डुओलिंगो, मेमराइज़ और रोसेटा स्टोन उनमें से हैं जो भाषाओं की विस्तृत पसंद के लिए लघु पाठ प्रदान करते हैं। प्रत्येक ऐप को एक उपयोगकर्ता खाते की आवश्यकता होती है जिसे आपको अपनी प्रगति को ट्रैक करने के लिए पाठों के लिए सेट अप करना होगा। डुओलिंगो और मेमराइज़ दोनों के पास भुगतान विकल्पों के साथ-साथ मुफ्त योजनाएं भी हैं, और वीडियो और टच-स्क्रीन अभ्यास के साथ सीखने को और अधिक गेम जैसा बनाते हैं; ध्यान दें कि डुओलिंगो को हाल ही में उपयोगकर्ता डेटा के उल्लंघन का सामना करना पड़ा है। बबेल और रोसेटा स्टोन बातचीत कौशल पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं और आपसे अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए सदस्यता लेने के लिए कहते हैं; कीमतें अलग-अलग हैं, लेकिन पूर्ण पहुंच के लिए प्रति वर्ष .100 (लगभग 8,000 रुपये) से कम भुगतान करने की उम्मीद है। वैश्विक संस्कृति का अन्वेषण करें। यदि आप हर तरह से 45 मिनट तक यह दिखावा करना चाहते हैं कि आप बस की सीट में नहीं फंसे हैं, तो आप ब्लूमबर्ग कनेक्ट्स और एंड्रॉइड और आईओएस के लिए त्रश्वह्यद्ग-द्दद्यद्ग × ह्लद्गद्बह्लद्गह्यद्ग ऐप जैसे ऐप्स के माध्यम से दुनिया के महान संग्रहालयों का दौरा कर सकते हैं। दोनों ऐप्स नि:शुल्क हैं. ब्लूमबर्ग कनेक्ट्स के पास अब तक 200 से अधिक गाइड हैं, जिनमें दुनिया भर के कला संग्रहालयों के साथ-साथ अन्य सांस्कृतिक स्थलों के वीडियो और संग्रह पर प्रकाश डाला गया है। ये पोर्टेबल संग्रहालय यात्राएँ वीडियो को पाठ और छवियों के साथ मिलाती हैं और इन्हें ऐसे समय के लिए भी डाउनलोड किया जा सकता है जब आपके पास इंटरनेट का उपयोग न हो। त्रश्वह्यद्ग-द्दद्यद्ग × ह्लद्गद्ब-ह्लद्गह्यद्ग में दुनिया भर के 3,000 से अधिक सांस्कृतिक संस्थानों, स्थलों और साइटों की सामग्री है। दुनिया के प्रमुख शहरों के लिए यात्रा मार्गदर्शिकाएँ, साथ ही विज्ञान और इतिहास प्रदर्शनियाँ और संस्कृति-आधारित खेल भी शामिल हैं। भले ही ञ्जद्गस्र टॉक एक पॉप-सांस्कृतिक विषय बन गया है (मेरी ञ्जद्गस्र टॉक सुनने के लिए धन्यवाद), प्रौद्योगिकी, विज्ञान, डिज़ाइन और 1 सांस्कृतिक विषयों पर हजारों मुफ्त व्याख्यान आधिकारिक ञ्जद्गस्र ऐप में मुफ्त उपलब्ध हैं। एंड्रॉइड और आईओएस। और यदि आपके आवागमन के दौरान कनेक्टिविटी एक समस्या है, तो मुफ़्त उपयोगकर्ता खाते के लिए साइन अप करने पर वार्ता को ऑफ़लाइन देखने के लिए डाउनलोड किया जा सकता है। विज्ञान का अध्ययन करें आप अपने मोबाइल डिवाइस पर कंप्यूटर कोडिंग की मूल बातें भी सीख सकते हैं। हालाँकि त्रश्वह्यद्गद्ध ने हाल ही में बुनियादी बातें सिखाने के लिए अपना नि:शुल्क ग्रासहॉपर ऐप बंद कर दिया है, आप अपने फ़ोन पर कोडिंग की बुनियादी बातें सीखने के लिए बहुत सारे ट्यूटोरियल और गाइड पा सकते हैं। सोलो लर्न द्वारा प्रस्तावित बुनियादी योजना में कई कंप्यूटर भाषाओं में मुफ्त, संक्षिप्त कोडिंग पाठ हैं; प्रो योजना में प्रति वर्ष बिल किए गए 70 (5,800 रुपये) के लिए इंटरैक्टिव डेमो और अन्य सुविधाएं शामिल हैं। यदि आप पहले से ही कोड अकादमी साइट पर मुफ्त वेब-आधारित पाठ कर रहे हैं, तो कंपनी का कोड अकादमी गो ऐप मोबाइल के लिए फ्लैश कार्ड और अभ्यास उपकरण प्रदान करता है।सीखना। और यदि आप एक आईपैड ले जा रहे हैं, तो ऐप्पल का अपना नि:शुल्क स्विफ्ट प्लेग्राउंड ऐप है, जो इंटरैक्टिव पहेलियों और अभ्यासों के माध्यम से स्विफ्ट-भाषा कोडिंग सिखाता है। मानसिक कसरत यदि आप यह दिखाने के लिए सीखने से ब्रेक लेना चाहते हैं कि आप पहले से कितना जानते हैं, तो ऐप स्टोर में मोबाइल ट्रिविया ऐप्स की कोई कमी नहीं है, जिसमें नॉलेज ट्रेनर भी शामिल है, जो विभिन्न विषयों में 6,000 प्रश्नों के साथ आपका परीक्षण करता है। विज्ञापन-मुक्त प्रीमियम संस्करण की लागत 6 लगभग 500 रुपये) प्रति वर्ष है। सूक्ष्म-शिक्षा के लिए कुछ दिन दूसरों की तुलना में बेहतर हो सकते हैं, उन दिनों में जब पारगमन या बैठक में देरी होती है, तो आप कम से कम थोड़ा अतिरिक्त अध्ययन समय प्राप्त कर सकते हैं।

पहाड़ों पर बर्फ और मैदानों में चुनावी गर्मी,,,,,

राकेश अचल

देश में पहाड़ों पर बर्फवारी से तापमान गिरकर 20 डिग्री सेल्सियस पर आ गया है लेकिन देश के मैदानी राज्यों में विधानसभा चुनावों की गर्माहट तेज हो गयी है । पारा दिन-ब-दिन बढ़ता दिखाई दे रहा है । राजस्थान में भाजपा की वरिष्ठ नेता श्रीमती बसुंधरा राजे को मना लेने के दावे किये जा रहे हैं, वहीं मध्यप्रदेश में भाजपा और कांग्रेस में कहीं बगावत जारी है तो कहीं मान-मनव्वल । उधर मिजोरम जाने के लिए भाजपा को कोई चंद्रयान नहीं मिल रहा है। अभी तक मिजोरम में चुनावी माहौल ठंडा बना हुआ है।

पहाड़ों का मौसम बदलता है तो मैदानों का मौसम अपने आप बदलने लगता है ,लेकिन इस बार बर्फवारी के बावजूद मैदानों में चुनावी सरगर्मियां देखने लायक है। राजस्थान और छत्तीसगढ़ जीतने के लिए भाजपा है कमान को जहाँ रूठों को मनाने में पसीना आ रहा वहीं मध्यप्रदेश में अपनी सत्ता बचाये रखने के लिए भाजपा हाईकमान को ऐढ़ी -चोटी का जोर लगना पड़ रहा है । कांग्रेस को राजस्थान और छत्तीस गढ़ में सत्ता बचाना है जबकि मध्यप्रदेश और तेलंगाना में सत्ता हासिल करना है। मिजोरम के बारे में कोई भी दल बहुत ज्यादा गंभीर नहीं है। मध्यप्रदेश में भाजपा से सत्ता हासिल करने के लिए एक बार फिर कमलनाथ और दिग्विजय सिंह की जोड़ी आखरी दांव लगा रही है । कांग्रेस ने मध्यप्रदेश के लिए एक लंबा-चौड़ा वचन-पत्र जारी किया है। जिसमने 59 मुद्दों पर 1250 वचन दिए गए है। कांग्रेस ने इस बार भाजपा सरकार की योजनाओं के नाम बदलने के साथ ही लगभग हर योजना में दी जाने वाली सहायता को स्वय या ड्योढ़ा बढ़ा दिया है। अगर कांग्रेस अपने वचन-पत्र को मतदाताओं तक पहुंचा पाने में कामयाब रही तो यकीन जानिये कि भाजपा के लिए सत्ता में बने रहना कठिन हो जाएगा वैसे भी भाजपा खरीदे हुए जनादेश के सहारे प्रदेश की सत्ता में है।

भाजपा में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की छवि 2003 के प्रदेश के मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह जैसी हो गयी है । वे भी अब भाजपा और प्रदेश के लिए बंटाधार साबित हो रहे हैं। प्रदेश में सड़कों और बिजली की दुर्दशा शिवराज सिंह सरकार पर भारी पड़ रही है। शिवराज पिछले विधानसभा चुनाव में कमलनाथ,दिग्विजय और महाराज ज्योतिरादित्य सिंधिया से लड़े थे, इस बार उन्हें कमलनाथ और दिग्विजय सिंह की जोड़ी के अलावा अपनी ही पार्टी की मोदी-शाह की जोड़ी से भी जूझना पड़ रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती अभी तक नाराज है। उनके जिन समर्थकों के टिकिट कटे हैं उन्हें बहन मायावती अपनी पार्टी का टिकिट दे रही हैं। समाजवादी पार्टी ने भी चुनाव मैदान में खम ठोंक दिए हैं। इससे कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ गयीं हैं। आम आदमी पार्टी अभी तक अपने लिए कोई जगह नहीं बना पायी है। मध्यप्रदेश में कल तक चुनावी रण में सबसे ज्यादा मुस्तैद दिखाई दे रही कांग्रेस के दोनों बड़े नेताओं की बदजुबानी बना-बनाया खेल बिगड़ती दिखाई दे रही है । पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और दिग्विजय सिंह इस विधानसभा चुनाव के जरिये अपनी राजनीतिक विरासत अपने बेटों को सौंप देने पर आमादा है। पुत्र मोह में ये दोनों नेता पार्टी के नेता राहुल गांधी की कोशिशें को भी पलीता लगा दें तो कोई बड़ी बात नहीं है। कांग्रेस का चुनाव चिन्ह दो बैलों की जोड़ी युगों पहले बदल चुका है किन्तु आज के मध्यप्रदेश में कांग्रेस की पहचान दो बूढ़े बैलों की जोड़ी से ही है। दोनों अपने जीवन के अमृतकाल में हैं। इस जोड़ी की सबसे बड़ी बाधा ज्योतिरादित्य सिंधिया तीन साल पहले ही कांग्रेस के खेत-खलिहान छोड़कर भाजपा के साथ हो लिए थे। राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का जादू जनता के सर से उतरने के लिए मोदी-शाह की जोड़ी ने सरे कस-बल लगा लिए हैं। भाजपा के लिए अशोक गहलोत से बड़ी चुनौती पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती बसुंधरा राजे सिंधिया की बगावत थी ,लेकिन आखिर-आखिर में हाईकमान उन्हें शांत करने में कामयाब होता दिखाई दे रहा है। राजे की नाराजगी भाजपा की सबसे बड़ी चुनाती है । राजस्थान में अशोक गहलोत को यदि किसी के नेतृत्व में हराया जा सकता है तो वे सिर्फ और सिर्फ बसुंधरा राजे ही है। राजे को आईना दिखने के लिए भाजपा हाई कमान ने जयपुर राजघराने की दीया सिंह को आगे बढ़ाने की कोशिश की ,लेकिन पैसा उल्टा पड़ा। राजस्थान में भी मध्यप्रदेश की तरह इस बार अनेक केंद्रीय मंत्री और संसद लड़ रहे है। मजा तो तब आता जब भाजपा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को भी विधानसभा चुनाव में आजमा लेती। ख़ास बात ये है कि प्रत्याशियों के नामों कि घोषणा में कांग्रेस बहुत ज्यादा पिछड़ गयी है। अभी राजस्थान में कांग्रेस प्रत्याशियों की पहली सूचीय की ही घोषणा नहीं हुई है। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस बेफिक्र होकर चुनाव लड़ रही है । यहां कांग्रेस और भाजपा के बीच पिछले चुनाव में ही जो फासला बना था उसे पाटना भाजपा के लिए आसान नहीं है। कोई जादू ही इस फासले को पाट सकता है। छत्तीसगढ़ कहने को राजस्थान और मध्यप्रदेश के मुकाबले एक छोटा राज्य है किन्तु इस राज्य में कांग्रेस की सरकार ने जो कर दिखाया है वो एक महत्वपूर्ण बात है। मध्यप्रदेश और राजस्थान से भिन्न है छग का तापमान। सुदूर दक्षिण के तेलंगाना में भी भी सत्तारूढ़ केसीआर के लिए इस बार अपनी सल्तनत बचाना आसान नहीं दिखाई दे रहा । यहां केसीआर अपने कुनबे को बचने के फेर में अपनी सरकार गंवाने जा रहे है। तेलंगाना में भाजपा के लिए न पहले कोई गुंजाइश थी और न अब दिखाई दे रही है। मिजोरम को तो फिलहाल जाने ही दीजिये।

विधानसभा चुनावों के लिए प्रत्याशियों के नामों कोई घोषणा का काम भाजपा और कांग्रेस अभी तक पूरा नहीं कर पायी हैं जबकि कल से नामांकन भरने की प्रक्रिया आरम्भ हो जाएगी । मुझे न जाने क्यों लगता है कि कांग्रेस और भाजपा नाम वापसी के दिन तक प्रत्याशियों के नामों का अंतिम फैसला कर पाएंगीं। इन विधानसभा चुनावों को लेकर आम मतदाता में अभी अपेक्षित सुगबुगाहट पैदा नहीं हुई है ,हालांकि अब शहरों और गांवों में होर्डिंग और बैनर उग आये हैं।

प्रत्याशियों ने अपना जन सम्पर्क आरम्भ कर दिया है। राजनीतिक दलों का पैसा बहता नजर आने लगा है।

जीवन का अर्थ बताती है अर्थी

जीवन भर व्यक्ति इसी सोच में उलझा रहता है कि उसका परिवार है, बीवी बच्चे हैं। इनके लिए धन जुटाने और सुख-सुविधाओं के इंतजाम में हर वह काम करने के लिए तैयार रहता है जिससे अधिक से अधिक धन और वैभव अर्जित कर सके। अपने स्वार्थ के लिए व्यक्ति दूसरों को नुकसान पहुंचाने के लिए भी तैयार रहता है। जबकि हर व्यक्ति के शरीर में आत्मा रूप में बसा ईश्वर गलत तरीके से, दूसरों को अहित पहुंचाकर लाभ पाने के लिए मना करता है। लेकिन जब व्यक्ति आत्मा की बात नहीं सुनता है तो आत्मा मौन धारण कर लेती है। आत्मा को उस दिन का इंतजार रहता है जब व्यक्ति अर्थी पर पहुंचता है। इस समय व्यक्ति को जीवन का अर्थ और आत्मा की कही बातें याद आती है। लेकिन इस समय पश्चाताप के अलावा कुछ और नहीं बचता है। सब कुछ मिट्टी में मिल चुका होता है। आपने मृत व्यक्ति को बांस की फट्टियों पर लेकर जाते हुए कभी न कभी जरूर देखा होगा। बांस की फट्टियों पर जिस पर शव को लिटाया जाता है इसे अर्थी कहते हैं। अर्थी को उठाने के लिए चार कंधों की जरूरत पड़ती है। जब व्यक्ति की अर्थी उठायी जाती है उस समय आत्मा मृत व्यक्ति से कहती है देखो, तुम्हारी यही औकात है।

तुम्हें खुद सहारे की जरूरत है, तुम झूठा अहंकार करते रहे कि तुम लोगों को आश्रय दे रहे हो। जिन लोगों के लिए तुम दिन रात धन-वैभव जुटाने में लगे रहे। आज वह संगी साथी परिवार तुम्हें विराने में ले जाकर अग्नि में समर्पित कर देगा। जीवन का मात्र यही अर्थ है। इसलिए अर्थी को जीवन का अर्थ बताने वाला कहा गया है। अर्थी ले जाते समय लोग जोर-जोर से नारे लगाते हैं राम नाम सत्य है, सब की यही गत्य है। नारे लगाने वाले लोग मृत व्यक्ति को और दुनियां को यह बताता है कि वास्तविक सत्य राम का नाम है। अंत में सभी की यही गति होनी है। इसलिए प्रभु का नाम भजते हुए ईमानदारी और सद्व्यवहार के साथ जीवन जीना चाहिए। जरूरतमंदों की सहायता से कभी पीछे नहीं हटना चाहिए। गीता के ग्यारहवें अध्याय का महात्म्य बताते हुए भगवान शिव ने कहा है कि जो व्यक्ति जरूरत के समय व्यक्ति से नज़र फेर लेता है वह नीच योनियों में जन्म लेता है। जरूरत के समय दूसरों की सहायता करने वाला व्यक्ति कई पापों से मुक्त हो जाता है। इसलिए व्यक्ति को परमार्थी होना चाहिए। मनुष्य का जन्म ही इस उद्देश्य के लिए हुआ। जो व्यक्ति इस अर्थ को नहीं समझता उसे अर्थी पर जाकर ही जीवन का अर्थ ज्ञात होता है।

कहाँ गए मास्क (व्यंग्य)

हजारों की संख्या में पड़े मास्कों की पीड़ा अंतहीन है। वे भी जनता की तरह चुपचाप सहने के लिए विवश हैं। उन्हीं में से तीन मास्क ऐसे हैं जो नेता बनने के सभी गुण रखते हैं। नेता बनने के लिए मुद्दों की तलाश से ज्यादा जिद्दी होना जरूरी होता है। कचरा कुंडी में हजारों की संख्या में मास्क पड़े हुए हैं। सबकी हालत नोटबंदी से भी बदतर है। नोटबंदी के दिनों में कम से कम पुराने नोटों को निश्चित समय के भीतर बैंक में लौटाने पर उसके बदले नए नोट तो मिल जाते थे। किंतु इन्हें लेने वाला कौन है? राजनीति में 'उतरन' का इस्तेमाल जितना श्रेष्ठ माना जाता है, भौतिक वस्तुओं का इस्तेमाल उतना ही निकृष्ट माना जाता है। हजारों की संख्या में पड़े मास्कों की पीड़ा अंतहीन है। वे भी जनता की तरह चुपचाप सहने के लिए विवश हैं। उन्हीं में से तीन मास्क ऐसे हैं जो नेता बनने के सभी गुण रखते हैं। नेता बनने के लिए मुद्दों की तलाश से ज्यादा जिद्दी होना जरूरी होता है। मौन और मंदस्वर की भेंट चढ़ने वाले तर्कसंगत मुद्दे जिद्दी नेता की कमी के चलते प्राण त्याग देते हैं। जबकि तर्कहीन और हास्यास्पद से लगने वाले मुद्दे उक्त नेताओं के चलते बड़ी सुर्खियां बटोर लेते हैं। यही कारण है कि रोटी, कपड़ा और मकान जैसे मुद्दे जमीन के भीतर दफना दिए जाते हैं और किसी रईसी औलाद की जमानत देश के लिए जीने-मरने का सवाल बन जाता है।

नया मास्क: क्या हो रहा है टूटा भैया! क्या हाल चाल है? इधर-किधर आ गए ?

टूटा मास्क: हाल-चाल क्या बताऊँ नया भैया! देख रहे हैं न इधर पड़ा हूँ और जमीन की धूल फाँक रहा हूँ। ससुरा पता नहीं चलता है कि मेरा जन्म किस लिए हुआ है?

नया मास्क: ऐसा मुँह लटकाने से क्या होगा। थोड़ा खुलकर बताओ। मैं भी समझूँ कि तुम्हारे साथ क्या हुआ है।

टूटा मास्क: क्या बताऊँ भैया! जिस मूरख ने मुझको दुकान से खरीदा था, उसने कभी मुझे मुँह-नाक पर नहीं रखा। उसके नाक पर तो चौबीस घंटे गुस्सा रहता था। जहाँ तक मुँह की बात है तो उसमें उसने गुटखा-खैनी, पान-तंबाकू की कंपनी खोल ली है। कभी उसने मेरी कद्र नहीं की! जब देखो तब मुझे ठुड्डी पर चढ़ाए रखता था। परिणाम यह हुआ कि एक मेरी एक टंगनी टूट गई। इसीलिए उसने मुझे यहाँ फेंक दिया।

नया मास्क: अरे भैया! रोइए मत! सबका वही हाल है। कम से कम आपको ठुड्डियों पर बैठने का सुख तो मिला है। हमारे भाग्य में वह भी नहीं है। अब देखिए न जिस पागल ने मुझे खरीदा था उसकी बिटिया ने मुझे यह कहकर फेंक दिया कि मुझ पर स्पाइडरमैन का डिजाइन नहीं है।

(तभी अचानक दोनों की बात सुन लाल रंग का मास्क सुबक-सुबकर रोने लगा।)

नया मास्क: अरे भाई तुम क्यों रो रहे हो ?

लाल मास्क: उस बेवकूफ को मेरा रंग ही पसंद नहीं आया। मुझे अपने संगी-साथी को दे दिया। और वे थे कि मुझे यहाँ फेंककर चले गए।

भारत में निर्मित होने लगे हैं रोजगार के करोड़ों अवसर

प्रहलाद सबनानी

भारतीय सनातन संस्कृति के बारे में विवेचन करते हुए, भारत में रचित वेद, पुराण एवं परम्पराओं के अनुसार, राजा का यह कर्तव्य माना गया है कि उसके राज्य में निवास कर रही प्रजा में प्रत्येक नागरिक को रोजगार उपलब्ध हो, राजा ऐसी व्यवस्था करे। जब तक भारतीय सनातन संस्कृति का भारत में पालन होता रहा, तब तक लगभग समस्त नागरिकों को रोजगार उपलब्ध होता रहा। प्राचीन भारत में विशेष रूप से गावों में ही रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध रहते थे एवं शहरों की ओर पलायन भी बहुत कम होता था। बेरोजगारी की समस्या के बारे में तो भारत के प्राचीन शास्त्रों में वर्णन ही नहीं मिलता है। समस्त नागरिकों को रोजगार उपलब्ध रहता था एवं वे अपने परिवार के समस्त सदस्यों का भरण पोषण करने में सक्षम रहते थे एवं परिवार के समस्त सदस्यों के साथ प्रसन्नत्ता एवं उत्साह के साथ रहते थे। जब कि आज की परिस्थितियों के बीच, वैश्विक स्तर पर, बेरोजगारी की समस्या एक प्रमुख समस्या के रूप में उभर रही है। भारतीय सनातन संस्कृति का पालन करते हुए भारत आज आर्थिक प्रगति के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। आज भारतीय अर्थव्यवस्था पूरे विश्व की लगभग सभी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे तेज गति से प्रगति करने वाली अर्थव्यवस्था बन गई है। वर्ष 2014 में भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व में 10वें स्थान पर थी जो आज 5वें स्थान पर पहुंच गई है एवं भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रगति को देखते हुए अब उम्मीद की जा रही है कि वर्ष 2027-28 के पूर्व भारत की अर्थव्यवस्था 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगी एवं यह अमेरिका एवं चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन जाएगी। भारत में केंद्र सरकार द्वारा लगातार यह प्रयास किया जा रहा है कि न केवल देश की अर्थव्यवस्था तेज गति से आगे बढ़े बल्कि भारत में युवाओं के लिए अधिक से अधिक रोजगार के नए अवसर निर्मित हों। इस दृष्टि से भारत में अब अच्छी खबर आई है। भारत में अगस्त 2023 माह में 46.21 करोड़ नागरिकों को रोजगार मिला हुआ था जबकि अगस्त 2022 में 43.02 करोड़ नागरिकों को ही रोजगार प्राप्त था, इस प्रकार एक वर्ष के दौरान 3.19 करोड़ नागरिकों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है। केंद्र सरकार के राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय द्वारा वर्ष 2017 के बाद से प्रतिवर्ष देश में (जुलाई-जून वार्षिक अवधि के बीच) श्रम शक्ति सर्वेक्षण, यह जानने के लिए किया जाता है कि भारत के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी एवं रोजगार की कैसी स्थिति है। हाल ही में जुलाई 2022 से जून 2023 की अवधि के बीच यह सर्वेक्षण कार्य सम्पन्न हुआ है। इस सम्बंध में जारी किए गए प्रतिवेदन में भारत में रोजगार की स्थिति के बारे में कई अच्छे तथ्य उभरकर सामने आए हैं। भारत में 15 वर्ष एवं इससे अधिक की आयु वाले नागरिकों के बीच श्रम शक्ति भागीदारी की दर (**Labour Force Participation Rate**) में लगातार अतुलनीय रूप से सुधार हो रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में श्रम शक्ति भागीदारी की दर वर्ष 2017-18 में 50.7 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 60.8 प्रतिशत हो गई है, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह वर्ष 2017-18 में 47.6 प्रतिशत से बढ़कर 50.4 प्रतिशत हो गई है। इसी प्रकार, पुरुषों में यह दर वर्ष 2017-18 में 75.8 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 78.5 प्रतिशत एवं महिलाओं में यह दर वर्ष 2017-18 में 23.3 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 37 प्रतिशत हो गई है।

इसी प्रकार, भारत में 15 वर्ष एवं अधिक की आयु के नागरिकों के बीच कर्मचारी जनसंख्या अनुपात (**Worker Population Ratio**) में भी अतुलनीय सुधार दृष्टिगोचर है। भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में कर्मचारी जनसंख्या अनुपात वर्ष 2017-18 के 48.1 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 59.4 प्रतिशत हो गया है, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह अनुपात वर्ष 2017-18 के 43.9 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 47.7 प्रतिशत हो गया है। पुरुषों के बीच यह अनुपात वर्ष 2017-18 के 71.2 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 76 प्रतिशत हो गया है और महिलाओं में यह अनुपात वर्ष 2017-18 के 22 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 35.9 प्रतिशत हो गया है। जब देश में श्रम शक्ति भागीदारी की दर एवं कर्मचारी जनसंख्या अनुपात में लगातार सुधार दिखाई दे रहा है तो स्वाभाविक रूप से भारत में बेरोजगारी की दर में भी कमी दृष्टिगोचर हो रही है। उक्त सर्वेक्षण के अनुसार भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी की दर वर्ष 2017-18 में 5.3 प्रतिशत थी जो वर्ष 2022-23 में घटकर 2.4 प्रतिशत रह गई है। वहीं शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी की दर वर्ष 2017-18 के 7.7 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2022-23 में 5.4 प्रतिशत पर आ गई है। पुरुषों के बीच बेरोजगारी की दर वर्ष 2017-18 के 6.1 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2022-23 में 3.3 प्रतिशत हो गई है तो वहीं महिलाओं के बीच बेरोजगारी की दर वर्ष 2017-18 के 5.6 प्रतिशत से वर्ष 2022-23 में घटकर 2.9 प्रतिशत हो गई है। भारत में आज भी 60 प्रतिशत से अधिक आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है। अतः ग्रामीण क्षेत्रों में यदि रोजगार के नए अवसर अधिक मात्रा में निर्मित हो रहे हैं तो यह एक बहुत अच्छा सुधार है। इसी प्रकार, भारत में पुरुषों के बीच यदि बेरोजगारी की दर काफी कम हो रही है तो भारतीय महिलाओं को श्रम बाजार में उतरना ही होगा, और ऐसा होता दिखाई भी दे रहा है, अतः यह भी एक उत्तम सुधार है। भारत में महिला शक्ति यदि श्रम बाजार में उतरती है तो भारत में मजदूरी की दरों को भी संतुलित रखा जा सकता है जिससे उत्पादों की लागत में तेज वृद्धि को रोका जा सकेगा और भारत में निर्मित उत्पाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लम्बे समत तक प्रतिस्पर्धी बने रह सकेंगे।

भारत में रोजगार के अवसरों में हो रही तेज वृद्धि को देखकर दुनिया हैरान है

भारत में अगस्त 2023 माह में 46.21 करोड़ नागरिकों को रोजगार मिला हुआ था जबकि अगस्त 2022 में 43.02 करोड़ नागरिकों को ही रोजगार प्राप्त था, इस प्रकार एक वर्ष के दौरान 3.19 करोड़ नागरिकों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है।

प्रहलाद सबनानी

भारतीय सनातन संस्कृति का पालन करते हुए भारत आज आर्थिक प्रगति के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। आज भारतीय अर्थव्यवस्था पूरे विश्व की लगभग सभी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे तेज गति से प्रगति करने वाली अर्थव्यवस्था बन गई है। भारतीय सनातन संस्कृति के बारे में विवेचन करते हुए, भारत में रचित वेद, पुराण एवं परम्पराओं के अनुसार, राजा का यह कर्तव्य माना गया है कि उसके राज्य में निवास कर रही प्रजा में प्रत्येक नागरिक को रोजगार उपलब्ध हो, राजा ऐसी व्यवस्था करे। जब तक भारतीय सनातन संस्कृति का भारत में पालन होता रहा, तब तक लगभग समस्त नागरिकों को रोजगार उपलब्ध होता रहा। प्राचीन भारत में विशेष रूप से गांवों में ही रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध रहते थे एवं शहरों की ओर पलायन भी बहुत कम होता था। बेरोजगारी की समस्या के बारे में तो भारत के प्राचीन शास्त्रों में वर्णन ही नहीं मिलता है। समस्त नागरिकों को रोजगार उपलब्ध रहता था एवं वे अपने परिवार के समस्त सदस्यों का भरण पोषण करने में सक्षम रहते थे एवं परिवार के समस्त सदस्यों के साथ प्रसन्नत्ता एवं उत्साह के साथ रहते थे। जबकि आज की परिस्थितियों के बीच, वैश्विक स्तर पर, बेरोजगारी की समस्या एक प्रमुख समस्या के रूप में उभर रही है। भारतीय सनातन संस्कृति का पालन करते हुए भारत आज आर्थिक प्रगति के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। आज भारतीय अर्थव्यवस्था पूरे विश्व की लगभग सभी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे तेज गति से प्रगति करने वाली अर्थव्यवस्था बन गई है। वर्ष 2014 में भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व में 10वें स्थान पर थी जो आज 5वें स्थान पर पहुंच गई है एवं भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रगति को देखते हुए अब उम्मीद की जा रही है कि वर्ष 2027-28 के पूर्व भारत की अर्थव्यवस्था 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगी एवं यह अमेरिका एवं चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन जाएगी। भारत में केंद्र सरकार द्वारा लगातार यह प्रयास किया जा रहा है कि न केवल देश की अर्थव्यवस्था तेज गति से आगे बढ़े बल्कि भारत में युवाओं के लिए अधिक से अधिक रोजगार के नए अवसर निर्मित हों। इस दृष्टि से भारत में अब अच्छी खबर आई है। भारत में अगस्त 2023 माह में 46.21 करोड़ नागरिकों को रोजगार मिला हुआ था जबकि अगस्त 2022 में 43.02 करोड़ नागरिकों को ही रोजगार प्राप्त था, इस प्रकार एक वर्ष के दौरान 3.19 करोड़ नागरिकों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है। केंद्र सरकार के राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय द्वारा वर्ष 2017 के बाद से प्रतिवर्ष देश में (जुलाई-जून वार्षिक अवधि के बीच) श्रम शक्ति सर्वेक्षण, यह जानने के लिए किया जाता है कि भारत के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी एवं रोजगार की कैसी स्थिति है। हाल ही में जुलाई 2022 से जून 2023 की अवधि के बीच यह सर्वेक्षण कार्य सम्पन्न हुआ है। इस सम्बंध में जारी किए गए प्रतिवेदन में भारत में रोजगार की स्थिति के बारे में कई अच्छे तथ्य उभरकर सामने आए हैं।

भारत में 15 वर्ष एवं इससे अधिक की आयु वाले नागरिकों के बीच श्रम शक्ति भागीदारी की दर (**Labour Force Participation Rate**) में लगातार अतुलनीय रूप से सुधार हो रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में श्रम शक्ति भागीदारी की दर वर्ष 2017-18 में 50.7 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 60.8 प्रतिशत हो गई है, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह वर्ष 2017-18 में 47.6 प्रतिशत से बढ़कर 50.4 प्रतिशत हो गई है। इसी प्रकार, पुरुषों में यह दर वर्ष 2017-18 में 75.8 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 78.5 प्रतिशत एवं महिलाओं में यह दर वर्ष 2017-18 में 23.3 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 37 प्रतिशत हो गई है। इसी प्रकार, भारत में 15 वर्ष एवं अधिक की आयु के नागरिकों के बीच कर्मचारी जनसंख्या अनुपात (**Worker Population Ratio**) में भी अतुलनीय सुधार दृष्टिगोचर है। भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में कर्मचारी जनसंख्या अनुपात वर्ष 2017-18 के 48.1 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 59.4 प्रतिशत हो गया है, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह अनुपात वर्ष 2017-18 के 43.9 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 47.7 प्रतिशत हो गया है। पुरुषों के बीच यह अनुपात वर्ष 2017-18 के 71.2 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 76 प्रतिशत हो गया है और महिलाओं में यह अनुपात वर्ष 2017-18 के 22 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 35.9 प्रतिशत हो गया है। जब देश में श्रम शक्ति भागीदारी की दर एवं कर्मचारी जनसंख्या अनुपात में लगातार सुधार दिखाई दे रहा है तो स्वाभाविक रूप से भारत में बेरोजगारी की दर में भी कमी दृष्टिगोचर हो रही है। उक्त सर्वेक्षण के अनुसार भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी की दर वर्ष 2017-18 में 5.3 प्रतिशत थी जो वर्ष 2022-23 में घटकर 2.4 प्रतिशत रह गई है। वहीं शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी की दर वर्ष 2017-18 के 7.7 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2022-23 में 5.4 प्रतिशत पर आ गई है। पुरुषों के बीच बेरोजगारी की दर वर्ष 2017-18 के 6.1 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2022-23 में 3.3 प्रतिशत हो गई है तो वहीं महिलाओं के बीच बेरोजगारी की दर वर्ष 2017-18 के 5.6 प्रतिशत से वर्ष 2022-23 में घटकर 2.9 प्रतिशत हो गई है। भारत में आज भी 60 प्रतिशत से अधिक आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है। अतः ग्रामीण क्षेत्रों में यदि रोजगार के नए अवसर अधिक मात्रा में निर्मित हो रहे हैं तो यह एक बहुत अच्छा सुधार है। इसी प्रकार, भारत में पुरुषों के बीच यदि बेरोजगारी की दर काफी कम हो रही है तो भारतीय महिलाओं को श्रम बाजार में उतरना ही होगा और ऐसा होता दिखाई भी दे रहा है, अतः यह भी एक उत्तम सुधार है। भारत में महिला शक्ति यदि श्रम बाजार में उतरती है तो भारत में मजदूरी की दरों को भी संतुलित रखा जा सकता है जिससे उत्पादों की लागत में तेज वृद्धि को रोका जा सकेगा और भारत में निर्मित उत्पाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लम्बे समत तक प्रतिस्पर्धी बने रह सकेंगे।

क्या यूक्रेन की तरह इजरायल को भी अकेला छोड़ने जा रहा है अमेरिका

संतोष पाठक

यह बात सही है कि निर्दोष नागरिकों को मारने की कार्रवाई को कतई जायज नहीं ठहराया जा सकता लेकिन जब एक आतंकी संगठन उन नागरिकों को ढाल की तरह इस्तेमाल कर आतंकी हमला करें तो फिर संयुक्त राष्ट्र को नसीहत देने की बजाय कार्रवाई करना चाहिए। कुख्यात आतंकवादी संगठन हमास के खतरनाक आतंकी हमले के बाद इजरायल ने हमास के खिलाफ जंग का ऐलान कर दिया है। इजरायल हर तरीके से हमास को खत्म करने पर तुला हुआ है। इजरायल की तरफ से की जा रही भीषण जवाबी कार्रवाई के दौरान फिलिस्तीन के कुछ निर्दोष नागरिक भी मारे गए हैं और इसी के साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक बार फिर से मानवाधिकार का मुद्दा गरमाता हुआ नजर आ रहा है।

हालांकि, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सोमवार रात गाजा में जारी हिंसा पर लाए गए रूस का प्रस्ताव जिसमें गाजा में आम नागरिकों के खिलाफ हो रही हिंसा की निंदा करते हुए युद्धविराम की मांग की गई थी को खारिज कर दिया गया। रूस द्वारा एक तरह से इजरायल के खिलाफ लाए गए प्रस्ताव को 15 सदस्यों वाली सुरक्षा परिषद में पास होने के लिए 9 वोटों की जरूरत थी लेकिन प्रस्ताव के समर्थन में सिर्फ चार देशों ने ही वोट दिया, वहीं चार देशों ने इसके खिलाफ भी वोट दिया। रूस के प्रस्ताव में आतंकी संगठन हमास या उसके द्वारा इजरायली नागरिकों पर किए गए बर्बर आतंकी हमलों का कोई जिक्र नहीं था। दरअसल, गाजा में हमास को खत्म करने के लिए की जा रही इजरायली कार्रवाई को लेकर चीन और रूस के अलावा कई अरब देश तो सवाल उठा ही रहे हैं लेकिन संयुक्त राष्ट्र और विश्व स्वास्थ्य संगठन के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भी जिस अंदाज में इजरायल को नसीहत दी है, उससे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई सवाल भी खड़े हो रहे हैं। वैसे तो अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन हमास के हमले के खिलाफ इजरायल की जनता के प्रति अपना समर्थन जताने के लिए बुधवार को इजरायल के दौरे पर भी जा रहे हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकन और अमेरिकी राष्ट्रपति के कार्यालय ने आधिकारिक तौर पर राष्ट्रपति बाइडेन की इजरायल यात्रा की खबर पर मुहर लगा दी है।

लेकिन यह हमेशा से ही कहा जाता रहा है कि अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति में जैसा दिखता है, वैसा हर बार होता नहीं है। अपने साथियों को अलग-थलग छोड़ने,आतंकी संगठन को नजरअंदाज करने या फिर व्यापारिक फायदे के लिए किसी कुख्यात संगठन या देश का साथ देने के मामले में अमेरिका का ट्रैक रिकॉर्ड हमेशा से ही खराब रहा है। इसलिए अमेरिका के रुख को समझने के लिए हमें तीन तथ्यों पर गौर जरूर करना चाहिए। पहला- अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के निमंत्रण पर इजरायल जा रहे हैं। दूसरा- बाइडेन रूस-यूक्रेन की लड़ाई के बीच यूक्रेन जाकर भी रूस को सबक सिखाने की बात कर चुके हैं लेकिन यूक्रेन आज भी रूस जैसी महाशक्ति से अकेले लड़ रहा है और तबाह भी हो रहा है। तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण तथ्य तो यह है कि अमेरिका जैसा देश भी इजरायल को मानवाधिकार का पाठ पढ़ा रहा है। उस इजरायल को जिसके सैंकड़ों नागरिक हमास के आतंकी हमले का शिकार हुए और जिसके 200 से ज्यादा नागरिकों को हमास ने अभी भी बंधक बनाया हुआ है। अब तक हर कीमत पर इजरायल के साथ खड़े नजर आने वाले अमेरिका के सुर भी इस बार बदले बदले से नजर आ रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इजरायल को नसीहत देते हुए बयान दिया कि हमास का पूरी तरह से खात्मा होना जरूरी है लेकिन इसके साथ ही फिलिस्तीन राज्य का रास्ता भी साफ होना चाहिए। बाइडेन ने कहा कि इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि इजरायल पर हमास के आतंकी हमलों से फिलिस्तीन के ज्यादातर लोगों को कोई लेना-देना नहीं था लेकिन वे इस हमले के परिणाम को झेल रहे हैं। उन्होंने तो यहां तक उम्मीद जता दी कि इजरायल इस लड़ाई में युद्ध के नियमों के तहत ही कार्रवाई करेगा यानी आतंकी संगठन से लड़ने में भी युद्ध के नियम का पालन ? यह बात सही है कि निर्दोष नागरिकों को मारने की कार्रवाई को कतई जायज नहीं ठहराया जा सकता लेकिन जब एक आतंकी संगठन उन नागरिकों को ढाल की तरह इस्तेमाल कर आतंकी हमला करें तो फिर संयुक्त राष्ट्र को नसीहत देने की बजाय कार्रवाई करना चाहिए। लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति के बयान के बाद अब इजरायल के लिए यह सोचने वाला मुद्दा तो बन ही गया है कि क्या अपने व्यापारिक हितों या बदल रहे वर्ल्ड आर्डर में अपनी भूमिका को सुरक्षित रखने के स्वार्थ से ग्रस्त अमेरिका उसे भी तो गच्चा देने नहीं जा रहा है। यूक्रेन का ताजा-ताजा उदाहरण तो सबके सामने है ही।

किसानों और वंचितों की आवाज़ बन रहे है हरीश रावत

डॉ. श्रीगोपाल नारसन

उत्तराखंड में तो अभी विधानसभा चुनाव दूर है,लेकिन निकाय चुनाव व अगले साल राज्य की 5 सीटों पर लोकसभा चुनाव को देखते हुए राजनीतिक दल व राज्य के शीर्ष नेता सक्रिय नज़र आ रहे है।पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत जनमुद्दों को लेकर लगातार सरकार से लोहा ले रहे है।एक के बाद के कार्यक्रम आयोजित कर वे न स्वयं घर बैठ रहे है और न ही अपने कार्यकर्ताओं को घर बैठने दे रहे है।तभी तो पहाड हो या मैदान ,शहर हो या गांव ,घर हो या चौपाल ,शायद ही ऐसी कोई जगह हो, जहां पूर्व मुख्यमन्त्री हरीश रावत का कोई न कोई कार्यकर्ता मौजूद न हो। प्रत्येक कार्यकर्ता के दुःख -सुख के साथी हरीश रावत की एक बडी विशेषता यह है कि उन्हे अपने हर कार्यकर्ता का नाम व चेहरा याद रहता है। किस कार्यकर्ता से उन्हें क्या काम लेना है ,कैसे काम लेना है और उन्हें क्या सम्मान देना है ,यह भी हरीश रावत को बखूबी आता है। मुख्यमन्त्री पद पर रहते हुए भी और मुख्यमंत्री की कुर्सी से उतरने के बाद भी वे अपने कार्यकर्ताओ वही मान सम्मान देते रहे है जो पहले से देते आए है। छोटे से छोटे कार्यकर्ता की बात और उन्हें सम्मान देने में माहिर हरीश रावत को अपने कार्यकर्ताओं के बीच रहकर कुछ विशेष ही उर्जा मिलती है। तभी तो उनके कार्यकाल में मुख्यमन्त्री आवास रहा हो या उनकी कोई जनसभा या फिर उनका अन्य कोई कार्यक्रम ,जब तक कार्यकर्ताओं से वे घिरे न हो तब तक उन्हे आनन्द की अनुभूति नही होती। यंकर्ताओ से कंधे से कंधा मिलाकर चलना उन्हें अच्छा लगता है। अपने छोटे से छोटे घरेलु कार्यक्रमों में भी वे अपने आम और खास कार्यकर्ताओं को आमन्त्रित करना नही भूलते, वही यह भी कौशिश करते है कि वे सभी कार्यकर्ताओं के यहां भी उनके सुख दुःख के अवसरो पर अवश्य जाएं। उनके इसी गुण व सरल स्वभाव के कारण उनके कार्यकर्ता उनके लिए उनके विरोधियों से भी भिड जाते है और हरीश रावत के पैरोकार की भूमिका निभाते है। हालांकि हरीश रावत को कई बार चुनावी असफलताए भी झेलनी पडी परन्तु न तो हरीश रावत का और न ही उनके कार्यकर्ताओं का कभी मनोबल कम हुआ है।आज भी ऐसे कई कार्यकर्ता है ,जिन्हे हरीश रावत सरकार बन जाने पर भी कुछ नही दे पाए,लेकिन न तो हरीश रावत यह बात भूलते है और न ही उनके वे कार्यकर्ता उनसे रूठते है। बल्कि आमजन के बीच जाकर हरीश रावत सरकार के समय की उपलब्धियों को गिनाना नही भूलते। पहाड के सरंक्षण, संवर्धन और विकास के लिए उत्तराखण्ड राज्य की जो विकास परिकल्पना की गई थी वह विकास परिकल्पना अभी तक अधूरी है। अपने शासनकाल में राज्य के समग्र विकास के साथ चार धाम यात्रा,अमरनाथ यात्रा और मानसरोवर यात्रा के माध्यम से पहाड पर रह रहे लोगो की रोजी रोटी के साधन बनाने में जुटे रहे हरीश रावत ने पर्वतीय क्षेत्र को प्राकृतिक आपदा से बचाने के लिए भी नई कार्ययोजना तैयार की थी। जिसके तहत भूस्खलन एवं भूकम्प से होने वाले नुकसान को बचाना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल था। राज्य को विकास व उपलब्धियो के रास्ते पर ले चलने में कामयाब हो जाने पर भी हरीश रावत को पिछले चुनाव में जीत नही मिल सकी थी।जिसके पीछे आम जनता तक पहुंच बनाकर आम जनता को कांग्रेस व सरकार की उपलब्धिया न बताने से जीत के लक्ष्य को प्राप्त करने में कांग्रेस विफल रही थी। उत्तराखण्ड की राजनीति में कांग्रेस के वर्चस्व को बनाये रखने और मिशन 2024 को फतेह करने के लिए कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा और पूर्व मुख्यमन्त्री हरीश रावत एक साथ होकर चल रहे है। वे चाहते है कि पहाड व मैदान के विकास कार्यो में कोई ठहराव न आने पाए। जिस पहाड और मैदान की संस्कृति तथा उसके भोलेपन पर सारी दुनिया फिदा है ,उसके महत्व को हरीश रावत ने बखूबी समझा है। पहाड की हरियाली ,उसकी खूबसूरती, उसकी जडी बूटी व पहाड़ी व मैदानी व्यंजनों जैसी विरासत को बचाने के लिए हरीश रावत हमेशा सक्रिय रहे है। पूर्व मुख्यमन्त्री हरीश रावत की सोच है कि पहाडी क्षेत्रो मे रहकर पहाड की सास्ंक्रतिक विरासत को जिन्दा रखा जाए क्योकि जब तक पहाड को अपनी आत्मा समझकर हम पहाड को सरंक्षित करने की पहल नही करेगे जब तक पहाड की मजबूती और सुन्दरता के लिय पहाड पर नये वृक्षो का रोपण नही करेगे जब तक विकास के नाम पर बारूद से पहाड तोडने के लिय विस्फोट करना बन्द नही करेगे जब तक पहाड मे आत्म स्वावलम्बन के लिय रोजगार का सृजन नही करेगे तब तक पहाड को बचा पाना मुश्किल ही रहेगा ।इसके लिए आम जनमानस की एकजुटता, सगंठन शक्ति, उत्साह ,जोश और स्फूर्ति की आवश्यकता है जो कभी नये राज्य की मॉग को लेकर पैदा हुई थी ।शायद पहाड की रक्षा और स्वयं के स्वाभिमान को बचाने के लिए लोगो को परेशानी भी उठानी पडे, लेकिन पहाड की खुशहाली लौटाने के लिए यह जरूरी भी है। तभी पहाड का भोलापन ,उसकी महक व संस्कृति बची रह सकती है। इन सब मुद्दों के साथ हरीश रावत वर्तमान में हरिद्वार जिले में बाढ़ विपदा से आहत किसानों को उनका मुआवजा बढ़वाने की लड़ाई लड़ रहे है।वे किसानों के लिए घोषित 11 सौ रुपए प्रतिबिघा मुआवजे को बहुत कम बताते हुए चाहते है कि मुआवजा बढाकर 10 हजार रुपये बीघा किया जाए।वही किसानों के गन्ना बकाया मूल्य भुगतान ,नया गन्ना मूल्य 425 रुपये प्रति कुंतल करने व सड़को को गड्ढा मुक्त करने की आवाज़ उठा रहे है।उन्हें अफ़सोस है कि एक तरफ उत्तराखंड के मुख्यमंत्री राज्य में निवेशकों को बुलाने के लिए समिट आयोजित कर रहे है ,वही राज्य के 375 उद्योग बंद हो चुके है,जो दुर्भाग्यपूर्ण है।बहरहाल हरीश रावत किसानों व वंचितों को उनका हक दिलाने के लिए कांग्रेस किसान सम्मान यात्राएं निकाल रहे है।जो उनकी लोकप्रियता को भी बढ़ा रहा है।

यूपी में सपा और कांग्रेस की लड़ाई इंडिया गठबंधन की असलियत को उजागर कर रही है

अजय कुमार

कांग्रेस नेता उत्तर प्रदेश में लोकसभा की सभी 80 सीटों पर चुनाव लड़ने का दावा करते आए हैं। वहीं सपा कांग्रेस के पाले में 15 से 20 सीट ही जाने देना चाहती है। दोनों ही दलों के नेता सीटों के बंटवारे को लेकर एक-दूसरे पर दबाव भी बनाते नजर आए हैं। हिंदी शासित राज्यों- मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में होने वाले विधानसभा चुनाव में सीटों के बंटवारे को लेकर सपा-कांग्रेस के बीच रार उनके नेताओं में दूरियां भी बढ़ा रही हैं। जिसके चलते विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए में दरार बढ़ रही है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के विवादित बयान इस मनमुटाव में आग में घी डालने का काम कर रहे हैं। वह लगातार अखिलेश यादव को नसीहत दे रहे हैं, जो सपा नेताओं को राज नहीं आ रहा है। इसी क्रम में अब उन्होंने मध्य प्रदेश में सीटों के बंटवारे पर सपा नेताओं का फिर बड़ा दिल दिखाने का सुझाव दिया है। अजय राय का कहना है कि उत्तर प्रदेश से बाहर सपा को मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों में अपना आधार भी देखना चाहिए। मध्य प्रदेश में पिछले विधानसभा चुनाव में सपा को केवल एक सीट मिली थी। इससे पार्टी को अपनी जमीनी स्थिति को भी समझना चाहिए। अजय राय ने कहा कि उत्तराखंड की बागेश्वर सीट पर हुए विधानसभा के उपचुनाव में भी सपा ने अपना प्रत्याशी उतारा था, जिसका नुकसान कांग्रेस प्रत्याशी को उठाना पड़ा था। इसके बाद भी कांग्रेस ने बड़ा दिल दिखाया था। प्रदेश में घोसी सीट पर विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस ने बढ़कर सपा प्रत्याशी को समर्थन दिया था और कांग्रेस नेताओं ने घोसी जाकर प्रचार किया था। पांच राज्यों में होने जा रहे विधानसभा चुनाव में सपा को सभी जगह पहले अपना आधार देखना चाहिए। हालांकि आने वाले लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में सीटों के बंटवारे पर राय ने प्रतिक्रिया नहीं दी, लेकिन हकीकत यह भी है कि उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव में सपा व कांग्रेस के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर भी खींचतान के संकेत मिलते रहे हैं।

कांग्रेस नेता सभी 80 सीटों पर चुनाव लड़ने का दावा करते आए हैं। वहीं सपा कांग्रेस के पाले में 15 से 20 सीट ही जाने देना चाहती है। दोनों ही दलों के नेता सीटों के बंटवारे को लेकर एक-दूसरे पर दबाव भी बनाते नजर आए हैं। इसी कड़ी में संसद में भाजपा सांसद द्वारा बसपा सांसद दानिश अली पर की गई गंभीर टिप्पणी के बाद पहले राहुल गांधी और फिर अजय राय ने दिल्ली में दानिश अली से मुलाकात की थी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सक्रिय मुस्लिम नेता व पूर्व विधायक इमरान मसूद को भी कांग्रेस ने घर वापसी कराई। इसके बाद राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) के कद्दावर नेता रहे नवाब कोकब हमीद के बेटे नवाब अहमद हमीद और सपा नेता व पूर्व मंत्री ओमवीर तोमर भी कांग्रेस में शामिल हुए। कांग्रेस मुस्लिम नेताओं में अपनी पैठ बढ़ाकर सपा पर दबाव बनाती दिख रही है। ऐसे में उत्तर प्रदेश में आने वाले दिनों में दोनों दलों के नेताओं के बीच खींचतान बढ़ने की संभावनाएं भी तेज होती जा रही हैं। उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की जिद के कारण %खतरे का निशान% पार करता दिख रहा है। जो पार्टी जहां मजबूत है वह वहां दूसरे को नीचा दिखाने लगी है। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस गठबंधन सहयोगी समाजवादी पार्टी को भाव नहीं दे रही है तो उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी अपने नेतृत्व में चुनाव लड़े जाने की बात कर रही है। दोनों के बीच सीटों के बंटवारे पर बार-बार मनमुटाव उजागर हो रहा है। यूपी में कांग्रेस करीब दो दर्जन सीटों पर अपनी दावेदारी ठोक रही है तो वहीं समाजवादी पार्टी का कहना है कि वह दावेदारी ना ठोके यह बताए कि कितने सीटों पर चुनाव जीत सकते हैं। पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव में जिस तरह की खटास सपा और कांग्रेस के बीच देखी जा रही है उसका असर अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव में भी पड़ना तय नजर आ रहा है क्योंकि यूपी में समाजवादी पार्टी अपने को अपर हैंड मानती है और कांग्रेस को चार-पांच सीटों से ज्यादा देने को तैयार नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

मासूम से दुष्कर्म के मामले में 55 घंटे में आरोप पत्र दाखिल

बाराबंकी। देवा कोतवाली क्षेत्र में बच्ची से दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने केवल 55 घंटे के अंदर विवेचना पूरी कर ली और आरोप पत्र भी न्यायालय को भेज दिया। पुलिस ने इस केस को ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत चिह्नित कर आरोपी को जल्द से जल्द सजा दिलाने कर पैरवी भी शुरू कर दी है। 14 सितंबर की शाम देवा कोतवाली क्षेत्र में छह वर्षीय बच्ची को दुकान पर सामान दिलाने के बहाने गांव का सत्यनाम गौतम उर्फ छंगा गांव के बाहर ले गया था। बच्ची के साथ दुष्कर्म कर उसे गंभीर हालत में छोड़कर भाग गया था। तीन घंटे बाद सूचना मिली तो पुलिस ने आरोपी को रात में ही दबोच लिया था। एसपी दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद बच्ची के बयान अदालत में दर्ज कराए थे। वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने 55 घंटे के अंदर विवेचना पूरी करने के बाद मंगलवार को अदालत में आरोप पत्र दाखिल कर दिया। मॉनीटरिंग सेल को पैरवी में लगाया गया है, ताकि आरोपी को जल्द सजा मिल सके।

सतर्क रहें अभिभावक

सीओ सिटी डॉ. बीनू सिंह ने बताया कि मासूम से दुष्कर्म करने वाला युवक बच्ची के घर आता-जाता था। परिजनों को अहसास ही नहीं हो सका कि वह भी ऐसा कृत्य कर सकता है। इसलिए अभिभावकों को भी सतर्क रहने की जरूरत है। ऐसे मामलों में पुलिस को सूचना देने में जरा भी लापरवाही मत करें।

मुंडेरवा में अतिक्रमण हटाने पर पुलिस से उलझा व्यवसायी

बस्ती। त्योहारों की गहमागहमी के बीच यातायात में बाधा बन रहे मुंडेरवा कस्बे की पटरियों पर फैला अतिक्रमण पुलिस बुधवार को खाली करा रही थी। इस दौरान शुगर मिल चौराहे पर एक फल कारोबारी अतिक्रमण हटाने का विरोध करते हुए पुलिस से उलझने लगा। बात बढ़ते देख पुलिस टीम ने व्यवसायी पप्पू और उसकी पत्नी बिंदु को हिरासत में ले लिया। एसएचओ राम कृष्ण मिश्र ने बताया कि दोनों के खिलाफ केस दर्ज कर न्यायालय भेजा गया है। जानकारी के अनुसार, मुंडेरवा कस्बे में सड़क तक अतिक्रमण फैलने की वजह से गोरखपुर व बस्ती की तरफ जाने वाली परिवहन निगम की बसें, एंबुलेंस व अन्य निजी वाहनों को दिक्कत होती है। कई बार जाम की स्थिति पैदा हो जाती है। कई रोडवेज की बसें गोदमवा मोड़ से मुड़ कर हाईवे पर चली जाती थीं। यात्रियों की शिकायत थी कि बसों के रास्ता बदलने की वजह से उन्हें दो किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है। इसकी सबसे बड़ी वजह थी कि पटरियों पर सड़क तक दुकानें लगी रहती हैं। नगर पंचायत अध्यक्ष और पुलिस से लगातार शिकायतों को संज्ञान में लेकर प्रभारी निरीक्षक टीम लेकर शुगर मिल चौराहे पर अतिक्रमण हटवाने पहुंचे। वहां काफी दिनों से फल की दुकान लगाने वाले पप्पू और उसकी पत्नी बिंदु पुलिस के साथ अभद्रता करने लगीं। इस दौरान एसएसआइ कन्हैया पांडेय, एसआइ अहमद उपनिरीक्षक, सिपाही विजय प्रकाश राय , अमित यादव , मुकेश सहनी , राकेश सहित अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

साढ़े 10 लाख गबन की आरोपी पूर्व प्रधान को एसटीएफ ने किया गिरफ्तार, कई महीनों से थी तलाश

बस्ती। विजय लक्ष्मी चौधरी ने वित्तीय वर्ष 2018-19 में ग्राम प्रधान रहते हुए संपूर्ण स्वच्छता अभियान के तहत साढ़े 10 लाख रुपये का गबन किया। शिकायत पर जांच में आरोपों की पुष्टि होने के बाद 19 जनवरी को वाल्टरगंज थाने में एडीओ पंचायत ने तत्कालीन ग्राम प्रधान, पंचायत सचिव, मनरेगा तकनीकी सहायक, ग्राम विकास अधिकारी सहित पांच आरोपियों पर केस दर्ज कराया था। यूपी एसटीएफ की टीम ने बस्ती जिले में सल्टौआ ब्लाक के पोखर भिटवा ग्राम पंचायत की पूर्व प्रधान विजय लक्ष्मी चौधरी को वाल्टरगंज पुलिस के साथ बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया। उस पर 25 हजार रुपये पुरस्कार घोषित था। आरोप है कि विजय लक्ष्मी चौधरी ने वित्तीय वर्ष 2018-19 में ग्राम प्रधान रहते हुए संपूर्ण स्वच्छता अभियान के तहत साढ़े 10 लाख रुपये का गबन किया। शिकायत पर जांच में आरोपों की पुष्टि होने के बाद 19 जनवरी को वाल्टरगंज थाने में एडीओ पंचायत ने तत्कालीन ग्राम प्रधान, पंचायत सचिव, मनरेगा तकनीकी सहायक, ग्राम विकास अधिकारी सहित पांच आरोपियों पर केस दर्ज कराया था। इस केस में फर्जी अभिलेख तैयार कर गलत भुगतान के दोषी ग्राम विकास अधिकारी राजन चौधरी को एक मार्च को ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

सुबह निकल रही प्रभातफेरी, दिनभर हो रहा संपर्क

बस्ती। सनातन धर्म संस्था की ओर से 26 अक्टूबर से 4 नवंबर आयोजित श्री रामलीला महोत्सव को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई है। प्रतिदिन सुबह 5 से 7 बजे तक मोहल्लों और कालोनियों में प्रभातफेरी निकाली जा रही है। बुधवार को महरीखावां, सिविल लाइंस व पुराना डाक खाना क्षेत्र में प्रचार टोलियां भगवा पताके के साथ घर-घर पहुंचीं। इस दौरान सनातनधर्मियों को श्री रामलीला में पहुंचने के लिए आमंत्रित किया गया। प्रभातफेरी के दौरान प्रभु श्री राम जी की वंदना स्वर गूंज रहे हैं। अनुराग शुक्ल ने बताया कि तीन दिनों से लगातार प्रभातफेरी का आयोजन किया जा रहा है। इसमें केसरिया पताका के साथ रामभक्त जय श्रीराम का उद्घोष करते डोर-टू-डोर संपर्क कर रहे हैं। आम जन को निमंत्रण के साथ पत्रक वितरण किया जा रहा है। लोगों के घरों पर श्री रामलीला महोत्सव का स्टीकर भी लगाया जा रहा है। प्रभातफेरी में स्थानीय लोगों को भी शामिल किया जा रहा है। अगले दिन यह प्रभात फेरी आवास विकास मुहल्ले में प्रस्तावित है। इस मौके पर पंकज, कवीश अबरोल, भोलानाथ चौधरी, जय प्रकाश यादव, सुनील, अखिलेश दुबे, महेंद्र यादव आदि मौजूद रहे। संवाद

सम्मानित हुईं रक्तदान करने वाली संस्थाएं

बस्ती। जिला अस्पताल में स्वैच्छिक रक्तदान करने वाली संस्थाओं को जिला अस्पताल प्रशासन ने सम्मानित किया। धनवंतरि सभागार में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रमुख अधीक्षक जिला चिकित्सालय डॉ. सुरेश कुमार कौशल ने रक्तदान करने वाली 23 संस्थाओं के प्रमुखों को प्रशस्तिपत्र व पदक देकर सम्मानित किया। एसआईसी डॉ. कौशल ने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है। क्योंकि खून का कोई विकल्प अब तक नहीं बन सका है। ऐसे में रक्तदान के माध्यम से समाज इसका लाभ पा रहा है। संस्थाओं की ओर से किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए एसआईसी ने सहयोग जारी रखने की अपील की।

मिशन शक्ति के तहत पुलिस ने कराई खेलकूद प्रतियोगिता, बेटियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया

आगरा। मथुरा के टैंटीगांव स्थित बृज स्थली एकेडमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में सुरीर पुलिस के सौजन्य से बालिकाओं की खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ सीओ मांट रविकांत पाराशर व विद्यालय के प्रबंधक डॉ. कुलदीप लवानिया ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया गया। विद्यालय की छात्राओं ने कबड्डी, खो-खो, साइकिल रेस, लंबी कूद आदि खेल प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीमों को पुरस्कार वितरित किए गए। सीओ मांट रविकांत पाराशर व प्रभारी निरीक्षक नरेन्द्र यादव ने विद्यालय की छात्राओं को मिशन शक्ति के तहत सशक्तिकरण नारी सुरक्षा, नारी स्वावलंबन, नारी सम्मान और नारी गरिमा की जानकारी दी।

इस दौरान प्रभारी निरीक्षक नरेन्द्र यादव, महिला कांस्टेबल मोनी के साथ विद्यालय प्रबंधक डॉ. कुलदीप लवानियां, प्रधानाचार्य बीडी शर्मा, स्नेहलता रावत, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि प्रदीप लवानियां, प्रमोद लवानियां, कृष्ण मुरारी आदि मौजूद रहे।

शोहदों की गंदी हरकतें- 10वीं की छात्रा ने छोड़ा स्कूल, मां के साथ पहुंची थाने

आगरा। शोहदों की हरकतों से तंग आई 10वीं की छात्रा ने स्कूल जाना छोड़ दिया। मां के साथ छात्रा थाने पहुंची और बताया कि शोहदे उसे आते-जाते परेशान करते हैं। उसका रास्ते में हाथ भी पकड़ा, जिससे वो दहशत में है। आगरा के बाह में शोहदों की हरकतों से तंग आई 10वीं की छात्रा ने स्कूल जाना बंद कर दिया है। पढ़ाई को लेकर परेशान छात्रा अपनी मां के संग थाने पहुंची। पीड़िता ने पुलिस से कार्रवाई की गुहार लगाई है। बाह के एक गांव की किशोरी 10वीं की पढ़ाई कर रही है।

एक महीने से स्कूल के रास्ते पर आते-जाते शोहदे उसको परेशान कर रहे थे। ट्यूशन जाते समय भी रास्ता घेरकर खड़े हो जाते थे। युवती और उसकी मां ने पुलिस को बताया कि दो रोज पहले अश्लील कमेंट किए जाने के बाद रास्ते में हाथ पकड़ कर खींचने का प्रयास किया। दहशत में आई छात्रा को लेकर उसकी मां बाह थाने पहुंचीं। पुलिस को पूरी घटना की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बेटी स्कूल जाने की हिम्मत नहीं जुटा पा रही है। प्रभारी निरीक्षक बाह श्याम सिंह ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। पुलिस शोहदों की तलाश में जुट गई है।

नहीं मिली एंबुलेंस, निजी वाहन से घर ले गए शव

हैदरगढ़ (बाराबंकी)। सीएचसी पर मृत घोषित किए गए व्यक्ति का शव घर पहुंचाने के लिए एंबुलेंस नहीं मिल सकी। इसके चलते परिजन विवश होकर शव निजी वाहन से लेकर घर गए। चर्चा ये भी है कि शव को बाइक से ले जाया गया, परंतु सीएचसी अधीक्षक ने इससे इंकार करते हुए कहा कि परिजन निजी वाहन से शव घर ले गए। सीएचसी पर मंगलवार को चौबीसी गांव निवासी वीरेंद्र कुमार शर्मा को गंभीर हालत में परिजन लेकर आए थे। चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इससे परिजनों में कोहराम मच गया और इस दौरान डॉक्टर से विवाद भी हुआ। परिजनों के मुताबिक शव को घर तक ले जाने के लिए एंबुलेंस की मांग करने पर सीएचसी अधीक्षक ने भरोसा दिया, लेकिन इसके बाद एक-एक कर परिसर में खड़ीं एंबुलेंस वहां से गायब हो गईं। चर्चा है कि नाराज परिजन एंबुलेंस न मिलने पर शव को बाइक से ले गए। जबकि मौके पर मौजूद लोग और स्वास्थ्य कर्मी शव निजी बोलेरो से ले जाने की बात कह रहे हैं। सीएचसी अधीक्षक डॉ. ओपी कुरील ने बताया कि युवक मृत अवस्था में लाया गया था। शव को घर भिजवाने के लिए वाहन की व्यवस्था की जा रही थी, तभी परिजन निजी वाहन से शव लेकर चले गए।

जिंदा महिला को सरकारी सिस्टम ने कागजों में किया दफन, पेंशन बंद हुई तो सामने आया सच

आगरा। कासगंज के सिढ़पुरा ब्लॉक क्षेत्र के गांव बसई की एक विधवा महिला सरकारी सिस्टम की लापरवाही का शिकार हो गई है। उन्हें कागजों में मृत घोषित कर दिया गया। जिसके बाद उनकी पेंशन रुक गई। उनके खाते में किसी प्रकार की राशि नहीं आई तो इसकी शिकायत अधिकारियों से की गई। कासगंज के सिढ़पुरा ब्लॉक क्षेत्र के गांव बसई की एक विधवा महिला को जीवित रहते हुए मृत दर्शा दिया गया। जिससे महिला की विधवा पेंशन रुक गई। दो साल से पेंशन न मिलने पर परेशान हुई विधवा ने पेंशन के लिए गुहार लगाना शुरू किया। जानकार लोगों को अपनी समस्या बताई। इसके बाद जानकारी करने पर महिला को रिपोर्ट में मृतक दर्शाकर पेंशन बंद करने की बात सामने आई। महिला ने जिलाधिकारी को पत्र देकर अपनी समस्या बताते हुए पेंशन चालू कराने की मांग की। जिलाधिकारी से शिकायत के बाद प्रोबेशन विभाग सक्रिय हो हुआ।

ये है मामला

पीड़ित महिला गुड्डो के मुताबिक उसके पति की मृत्यु करीब 20 साल पहले हो गई थी। पिछले 18 वर्षों से गुड्डो को विधवा पेंशन मिल रही थी, लेकिन पिछले दो वर्षों से महिला को विधवा पेंशन नहीं मिली। पेंशन पाने के लिए महिला बार बार इधर उधर दफ्तरों में चक्कर लगाती रही। प्रोबेशन विभाग से मामले की शिकायत की, लेकिन कोई निष्कर्ष नहीं निकला। बार बार मामला प्रोबेशन विभाग में पहुंचा तो मामले की पड़ताल हुई। जानकारी में आया कि विधवा पेंशन के सत्यापन में बसई के पंचायत सहायक ने अपनी रिपोर्ट में महिला को मृतक दर्शा दिया।

जीवत है महिला

प्रोबेशन विभाग के पोर्टल पर महिला की मृत्यु की तिथि 22 सितंबर 2022 दर्शा दी। जबकि महिला जीवित है। गांव में ही अपनी वृद्ध मां के साथ रहकर मजदूरी कर रही है। महिला ने बुधवार को जिलाधिकारी को मामले की शिकायत करते हुए पेंशन चालू कराने की मांग की है। उसके बाद प्रोबेशन विभाग भी सक्रिय हुआ है। मामले की जांच जिलाधिकारी के निर्देश पर की जा रही है।

लापरवाही की कराई जा रही जांच

जिला प्रोबेशन अधिकारी कोमल पंवार ने बताया कि जीवित विधवा महिला को किन परिस्थितियों में मृतक दर्शाया गया है। इसकी जांच कराई जाएगी। जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई सुनिश्चित होगी और विधवा महिला को पेंशन दी जाएगी।

डेंगू के 14 नए मरीज मिले, पिछला रिकॉर्ड टूटने के कगार पर

बलिया। डेंगू का कहर जिले में थम नहीं रहा है। इससे पीड़ित प्रतिदिन मरीज मिल रहे हैं। जिला अस्पताल में हुई जांच में बुधवार को 14 नए मरीज मिले हैं। इससे जिले में डेंगू के मरीजों की कुल संख्या 191 पहुंच गई है। जिले में डेंगकके अधिकतम मरीज गत वर्ष 199 मिले थे। इस वर्ष भी डेंगू का आंकड़ा इसके करीब पहुंच गया है। इससे लग रहा है कि पिछला रिकार्ड बहुत जल्द टूट जाएगा।डेंगू का प्रकोप कम नहीं हो रहा है। रोजाना नए लोग पीड़ित मिल रहे हैं। शहर व ग्रामीण क्षेत्र के विभिन्न हिस्से से भी मरीज मिल रहे हैं। बुधवार को 14 नए संक्रमित सामने आए हैं। वहीं, जिला अस्पताल की ओपीडी में भी मरीजों की भरमार लगी है। रोजाना दो हजार के आसपास ओपीडी हो रही है।

कॉलेज के जनरेटर में छिपा मिला ये बेहद खास जानवर, पता लगने के बाद मच गया हड़कंप

आगरा। आगरा के आनंद इंजीनियरिंग कॉलेज में बिजली जनरेटर के अंदर बेहद खास जानवर छिपा था। इसे देख लोगों में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही वाइल्डलाइफ एसओएस की टीम मौके पर पहुंच गई। टीम ने बताया कि ये जानवर सिवेट कैट यानि जंगली बिल्ली है। इसके बाद टीम ने जंगली बिल्ली को बमुश्किल जनरेटर से सुरक्षित निकाला। आनंद इंजीनियरिंग कॉलेज के स्टाफ ने परिसर में रखे बिजली जनरेटर के अंदर फंसी सिवेट कैट को देखा।

जानवर की मदद को लेकर चिंतित, कॉलेज स्टाफ ने तुरंत एनजीओ की आपातकालीन बचाव हेल्पलाइन पर वाइल्डलाइफ एसओएस से संपर्क साधा, जिसके बाद वाइल्डलाइफ एसओएस से दो सदस्यीय रैपिड रिस्पांस यूनिट कॉलेज परिसर पहुंची। उन्होंने जनरेटर के भीतर फंसे हुए सिविट का पता लगाया और बचाव अभियान को अंजाम दिया। अत्यंत सावधानी और सटीकता के साथ, टीम ने कुशलतापूर्वक उसे खतरनाक स्थिति से बाहर निकाला। रेस्क्यू ऑपरेशन समाप्त होने के बाद एनजीओ के विशेषज्ञ पशु चिकित्सकों की टीम ने सिविट की सावधानीपूर्वक जांच की, जिसके बाद उसे उसके प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया गया। वाइल्डलाइफ एसओएस के डायरेक्टर कंज़रवेशन प्रोजेक्ट्स, बैजूराज एमवी ने कहा कि 卐यह एक बेहद नाजुक ऑपरेशन था, क्योंकि बिजली जनरेटर के भीतर कैद होने के कारण सिविट कैट का जीवन अधर में लटका हुआ था। हमारी टीम द्वारा समय पर किया गया हस्तक्षेप इस संरक्षित प्रजाति की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण रहा। वाइल्डलाइफ एसओएस के सह-संस्थापक और सीईओ कार्तिक सत्यनारायण ने कहा कि 卐आनंद इंजीनियरिंग कॉलेज की घटना एक और उदाहरण है कि लोग शहरी वातावरण में रहने वाले वन्यजीवों के प्रति सहानुभूति और चिंता व्यक्त कर रहे हैं। हमारी रैपिड रिस्पांस यूनिट ऐसे जरूरतमंद जानवरों को बचाने और पुनर्वास के लिए प्रतिबद्ध है।

जानकारी दी गई कि एशियन पाम सिविट, जिसे टोडी कैट भी कहा जाता है, एक लंबी नेवले जैसा दिखाई देने वाला जीव है, जो विभिन्न प्रकार के आवास और परिस्थिति में जीवित रहता है। यह दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया का मूल निवासी है और यह प्रजाति वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की अनुसूची के तहत संरक्षित है।

श्रीराम के जीवन काल से जुड़ी लीलाओं को देख मंत्रमुग्ध हुए दर्शक

बस्ती। ब्लॉक क्षेत्र के नियामतपुर व रानीपुर बस्थनवां गांव में चल रही रामलीला के तीसरे दिन बुधवार को कलाकारों ने रामजन्म से लेकर ताड़का वध का मंचन किया। इस दौरान प्रभु श्रीराम के जीवन काल से जुड़ी लीलाओं को देखकर दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। बीच-बीच में प्रभु के जयकारे गूंजने लगे। रामलीला कमेटी के प्रबंधक डॉ. राजेंद्र प्रसाद द्विवेदी ने पहले भगवान श्रीराम की आरती उतारी। कहा कि रामलीला से श्रीराम चरित्र का दर्शन मिलता है। इससे मानव जीवन की मर्यादा का बोध होता है। इसके बाद रामलीला का मंचन शुरू हुआ। भगवान राम चारों भाई बड़े होते हैं और गुरु वशिष्ठ के आश्रम में शिक्षा ग्रहण करने के लिए पहुंचते हैं। शिक्षा ग्रहण के उपरांत चारों भाई अयोध्या वापस पहुंचते हैं। जहां महर्षि विश्वामित्र राजा दशरथ से अपने यज्ञ की रक्षा के लिए भगवान राम और लक्ष्मण को साथ ले जाने की अनुमति मांगते हैं। रास्ते में प्रभु श्री राम अपने बाणों से ताड़का का वध करते हैं। इस दौरान पंडाल जयकारों की गूंज उठने लगती है। इस मौके पर मनोज कुमार सिंह, श्याम शंकर पाल, महेंद्र पांडेय, हिमांशु सिंह रानु मौजूद रहे। जबकि रानीपुर बस्थनवां में रामलीला की शुरुआत आयोजक बलराम चौहान ने राम दरबार की आरती उतार कर की। यहां भी चारों भाइयों की शिक्षा, विश्वामित्र मित्र के साथ वनगमन, ताड़का, मरीच जैसे असुरों के वध आदि प्रसंग का अद्भुत मंचन किया गया। इस मौके पर महेश चौहान, श्याम सुंदर, अरविंद मिश्र, सरजू प्रसाद यादव मौजूद रहे।

कप्तानगंज की बीडीओ की कार दुर्घटनाग्रस्त, बाल-बाल बचीं

बस्ती। बीडीओ लखनऊ में किसी प्रशिक्षण से अपनी कार से वापस लौट रही थीं। पुलिस के अनुसार राम जानकी मार्ग पर राम रेखा आश्रम के पास एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने कार में साइड मार दिया। बस्ती जिले में कप्तानगंज ब्लाक की खंड विकास अधिकारी वर्षा बंग सड़क दुर्घटना में बाल-बाल बचीं। उनकी कार छावनी थाना क्षेत्र के राम जानकी मार्ग पर रामरेखा आश्रम के पास बृहस्पतिवार को दिन में करीब एक बजे दुर्घटनाग्रस्त हो गई। उनके चालक को हल्की चोट आई है। बीडीओ लखनऊ में किसी प्रशिक्षण से अपनी कार से वापस लौट रही थीं। पुलिस के अनुसार राम जानकी मार्ग पर राम रेखा आश्रम के पास एक तेज रफ्तार ट्रेलर ने कार में साइड मार दिया। सूचना पर पहुंचे थानाध्यक्ष छावनी नारायण लाल श्रीवास्तव ने घायल चालक को इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जितियापुर भेजा।

सामूहिक दुष्कर्म के तीन आरोपियों को 20-20 साल की कैद

बाराबंकी। अपर सत्र न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट की अदालत ने मंगलवार को सामूहिक दुष्कर्म के मामले में तीन अभियुक्तों को 20-20 साल की सजा सुनाई। साथ ही 23-23 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। विशेष लोक अभियोजक अजय सिंह ने बताया कि 24 मई 2017 को रामनगर थाना क्षेत्र के एक गांव की किशोरी अपनी सहेली के साथ घास काटने गई थी। तभी वहां पर प्रवेश यादव, रामू सैनी व पंकज कुमार ने उसे पकड़ लिया और तीनों ने पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया व वीडियो क्लिप भी बना ली।

विरोध करने पर अभियुक्तों ने पीड़िता व उसकी सहेली को मारापीटा तथा कहीं बताने पर जान से मारने की धमकी दी। घटना की रिपोर्ट पीड़िता की मां ने थाना रामनगर में दर्ज कराई थी। पीड़िता समेत गवाहों के बयान व दोनों पक्षों की बहस सुनने के पश्चात न्यायाधीश अजय कुमार श्रीवास्तव ने तीनों अभियुक्तों को सामूहिक दुष्कर्म का दोषी पाते हुए सजा सुनाई।

दुष्कर्मी को 10 साल की सजा

बाराबंकी। दुष्कर्म के मामले में विशेष अपर सत्र न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट ने मंगलवार को अभियुक्त को 10 साल की कैद व 20 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। विशेष लोक अभियोजक योगेंद्र सिंह ने बताया कि सुबेहा थाना क्षेत्र की एक किशोरी 11 अप्रैल 2014 को दोपहर में खेत गई थी। तभी गांव का ही संदीप उसे बहला-फुसला कर भगा ले गया। संदीप द्वारा पीड़िता को ले जाते हुए कई लोगों ने देखा। मामले में निर्णय सुनाते हुए विशेष अपर सत्र न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट राजीव महेश्वरम ने अभियुक्त संदीप को सजा सुनाई। जुमाने की धनराशि पीड़िता को दी जाएगी।

दून एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनों में लगेंगे अतिरिक्त कोच

बरेली। त्योहारी सीजन में यात्री सुविधाओं के मद्देनजर रेलवे कई ट्रेनों में अतिरिक्त कोच लगाएगा। दून एक्सप्रेस, चंडीगढ़ एक्सप्रेस, जम्मूतवी एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनों में अतिरिक्त कोच लगाए जाने के बाद 80 से 150 तक के वेटिंग टिकट कंफर्म हो जाएंगे। मध्य अक्तूबर से ही त्योहारी सीजन की शुरुआत हो चुकी है। रेलवे की ओर से अब तक 10 त्योहार स्पेशल ट्रेनों के संचालन की समयसारिणी जारी की जा चुकी है। नियमित ट्रेनों में पहले से सीटें फुल हैं। कई ट्रेनों में वेटिंग 200 तक पहुंच गई है। ऐसे में यात्रियों की परेशानी को देखते हुए रेलवे ने कई ट्रेनों में अतिरिक्त कोच लगाने का निर्णय लिया है। एक-एक अतिरिक्त कोच वाली ट्रेन में 80 और दो-दो अतिरिक्त कोच वाली ट्रेनों में 150 तक के वेटिंग टिकट कंफर्म हो जाएंगे।

इंस्टाग्राम पर प्यार में फंसाया... फिर दोस्त के घर की हैवानियत

अश्लील वीडियो बनाकर किया घिनौना काम

बरेली। बरेली से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। युवती का आरोप है कि इंस्टाग्राम पर युवक ने दोस्ती की। इसके बाद झांसा देकर दुष्कर्म किया। युवक ने ब्लैकमेल कर दस लाख रुपये भी हड़प लिए। पीड़ित ने रिपोर्ट दर्ज कराई है।

इंस्टाग्राम पर मिले युवक ने एक युवती से चैटिंग कर उसे फंसाया और शादी का झांसा देकर दोस्त के घर में उससे दुष्कर्म किया। युवती का अश्लील वीडियो बना लिया और ब्लैकमेल कर दस लाख के जेवर हड़प लिए। आरोपियों के खिलाफ बारादरी थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई है। बारादरी क्षेत्र की युवती ने बताया कि उसकी दोस्ती इंस्टाग्राम पर सतीपुर निवासी सोनू कश्यप से हुई थी। सोनू शादी का झांसा देकर अपने दोस्त के घर ले गया और वहां दुष्कर्म किया। सोनू ने अश्लील फोटो खींच लिए।

सोनू ने फोटो के जरिये ब्लैकमेल कर कई बार दुष्कर्म किया और रुपये की मांग करने लगा। सोनू ने ब्लैकमेल कर दस लाख रुपये के जेवर मंगा लिए। सोनू युवती को एक होटल ले गया और दुष्कर्म कर उसका वीडियो बना लिया।

युवती मानसिक तनाव में आ गई। परिजनों को बताया तो वह सोनू के पिता किशनलाल से बात करने गए। सोनू के पिता ने युवती के अनूसूचित जाति का होने के कारण शादी करने से मना कर दिया। सोनू के भाई श्यामसुंदर, बहन रेखा और पिता किशनलाल ने फोन पर जातिसूचक टिप्पणी की।

10 करोड़ की लागत से बनेगा स्टेडियम परिसर में बहुउद्देशीय हॉल

अमेठी। शहर स्थित डॉ.भीमराव आंबेडकर स्टेडियम परिसर में लगभग 10 करोड़ की लागत से बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण होगा। इसमें सभी मौसम में निर्बाध रूप से इंडोर प्रतियोगिताएं करवाई जा सकेंगी। जिला खेल कार्यालय की ओर से बहुउद्देशीय हॉल निर्माण का अनुमानित लागत का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। प्रस्ताव मंजूर होने और बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण होने के बाद खिलाड़ियों को सभी मौसम में बेहतर खेल सुविधा मुहैया हो सकेगी।

केंद्र और प्रदेश सरकार की ओर से ग्रामीण और शहरी खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। सरकार की ओर से खिलाड़ियों को बेहतर खेल सुविधा मुहैया कराए जाने को लेकर ग्राम पंचायत, न्याय पंचायत, ब्लॉक स्तर और जिला स्तर पर खेल मैदान, ओपन जिम सेंटर, मिनी स्टेडियम और जिला स्टेडियम को विकसित किया जा रहा है। गौरतलब हो कि प्रदेश सरकार की ओर से बीते कार्यकाल में शहर स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर स्टेडियम परिसर को 493.20 लाख रुपये की लागत से निर्माण कार्य कराया गया था।

इसमें मल्टीपरपज हॉल (बैडमिंटन हॉल), स्विमिंग पूल, पवेलियन, 2500 वर्ग मीटर सीसी रोड, मिल्टरेशन प्लांट, टिकट काउंटर रूम, पंप रूम, समर सिविल पंप, बाउंड्री वाल, लाइट, मेन गेट, हॉस्टल गेट और मैदान का उच्चीकरण किए जाने के लिए मिट्टी भराई आदि कार्य हुए थे। फिर भी खिलाड़ियों को कबड्डी, वॉलीबॉल, खो-खो, बास्केटबॉल, हैंडबॉल समेत अन्य इंडोर खेल परिसर में कड़ी धूप, गर्मी, सर्दी और बारिश के मौसम में खेलने को मजबूर होना पड़ता था। इंडोर गेम में खिलाड़ियों को सुविधा उपलब्ध कराए जाने को लेकर बड़ा बहुउद्देशीय हॉल निर्माण को लेकर प्रस्ताव मांगा गया।

डीपीआरओ और सीएम फेलो को कारण बताओ नोटिस

बलिया। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आकांक्षात्मक ब्लॉकों की समीक्षा बैठक हुई। इसमें जिले के आठ ब्लॉक शामिल हैं। एडीएसटीओ ने बताया कि देश के 100 आकांक्षात्मक ब्लॉकों में हनुमानगंज ब्लाक नौवें, पन्दह 38वें और रसड़ा 41वें स्थान पर है। जिलाधिकारी ने पन्दह ब्लॉक के सीएम फेलो से पिछड़ने का कारण पूछा तो उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य एवं पोषण में सैम एवं मैम की वजह से प्रदर्शन खराब हुआ है। इसमें बच्चों की ऊंचाई और भार का मापन अभी नहीं हो पाया है। रसड़ा के सीएम फेलो ने पिछड़ने का कारण सेक्स रेशियो एट बर्थ और डिलीवरी रेट के कारण प्रगति बताई। जिलाधिकारी ने सभी ब्लॉकों के सीएम फेलो को एमओआईसी और सीएमओ से सम्पर्क कर इस क्षेत्र में सुधार करने के निर्देश दिये। साथ ही 5 साल के अंडरवेट बच्चों की संख्या और गोल्डन कार्ड डिस्ट्रीब्यूशन में प्रगति लाने के निर्देश दिए। कहा कि जिन ब्लॉकों की पोजीशन खराब हुई है वे अगले महीने तक स्थिति सुधार लें।

रसड़ा के सीएम फेलो को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। जिला पंचायती राज अधिकारी को व्यक्तिगत शौचालय निर्माण में कम प्रगति पाए जाने पर कारम बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। जिला कृषि अधिकारी को खरीफ फसल की बीमा में प्रगति लाने के निर्देश दिए। चेताया कि अगली बैठक में यदि स्थिति नहीं सुधरी तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कहा कि हमारे जिले की रैंकिंग 25 रैंक के अंदर होनी चाहिए। सीएमओ डॉ. विजय पति द्विवेदी, डीडीओ राजित राम मिश्र, आरबी यादव, बीएसए मनीष सिंह, डीपीआरओ यतेंद्र सिंह, जिला कृषि अधिकारी पवन कुमार प्रजापति, परियोजना निदेशक उमेश मणि त्रिपाठी मौजूद थे।

बठिंडा-वाराणसी के बीच नवंबर में चलेगी स्पेशल ट्रेन

अमेठी। पंजाब प्रांत के अलग-अलग शहर में रहने वाले परदेशियों को दीपावली में घर आने के लिए कंन्फर्म सीट की सुविधा मिलेगी। इसके लिए रेलवे विभाग ने बठिण्डा-वाराणसी स्पेशल ट्रेन संचालन को हरी झंडी दिखाई है। आगामी 5 से 30 नवंबर के बीच प्रत्येक रविवार व बुधवार को बठिण्डा से तो सोमवार व बृहस्पतिवार से वाराणसी से रवाना होगी। ट्रेन में आरक्षित टिकटों की बुकिंग शुरू हो गई है। हालांकि जिले में ट्रेन का ठहराव नहीं होने से प्रतापगढ़ से जिले के लोगों को यात्रा करने की सुविधा मिलेगी। रेलवे की ओर लखनऊ-प्रतापगढ़-वाराणसी रेल रेल ट्रैक पर पांच से 30 नवंबर के बीच बठिण्डा-वाराणसी स्पेशल ट्रेन संचालित की जाएगी। प्रत्येक रविवार और बुधवार को बठिंडा जक्शन से रात्रि 08.55 बजे प्रस्थान कर अगले दिन शाम 05¬30 बजे वाराणसी जक्शन पहुंचेगी। वापसी में स्पेशल ट्रेन प्रत्येक सोमवार और बृहस्पतिवार को वाराणसी जक्शन से रात्रि 20.40 बजे प्रस्थान कर अगले दिन शाम 07¬10 बजे बठिण्डा जंक्शन पहुंचेगी। वातानुकूलित, शयनयान तथा सामान्य श्रेणी के डिब्बो वाली यह स्पेशल रेलगाड़ी मार्ग मे रामपुरा फूल , बरनाला , धूरी जक्शन, पटियाला, राजपुरा जक्शन, अंबाला कैंट, यमुनानगर-जगाधरी , सहारनपुर जक्शन, मुरादाबाद , बरेली जंक्शन , लखनऊ तथा मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जक्शन.(प्रतापगढ़) स्टेशनों पर दोनों दिशाओ मे रुकेगी। ट्रेन का फिलहाल ठहराव जिले में नहीं होने से यात्रियों को मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जंक्शन (प्रतापगढ़) से यात्रा करनी होगी।

पीओएस मशीन न आने से रुका फसल किट वितरण

आजमगढ़। किसानों को रबी और खरीफ के सीजन में विभिन्न फसलों के मिनी किट दिए जाते हैं। रबी के सीजन में सरसों की मिनी किट आ गई है। लेकिन प्वाइंट ऑफ सेल मशीन (पीओएस) न मिलने से मिनी किट वितरण शुरू नहीं हो पाया है। शासन द्वारा किसानों को बोआई के लिए फसलों के मिनी किट निशुल्क वितरित होते हैं। कृषि विभाग द्वारा पहले यह मिनी किट लाभार्थी किसानों का आधार कार्ड लेकर दी जाती थी। इस बार शासन ने नई व्यवस्था लागू की है। इसके तहत किसानों को पीओएस मशीन पर अंगूठा लगाना होगा। तब किट दी जाएगी। लेकिन अब तक पीओएस न मिलने से किट वितरण शुरू नहीं हो सका है।

अदालत के निर्देश पर कब्जा दिलाने पहुंची फोर्स, पथराव

बलिया। कस्बे में अदालत के निर्देश पर एक पक्ष को कब्जा दिलाने पहुंची पुलिस फोर्स पर स्थानीय महिलाओं और पुरुषों ने पत्थर चलाने शुरू कर दिए। इससे मौके पर कुछ देर के लिए भगदड़ की स्थिति बन गई। हालांकि पुलिस ने हल्के बल प्रयोग के बाद स्थिति पर काबू पा लिया और कई लोगों को हिरासत में ले लिया। लगभग साढ़े चार बिस्वा भूमि पर तेजी से बाउंड्री करने का काम जारी थी। सिविल जज न्यायालय पश्चिमी बलिया की प्रभारी जज कविता कुमारी ने जयंत बनाम शिवदान सिंह वगैरह मामले में साढ़े चार बिस्वा भूमि पर दखलदहानी का फैसला दिया। भूमि पर जयंत सिंह को कब्जा दिलाने के लिए एसपी बलिया को निर्देश दिया। एसपी बलिया एस. आनंद के निर्देश पर प्रभारी निरीक्षक हिमेंद्र सिंह ने मंगलवार को भारी पुलिस बल के साथ कब्जा दिलाने के लिए जेसीबी लेकर पहुंचे। उक्त भूभाग पर कई वर्षों से राजभर परिवार के कुछ लोग कब्जा किए थे। कई बार पैमाइश के बावजूद भी लोगों ने कब्जा नहीं छोड़ा। यही नहीं उक्त भूभाग पर पक्का मकान भी बनवा लिया। मजबूर होकर जयंत सिंह कोर्ट चले गए।

कई वर्षों की लड़ाई के बाद जयंत सिंह के पक्ष में कब्जा परिवर्तन का फैसला आया। पुलिस के पहुंचे ही कब्जाधारियों ने ईंट पत्थर चलना प्रारंभ कर दिया। इससे कुछ देर के लिए भगदड़ की स्थिति पैदा हो गई। पुलिस ने तत्काल काबू पाकर कुछ महिलाओं को हिरासत में ले लिया। एक व्यक्ति ने आत्मदाह करने की नीयत से पुलिस के सामने ही शरीर में आग लगाने का प्रयास किया। उसे भी पुलिस ने विफल कर दिया। इसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर कब्जा दिलाने का काम प्रारंभ कर दिया। पक्के मकान को जेसीबी से गिरवा दिया गया। मड़ई उजाड़ दी गई।

चारों तरफ से बाउंड्री का कार्य तेजी से किया जा रहा है। समाचार भेजे जाने तक सैकड़ों मजदूर, मिस्त्री बाउंड्री को जोड़ने का काम कर रहे हैं। प्रभारी निरीक्षक हिमेंद्र सिंह, दो सेक्शन पीएसी, प्रभारी निरीक्षक गड़वार संजय शुक्ला, प्रभारी निरीक्षक खेजुरी अनीता सिंह आदि थीं।

राम बरात प्रकरण में 22 नामजद आरोपी फरार, एनएसए लगाने की मांग

अलीगढ़। राम बरात में हुए हमले के चार दिन बाद भी 22 नामजद आरोपी फरार हैं। बुधवार को हिंदू रक्षा दल ने मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन कोतवाल को दिया, जिसमें दोषियों पर एनएसए लागने की मांग की गई है।

आरोपियों के अपने घरों से फरार होने के कारण पुलिस इनको गिरफ्तार नहीं कर पा रही है।

इस मामले में मंगलवार को दो सगे भाइयों सहित पांच लोगों को जेल भेजा गया था। रामलीला कमेटी की तरफ से एक समुदाय के 27 नामजद सहित 100 से 120 अज्ञात लोगों के खिलाफ रामबारात पर हमले की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने नामजद सलमान और अरमान पुत्र रफीक, जाविद और आबिद पुत्र बुद्दन खां और इदरीश को शांति भंग सहित विभिन्न धाराओं में जेल भेजा गया है। चार दिन बीत जाने के बाद भी 22 नामजद आरोपी फरार हैं। चंडौस कोतवाल सीताराम सरोज का कहना है कि नामजद आरोपियों की तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। इधर, कस्बे में चौथे दिन तनाव पूर्ण शांति रही, पुलिस व पीएसी गश्त करती रही।

राम बरात पर हमला करने वालों पर लगे एनएसए

चंडौस। हिन्दू रक्षा दल के प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश शिशोदिया, जिला संयोजक भूपेन्द्र व जिलाध्यक्ष संजय आर्य की रामलीला मैदान में बैठक करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम संबोधित एक ज्ञापन कोतवाल सीताराम सरोज को दिया। जिसमें रामबारात पर हमला करने वालों के खिलाफ एनएसए लगाने की मांग की गई। संगठन के नेताओं ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा आरोपियों के खिलाफ कोई ठोस कार्यवाही नहीं की जा रही है। कहा कि अगर सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो हिंदू रक्षा दल बड़ा आंदोलन करेगा। उन्होंने कहा कि बुधवार को संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह पिंकी चंडौस आ रहे थे लेकिन गाजियाबाद प्रशासन ने उनको जिले की सीमा से बाहर नहीं जाने दिया। बैठक के दौरान कार्यकर्ताओं ने रामलीला मंच पर जमकर नारेबाजी की। इस दौरान पुलिस कर्मी व खुफिया तंत्र मौजूद रहे। इस मौके पर आलोक चौधरी, नरेश कुमार, राहुल कुमार आदि मौजूद रहे।

अज्ञात ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत, जांच में जुटी पुलिस

बस्ती। बभनान गौर रेलवे स्टेशन के बीच बढौलीपुर रेलवे क्रॉसिंग के नजदीक पोल संख्या संख्या 596/24 व 26 के बीच की यह घटना हुई। मृतक की पहचान पैकोलिया थाना क्षेत्र के नगर पंचायत के संथुआ गांव निवासी अतुल कश्यप (25) के रूप में हुई है। बस्ती जिले में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां डाउन लाइन से गुजर रही अज्ञात ट्रेन की चपेट में आने से 25 वर्षीय युवक की मौत हो गई। बभनान स्टेशन मास्टर की सूचना पहुंची पैकोलिया पुलिस शव को कब्जे में लेकर छानबीन में जुट गई है। बभनान गौर रेलवे स्टेशन के बीच बढौलीपुर रेलवे क्रॉसिंग के नजदीक पोल संख्या संख्या 596/24 व 26 के बीच की यह घटना हुई।

बुखार से युवती की मौत, 10 मिले डेंगू पीड़ित

निंदुरा (बाराबंकी)। जिले में बुखार का प्रकोप कम होने का नाम नहीं ले रहा है। निंदूरा क्षेत्र में मंगलवार को एक और युवती ने बुखार के चलते दम तोड़ दिया। वहीं कई लोग इसकी चपेट में हैं। इसके अलावा जिले में डेंगू के भी 10 मरीज मिले हैं, जिनका अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती करा कर इलाज किया जा रहा है। निंदूरा क्षेत्र के हाजीपुर गांव में पूजा (18) की बुखार के कारण मंगलवार को मौत हो गई। परिजनों के अनुसार युवती को 10 दिनों से बुखार था और उसका सीतापुर के निजी अस्पताल में इलाज किया जा रहा था। इस दौरान उसने दम तोड़ दिया। वहीं गांव में करीब 15 लोग बुखार से पीड़ित हैं। सीएचसी घुंघटेर अधीक्षक डॉ. आरपी वर्मा ने बताया कि गांव में टीम भेजी गई है। युवती के परिजनों से इलाज के दौरान कराई गई जांच की रिपोर्ट मांगी गई है। उन्होंने बताया कि गांव में शिविर लगाकर दवाएं वितरित की गई हैं।इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी सूचना के अनुसार जिले में 10 नए डेंगू के मरीज मिले हैं। इनमें देवा, जाटाबरौली व हैदरगढ़ के दो-दो व फतेहपुर, दरियाबाद, टिकैतनगर व शहर क्षेत्र का एक-एक मरीज शामिल है। उधर, अलग-अलग क्षेत्रों में शिविर लगाकर स्वास्थ्य टीम ने मरीजों की जांच की। इस दौरान रामनगर क्षेत्र में 17, जाटाबरौली में 18, सूरतगंज में 19, सिरौलीगौसपुर में पांच, घुंघटेर व सिद्धौर में तीन, फतेहपुर में 21 और दरियाबाद में आठ बुखार पीड़ित मिले हैं। इस संबंध में सीएमओ डॉ. अवधेश यादव ने बताया कि शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार स्वास्थ्य विभाग की टीमें लोगों का परीक्षण कर दवाएं वितरित कर रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

धोखाधड़ी में दो कर्मचारियों पर एफआईआर

बलिया। उभांव पुलिस ने फाइनेंस कंपनी के दो कर्मचारियों पर महिलाओं के अंगूठे लगवाकर 15.96 लाख रुपये उनके खाते से निकाल लेने के मामले में केस दर्ज किया है। पुलिस ने यह कार्रवाई मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश पर फाइनेंस कंपनी के शाखा प्रबंधक की तहरीर पर की है। तहरीर में कहा गया कि भारत फाइनेंशियल इंक्लूजन लिमिटेड कंपनी द्वारा गरीब महिलाओं का समूह बनाकर स्वरोजगार के लिए उन्हें ऋण दिया जाता है। इन्हें महिलाएं साप्ताहिक किस्त के रूप में संगम मीटिंग के माध्यम से कर्मचारियों द्वारा जमा करती हैं। 31 मई 2022 को कर्मचारी संजीव कुमार यादव ने महिलाओं के खाते से 14.24 लाख और अजीत कुमार वर्मा ने 1.72 लाख गरीब महिलाओं को ऋण देने के बजाय उनको धोखा देकर फर्जी अंगूठा लगा निकाल लिया। उन महिलाओं के यहां साप्ताहिक वसूली पर गया तो पता चला कि उनके खाते में पैसा गया ही नहीं। बैंक द्वारा ऑडिट किया गया तो पता चला कि इन दोनों कर्मचारियों द्वारा बैंक को धोखा देकर गबन करने की नीयत से पैसा निकाल लिया गया है। सूचना उभांव थाना को दी गई। उभांव पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं किए जाने की दशा में रजिस्टर्ड डाक द्वारा पुलिस अधीक्षक को प्रेषित किया गया। फिर भी कोई कार्रवाई नहीं होने पर अदालत का दरवाजा खटखटाया। इस मामले में सुनवाई करते हुए सीजेएम न्यायालय ने उभांव पुलिस को सुसंगत धाराओं में केस दर्ज कर नियमानुसार विवेचना कर रिपोर्ट न्यायालय में प्रस्तुत करने का आदेश दिया।

रेलवे स्टेशन पर फिर से मिलने लगा सस्ता शुद्ध जल

बलिया। रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को सस्ता शुद्ध पेयजल मिलने लगा। प्लेटफार्म संख्या एक व दो पर नई वाटर वेंडिंग मशीन लगी है। यहां यात्रियों को तीन रुपए में एक लीटर पानी मिल रहा है। करीब चार वर्ष बाद प्लेटफार्मों पर एक बार फिर से सस्ता शुद्ध पेयजल मिलने से यात्रियों में खुशी व्याप्त है। इस बार इसकी कमान खुद रेलवे के पास है। आने वाले समय में एक और मशीन इंस्टॉल होगी। आईआरसीटीसी (इंडियन रेलवेकैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन) ने 2015-16 में वाटर वेंडिंग मशीन लगाने और चलाने का ठेका एक वाटर कंपनी को दिया था। ठेका मिलने के बाद कंपनी ने प्लेटफॉर्म पर वाटर मशीन लगा भी दी। लेकिन कुछ दिन नुकसान का हवाला देकर मशीन को बंद कर दिया। स्टेशन अधीक्षक सुनील सिंह ने बताया कि यात्रियों को 20 रुपए में पांच लीटर पानी मिलेगा। यात्री वाटर वेंडिंग मशीन में सिक्का डालकर खुद से पानी निकाल सकते हैं। यात्रियों को अपने बोतल में दो रुपए से 300 एमएल पानी, वहीं कंपनी से बोतल लेने पर उन्हे तीन रुपए अतरिक्त चुकाने होंगे। बिना बोतल एक लीटर का पांच रुपया, वहीं, कंपनी के बोतल में पानी लेने पर आठ रुपए चुकाने होंगे। प्लेटफार्म या बाजार में बोतलबंद पानी के लिए 15 से 20 रुपया चुकाने पड़ते हैं।

प्रत्येक लोकसभा में दो लाख नए वोटर बनाएगी भाजपा

बलिया। भाजपा जिला कार्यालय पर बुधवार को वोटर चेतना महाअभियान की जिला कार्यशाला हुई। प्रदेश उपाध्यक्ष व विधानपरिषद सदस्य धर्मेंद्र सिंह बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। जिलाध्यक्ष संजय यादव ने कहा कि 18 वर्ष की आयु को पूर्ण कर चुके युवाओं, विवाह होने के बाद परिवर्तित निवास स्थान, बूथ से अन्यत्र निवास करने वाले तथा बूथ पर नए आए मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़ने या कटने का कार्य वोटर चेतना महाभियान के माध्यम से करना है। महाअभियान में पार्टी के प्रत्येक पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा प्रत्येक जनप्रतिनिधि की सहभागिता सुनिश्चित होगी। प्रदेश उपाध्यक्ष व विधानपरिषद सदस्य धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि पार्टी के अनुशासित व समर्पित कार्यकर्ताओं की सतत संपर्क व संवाद की परम्परा के साथ फिर एक बार घर-घर दस्तक देना है। प्रत्येक घर की दहलीज और प्रत्येक गांव की चौपाल तक कार्यकर्ता पहुंचे। यह पार्टी का उद्देश्य है। 20 अक्तूबर को सभी मंडलों की कार्यशाला होगी। 28 को सभी बूथों तक एक साथ वोटर लिस्ट पहुंच जाएगा। 29 को मन की बात सुनने के बाद वोटर लिस्ट का वाचन और योजना बनाने का कार्य किया जाएगा। प्रत्येक लोक सभा में कम से कम दो लाख नए वोटर बनवाना है। जिला प्रभारी विजय बहादुर दुबे, सुनीता श्रीवास्तव, नागेन्द्र पाण्डेय, योगेश सिंह, डा.संजय घोड़े, छट्ठू राम, बब्बन राजभर, धन्नजय कन्नौजिया, शेषनाथ आचार्य, रंजना राय, अमितांश उपाध्याय, सुरेन्द्र सिंह, संजीव डम्पू, संजय मिश्रा, रामजी सिंह, प्रदीप सिंह, अशोक यादव, संतोष सिंह, अरुण सिंह, प्रमोद सिंह, प्रतुल ओझा, दिनेश तीवारी आदि थे।

खून जांच और प्रसव के लिए वसूली को लेकर हंगामा

बलिया। जिला महिला अस्पताल की पैथोलाजी में मंगलवार को पैसा वसूली का विरोध करते हुए महिला मरीजों व परिजनों ने जमकर हंगामा किया। काफी देर तक गहमा गहमी बनी रही। सीएमएस ने उस कर्मचारी से मरीज का पैसा वापस कराया। खून की जांच कराई, उसके बाद मामला शांत हुआ। उन्होंने जांच के बाद दोषी कर्मचारी पर कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया। वहीं, दूसरी तरफ प्रसव कक्ष में ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाली महिलाओं से प्रसव के बाद एक से दो हजार रुपये वसूलने का आरोप लगाया। जिला महिला अस्पताल में दिव्यांग रतसड़ निवासी रोशन आरा अपने एक वर्ष के पुत्र मो. इरफान को सांस जकड़ने पर डॉ. रजनीकांत यादव को दिखलाया। उन्होंने खून जांच कराने की सलाह दी। पैथोलाजी के कर्मचारी ने तीन जांच अंदर की और एक जांच बाहर की बता एक हजार रुपये की मांग की। महिला ने गरीबी का हवाला देकर आठ सौ रुपये दिए। इस दौरान हंगामा भी हुआ। उसी दौरान शिवपुर दियर निवासी वसीम शाह अपनी पत्नी साजिदा की खून जांच कराने पहुंचे। कर्मचारी ने सौ रुपये की मांग की। वसीम ने इसकी शिकायत छात्र नेता रानू पाठक से की। रानू ने सीएमएस को मामले से अवगत कराया। सीएमएस पैथोलाजी पहुंच कर्मचारियों को फटकार लगाने लगी। यह देख कई अन्य महिलाएं पैसा लेने का आरोप लगाने लगीं। सीएमएस ने दिव्यांग महिला का पैसा वापस करवाकर जांच कराई।

जेई ने पिटाई तो उपभोक्ता ने धमकी देने का आरोप लगाया

बलिया। कस्बे के बिंद टोली में चेकिंग के दौरान ग्रामीण बिजली विभाग के जेई पर हमलावर हो गए। वाद-विवाद में उत्तेजित ग्रामीणों ने जेई एवं उनके सहयोगी कर्मियों की पिटाई कर दी। किसी तरह जेई ने वहां से भागकर खुद को बचाया। बाद में दोनों पक्ष आरोप-प्रत्यारोप के साथ तहरीर लेकर थाने पहुंच गए। पुलिस जांच कर रही है। सोमवार को बिजली विभाग के अवर अभियंता सद्दाम हुसैन अपने सहयोगी कर्मियों के साथ स्थानीय कस्बे के बिंद टोली में कांबिंग करने के लिए पहुंच गए थे। उपभोक्ता मुरारी बिंद पुत्र प्रभु बिंद स्थानीय निवासी से कनेक्शन संबंधित कागजात की मांग की। आरोप है कि कागजात दिखाना तो दूर उल्टे पैसे लेने का आरोप जेई पर लगाने लगे। जेई सद्दाम हुसैन ने बताया कि विभाग द्वारा प्रत्येक गांव में कांबिंग अभियान चलाया जा रहा है। जेई पर पैसा लेने का झूठा आरोप लगाते हुए अभद्रता करते हुए घर पर और पिटाई कर दी। आरोपी पक्ष के अनुसार जेई एवं उनके सहयोगी उसके घर पर आकर वीडियो बनाने लगे। मना करने पर झूठा मुकदमा करा कर जेल भेजने की धमकी देने लगे। दोनों पक्ष थाना पहुंचा और पुलिस को तहरीर दी। थाना प्रभारी संजय शुक्ला ने बताया कि इस मामले में जांच की जा रही है।

रफ्तार के खेल में ट्रैक्टर पलटा, युवा किसान की मौत, मित्र घायल

बांदा। एक-दूसरे को पछाड़ने के चक्कर में रफ्तार का खेल कर रहा एक ट्रैक्टर पलट गया। उसमें सवार युवा किसान की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उसके साथ बैठा उसका मित्र गंभीर घायल हो गया। घायल को जिला अस्पताल के लिए रेफर किया गया है। पैलानी थाना क्षेत्र के लसड़ा गांव निवासी संजय साहू (26) अपने मित्र बनारस निवासी पवन सिंह (18) के साथ बुधवार को दोपहर जुताई के लिए पैलानी डेरा स्थित डीजल लेने जा रहे थे। गांव से दो अन्य ट्रैक्टर भी डीजल डलाने पेट्रोल पंप जा रहे थे। ट्रैक्टर संजय चला रहा था।

रास्ते में तीनों ट्रैक्टरों में आगे निकलने की होड़ मच गई। रफ्तार के इस खेल में सिंधनकला तुर्री नाला के पास संजय साहू का ट्रैक्टर अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में संजय साहू की मौत हो गई। जबकि पवन सिंह गंभीर घायल हो गया। राहगीरों की सूचना पर थानाध्यक्ष पैलानी अनिल साहू मौके पर पहुंचे। मृतक संजय के चाचा हरिश्चंद्र साहू व पिता चंडी साहू ने बताया कि मृतक चार भाइयों व तीन बहनों में दूसरे नंबर का था। बड़ी बहन सुमन की शादी गोखरही में हुई है। अपने पिता के साथ खेती-किसानी में हाथ बटाता था। उसकी शादी की भी बातचीत चल रही थी। घर में मां शिवदेवी है। थानाध्यक्ष पैलानी अनिल साहू ने बताया कि तीन ट्रैक्टरों के बीच रफ्तार की होड़ में यह हादसा हुआ है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। घायल को जिला अस्पताल भेजा गया है।

दून एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनों में लगेंगे अतिरिक्त कोच, वेटिंग टिकट हो जाएंगे कंफर्म

बरेली। रेलवे की ओर से अब तक 10 त्योहार स्पेशल ट्रेनों के संचालन की समयसारिणी जारी की जा चुकी है। नियमित ट्रेनों में पहले से सीटें फुल हैं। यात्री सुविधाओं के मद्देनजर रेलवे कई ट्रेनों में अतिरिक्त कोच लगाएगा त्योहारी सीजन में यात्री सुविधाओं के मद्देनजर रेलवे कई ट्रेनों में अतिरिक्त कोच लगाएगा। दून एक्सप्रेस, चंडीगढ़ एक्सप्रेस, जम्मूतवी एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनों में अतिरिक्त कोच लगाए जाने के बाद 80 से 150 तक के वेटिंग टिकट कंफर्म हो जाएंगे। मध्य अक्तूबर से ही त्योहारी सीजन की शुरुआत हो चुकी है। रेलवे की ओर से अब तक 10 त्योहार स्पेशल ट्रेनों के संचालन की समयसारिणी जारी की जा चुकी है। नियमित ट्रेनों में पहले से सीटें फुल हैं। कई ट्रेनों में वेटिंग 200 तक पहुंच गई है। ऐसे में यात्रियों की परेशानी को देखते हुए रेलवे ने कई ट्रेनों में अतिरिक्त कोच लगाने का निर्णय लिया है। एक-एक अतिरिक्त कोच वाली ट्रेन में 80 और दो-दो अतिरिक्त कोच वाली ट्रेनों में 150 तक के वेटिंग टिकट कंफर्म हो जाएंगे।

जम्मूतवी-बरौनी के बीच त्योहार स्पेशल ट्रेन आज से

जम्मूतवी-बरौनी के बीच एक त्योहार स्पेशल ट्रेन का संचालन बृहस्पतिवार से शुरू हो जाएगा। 04646 जम्मूतवी-बरौनी एक्सप्रेस सुबह 5:45 बजे जम्मूतवी से चलने के बाद पठानकोट, जालंधर, लुधियाना, अंबाला, सहारनपुर होते हुए शाम 7:21 बजे बरेली आएगी।

04645 बरौनी-जम्मूमवी एक्सप्रेस शुक्रवार को दोपहर 3:15 बजे बरौनी से चलने के बाद हाजीपुर, छपरा, गोरखपुर, सीतापुर होते हुए अगले दिन सुबह 7:05 बजे बरेली आएगी। अप-डाउन में रेलवे इस ट्रेन का संचालन एक दिसंबर तक करेगा।

आनंद विहार-सहरसा के बीच एक और स्पेशल ट्रेन

रेलवे ने आनंद विहार-सहरसा के बीच एक और त्योहार स्पेशल ट्रेन के संचालन का निर्णय लिया है। 22 कोच की यह ट्रेन आठ से 19 नवंबर तक अप-डाउन में चार-चार फेरे लगाएगी। 04052 आनंद विहार-सहरसा त्योहार स्पेशल आठ, 11, 14 और 17 नवंबर को आनंद विहार से रात 10:45 बजे चलने के बाद सुबह 4:27 बजे बरेली आएगी। अगले दिन तड़के 3:30 बजे सहरसा पहुंचेगी। 04051 सहरसा-आनंद विहार त्योहार स्पेशल 10, 13, 16 और 19 नवंबर को सुबह सात बजे सहरसा से चलेगी। सुबह 4:28 बजे बरेली और 10:30 बजे आनंद विहार पहुंचेगी।

जेई से मारपीट के मामले में तीन पर मुकदमा दर्ज

बलिया। गड़वार थाना क्षेत्र के बिंद बस्ती में बिजली जांच के दौरान जेई व कर्मचारियों से मारपीट मामले में पुलिस ने तीन लोगों पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। अवर अभियंता सद्दाम हुसैन ने तहरीर देकर आरोप लगाया कि गांव में विद्युत कनेक्शन की जांच करने के दौरान उपभोक्ता मुरारी बिंद से कनेक्शन संबंधित कागजात की मांग की गई तो वह पैसा मांगने का आरोप लगाते हुए मारपीट शुरू कर दिया। उसके सहयोग में अन्य लोग भी आकर मारपीट करने लगे। पुलिस ने मिली शिकायत पर मुरारी बिंद, कृष्ण बिंद व छोटे लाल बिंद के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने, मारपीट के मामले में मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। पुलिस एक आरोपी को हिरासत में लेकर अन्य दो की तलाश में जुट गई है। थाना प्रभारी संजय शुक्ला का कहना है कि बिजली विभाग के अवर अभियंता की तहरीर के आधार पर तीन आरोपी पर मुकदमा दर्ज कर एक को गिरफ्तार कर लिया गया है, अन्य की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

कपड़ा व्यवसायी की नवविवाहिता पत्नी ने फंदा लगाकर दी जान

बांदा। कपड़ा व्यवसायी की नवविवाहिता पत्नी ने ससुराल में कमरे में फंदा लगाकर जान दे दी। मृतका के मायके पक्ष ने दहेज में बाइक और पांच लाख की मांग पूरी न करने पर गला दबाकर हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। घटना के समय पति नहाने के लिए मकान की निचली मंजिल में चला आया था। शहर कोतवाली क्षेत्र के छावनी मोहल्ला निवासी प्रिया गुप्ता (28) ने बुधवार को तड़के अपने घर के कमरे में दुपट्टे से पंखे में फंदा लगाकर जान दे दी। घटना के समय पति पवन गुप्ता अपने कमरे से निकलकर नहाने के लिए आया था। कुछ देर बाद उसने कमरे में जाकर देखा तो अंदर से दरवाजा बंद था। रोशनदान से झांका तो वह फंदे से लटक रही थी। घटना के संबंध में ससुर रमाशंकर गुप्ता ने बताया कि शादी के बाद से वह अनमने मन से रहती थी। किसी से ज्यादा बोलती नहीं थी। शायद वह डिप्रेशन में रहती थी। यह पूछने पर किस तरह का डिप्रेशन तो वह कोई जवाब नहीं दे सके। उधर, मृतका के मायके पक्ष के बबेरू गांव निवासी चंद्रभूषण गुप्ता उर्फ भूपत गुप्ता ने बताया कि उसने अपनी पुत्री प्रिया की शादी 26 जनवरी 2023 को की थी। शादी के बाद से ससुराली दहेज में बाइक और पांच लाख रुपये की मांग को लेकर उसे प्रताड़ित करते थे। रक्षाबंधन पर्व में वह अपने मायके आई थी। वह जन्माष्टमी रुकना चाहती थी। लेकिन ससुराली उसे ले गए। तीन दिन पहले से उसका मोबाइल भी ससुरालियों ने छीन लिया था। जिससे वह अपने मायके बात नहीं कर पा रही थी। उन्होंने आरोप लगाया है कि ससुरालियों ने उसकी गला दबाकर हत्या कर दी। शरीर में चोट के निशान भी है। परिजनों ने ससुराल पहुंचकर आक्रोश जताया। मौके पर पुलिस ने पहुंचकर जांच की। घटना के संबंध में शहर कोतवाल अनूप दुबे ने बताया कि प्रथम दृष्ट्या खुदकुशी है। पति-पत्नी के बीच आपसी मनमुटाव का मामला संज्ञान में आया है। मृतका के मायके पक्ष ने अभी कोई तहरीर नहीं दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

शिविर में बनाए गए 25 आयुष्मान गोल्डन कार्ड

बस्ती। कुदरहा ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम पंचायत चकदहा के गांव सुभावपुर में शिविर लगाया गया। इस दौरान 25 आयुष्मान लाभार्थियों का गोल्डन कार्ड बनाया गया। लाभार्थी रामकिशुन, अनामिका, संजू, खुशबू, गुड़िया आदि गोल्डन कार्ड पाकर खुश हो गईं। उन्हें कार्ड के उपयोग का तरीका भी बताया गया। शिविर का शुभारंभ बीडीओ कुदरहा विनय कुमार द्विवेदी ने किया। कहा कि पात्र गृहस्थी कार्ड 6 या उससे अधिक सदस्य होने पर कार्डधारकों को आयुष्मान योजना में शामिल किया जा रहा है। ग्राम पंचायत स्तर पर स्वास्थ्य विभाग, पंचायत विभाग, खाद एवं रसद विभाग तथा बाल विकास परियोजना के सहयोग से शिविर लगाकर गोल्डन कार्ड बनाया जा रहा है। इस मौके पर एडीओ कोऑपरेटिव मनोज कुमार चतुर्वेदी, आईएसबी चंद्रशेखर सिंह, प्रधान अमरेंद्र कुमार, सचिन देवकीनंदन वर्मा, रोजगार सेवक बृजभूषण श्रीवास्तव, कोटेदार पवन कुमार श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

दीवान की सूचना पर फरार आरोपी मुरादाबाद से गिरफ्तार

बरेली। हरियाणा पुलिस की दबिश से पहले ही दीवान की सूचना पर घर से फरार हुए आरोपी फैसल को संयुक्त टीम ने मुरादाबाद से गिरफ्तार कर लिया। टीम उसे साथ ले गई है। उसे फरार कराने में मददगार दीवान की विभागीय जांच शुरू हो गई है। हरियाणा की अंबाला कैंट पुलिस मीरगंज के मंडनपुर गांव निवासी फैसल की गिरफ्तारी के लिए यहां आई थी। मीरगंज थाने के दीवान खुर्शीद अहमद ने प्रधान के जरिये सूचना देकर फैसल को भगा दिया। मामले में एसएसपी ने खुर्शीद को निलंबित कर दिया था। वहीं मीरगंज पुलिस ने आरोपी फैसल को मुरादाबाद में कटघर थाना अंतर्गत रामपुर दोराहा स्थित उसकी बहन के घर से पकड़कर अंबाला पुलिस को सौंप दिया। थाना प्रभारी हरेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपी के खिलाफ तीन लाख रुपये की धोखाधड़ी व गबन की रिपोर्ट अंबाला कैंट थाने में दर्ज है। वहां की पुलिस उसकी तलाश करती हुई यहां आई थी। थाने के एएसआई रविंद्र कुमार आरोपी को साथ ले गए।

हवाला धंधेबाजों से फतेहगंज पुलिस ने निभाई थी दोस्ती

बरेली। पुलिस की दोस्ती का फायदा पहले भी अपराधियों को मिलता रहा है। फतेहगंज पश्चिमी पुलिस और हवाला धंधेबाजों की दोस्ती के चर्चे भी सामने आते रहे हैं। बाहर की पुलिस जब भी धंतिया में दबिश देने आती थी तो सूचना लीक हो जाती थी। इससे आरोपी पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ रहे थे। तीन साल पहले एएसपी अभिषेक वर्मा ने कई थानों की पुलिस लेकर धंतिया में दबिश दी तो कई हवाला धंधेबाज पकड़े गए थे। इस कार्रवाई के दौरान फतेहगंज पश्चिमी पुलिस को सूचना नहीं दी गई थी। वहां के दरोगा को बुलाकर उनका मोबाइल भी जमा करा लिया गया था।

प्रेमनगर पुलिस की सट्टेबाज से दोस्ती हुई थी उजागर

पिछले साल एक सट्टेबाज से दोस्ती निभाने के लिए प्रेमनगर पुलिस ने आईजी के आदेश को भी दरकिनार कर दिया था। इज्जतनगर के बन्नूबाल नगर निवासी शख्स ने सुरेश शर्मा नगर के सट्टेबाज पर अपहरण और मारपीट का आरोप लगाया था। पीड़ित ने आईजी से शिकायत की तो बमुश्किल मामला दर्ज किया गया था। जबकि आरोपी सट्टेबाज को प्रेमनगर पुलिस ने शांति समिति की बैठक में बुला लिया था। इस पर पुलिस की काफी किरकिरी हुई थी।

कॉल आई मां बुला रही है...खुशी से उछल पड़ी थी गुलनाज, फिर घर वालों ने अपनी बेटी और दामाद दोनों को मार डाला

बांदा। गुलनाज को हर दिन डर सताता था। हालांकि उसके परिवार के लोग मुंबई में थे, इस कारण वह बेफिक्र थी। दुआ करती थी कि उसके परिवार वाले दोनों को अपना लें। बताते हैं कि एक सप्ताह पहले ही मुंबई से कॉल आई। गुलनाज ने फोन उठाया तो वहां से जो संदेश मिला, उससे उसके चेहरे की रंगत बदल गई। शादी के बाद से ही गुलनाज डरी-सहमी रहती थी। उसे हर दिन विवाद बढ़ने का डर रहता था। पड़ोसियों का कहना है कि कई बार गुलनाज ने मायके वालों को मनाने की भी कोशिश की। लेकिन वह नहीं माने एक दिन मुंबई से एक फोन आया कि मां ने दोनों को बुलाया है। वह खुश थी कि परिवार वाले शायद माने गये। पति रमेश को भी मुंबई जाने के लिए मना लिया, लेकिन उसे क्या पता था कि इस संदेश के बहाने बुलाकर परिवार के लोग दोनों का कत्ल कर देंगे। बांदा जिले में चिल्ला कस्बे के रमेश को कस्बे से करीब आधा किलोमीटर दूर स्थित मदनपुर गांव की गुलनाज से प्रेम प्रसंग था। मस्जिद के बगल में उसकी गुमटी थी और आसपास श्रृंगार व ज्वेलरी की दुकानें थीं। गुलनाज वहां खरीदारी करने आती थी। पड़ोसी ने बताया कि यहीं दोनों के बीच जान-पहचान हुई। धर्म अलग-अलग होने की वजह से एक होने से डरते थे। पिछले साल दोनों ने कोर्ट मैरिज कर ली।

विवाद से बचाने के लिए किराये पर कमरा लेकर रहने लगा

गुलनाज के घर वाले इस शादी से खफा थे। उनका गुस्सा भी वह देख भी चुकी थी। रमेश भी गुलनाज के साथ परिवार को इस विवाद से बचाने के लिए पास ही किराये पर कमरा लेकर रहने लगा। दोनों गुमटी संभालते थे। गुलनाज को हर दिन डर सताता था। हालांकि उसके परिवार के लोग मुंबई में थे, इस कारण वह बेफिक्र थी।

ऐसा होगा गुलनाज ने कभी सोचा भी नहीं होगा

दुआ करती थी कि उसके परिवार वाले दोनों को अपना लें। बताते हैं कि एक सप्ताह पहले ही मुंबई से कॉल आई। गुलनाज ने फोन उठाया तो वहां से जो संदेश मिला, उससे उसके चेहरे की रंगत बदल गई। मां ने बुलाया है, यह बात उसने रमेश को भी बताई और मुंबई चलने के लिए राजी कर लिया। ऐसा होगा उसने कभी यह सोचा भी नहीं था।

पहले रमेश को मारा...फिर गुलनाज की हत्या

मुंबई में हुए डबल मर्डर के मामले ने बांदा में भी सनसनी फैला दी है। दरअसल, बांदा के रहने वाले रमेश चंद्र की तीन दिन पहले मुंबई में हत्या कर दी गई थी। मुंबई पुलिस इसकी जांच कर रही थी। रमेश की पत्नी गुलनाज भी उसके बाद से लापता थी। पुलिस को उस महिला का भी शव मिल गया, जिसके बाद हत्या की वजह समझने में पुलिस को ज्यादा वक्त नहीं लगा।

अलग-अलग धर्मों के थे दोनों

दोनों ही अलग-अलग धर्मों के थे। लिहाजा पुलिस ने उसी एंगल से जांच शुरू की और लड़की के घर वालों से पूछताछ की। खुलासा होने के बाद पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है, जिसमें तीन नाबालिग भी हैं। मुंबई पुलिस से स्थानीय पुलिस को मिली जानकारी के अनुसार वर्ष 2022 में चिल्ला थाना के कस्बा के रहने वाले रमेश उर्फ करन चौरसिया ने पड़ोसी गांव की गुलनाज से प्रेम विवाह किया था।

सिर काटकर एक कुंए में फेंक दिया

उन्होंने कोर्ट मैरिज की थी। इस विवाद से गुलनाज के परिवार वाले खुश नहीं थे। अलग अलग धर्म होने की वजह से वे इसे गलत मान रहे थे। चिल्ला में ही दोनों दंपति पान की गुमटी चलाने लगे। बताया जाता है कि काम के सिलसिले में ही दोनों मुंबई चले गए थे। 15 अक्तूबर को करन की हत्या किए जाने की जानकारी ने सनसनी फैला दी। उसका सिर काटकर एक कुंए में फेंक दिया गया था।

परिजनों को था डर, गुलनाज करेगी शिकायत

शिनाख्त न होने पर मुंबई पुलिस ने शव के फोटो को प्रकाशित करवाया था। शिनाख्त होने के बाद बांदा पुलिस से भी मुंबई पुलिस ने दूरभाष से बात की और यहां से उसके बारे में पता लगाया। स्थानीय पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मुंबई पुलिस ने बताया कि करन के नहीं मिलने पर गुलनाज ने अपने परिवार वालों से उसके बारे में जानकारी मांगी थी। इस पर उन लोगों को गुलनाज द्वारा शिकायत किए जाने का डर लगा।

शादी के विरोध में थे परिजन, शर्मिंदगी होती थी महसूस

उसके बाद इन लोगों ने गुलनाज को भी मौत के घाट उतार दिया। उसकी हत्या रस्सी से गला घोंटकर की गई और शव जंगल में फेंक दिया। मुंबई पुलिस ने मामले में गुलनाज के भाई सलमान और पिता रईसुद्दीन खान से पूछताछ की, तो उन्होंने जुर्म उगल दिया। उन्होंने बताया कि वह इस शादी के विरोध में थे। उसके बावजूद दोनों ने विवाह किया। यह खबर रिश्तेदारों में पता चलने के बाद से वह शर्मिंदगी महसूस करते थे।

243.2 हेक्टेयर पर होगी औद्योगिक गलियारे की स्थापना

हैदरगढ़ (बाराबंकी)। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के किनारे औद्योगिक गलियारे की स्थापना 243.2 हेक्टेयर क्षेत्रफल पर की जाएगी। शासन से मंजूरी मिलने के बाद यूपीडा एवं तहसील प्रशासन ने जमीन का चिह्नांकन पूरा कर लिया है। साथ ही बम्हरौली के पास फेज वन में करीब 97 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहीत करने के लिए अधिसूचना जारी कर दी गई है। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के निर्माण के साथ ही इसके पास औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ाने के लिए औद्योगिक गलियारे की स्थापना के आदेश शासन ने करीब तीन साल पूर्व दिए थे। इसके बाद से ही प्रशासन एवं यूपीडा के अधिकारी हैदरगढ़ तहसील क्षेत्र में जमीन तलाश रहे थे। कई वर्षों तक चले मंथन के बाद प्रशासन ने बम्हरौली, सतरही, अंदूऊमऊ, बहरामपुर, पेचरुआ व घरकुइयां के पास कुल 243.2 हेक्टेयर भूमि का प्रस्ताव तैयार किया और इसे शासन को मंजूरी के लिए भेजा था। मंजूरी मिलने के बाद अब फेज वन में प्रस्तावित करीब 97 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहीत करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। फेज वन में बम्हरौली की 13.5, सतरही की 51.3, अंदऊमऊ की 3.9 व घरकुइयां की 29.2 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहीत के लिए चिह्नित की गई है, जिसके लिए अधिसूचना कर दी गई है। फेज टू में बम्हरौली की 92.1, सतरही की 47.2, बहरामपुर की 4.2 व पेचरुआ की दो हेक्टेयर भूमि का चिह्नांकन लगभग पूरा कर लिया गया है। सोमवार को यूपीडा के एडीएम व एसडीएम सुमित आर महाजन ने निरीक्षण कर भूमि का जायजा लिया था। इसके अलावा यूपीडा ने अमेठी सीमा पर लैंड बैंक के लिए गूगल मैपिंग से शुकुलपुर, मंगउवा, जारमउ, पूरे दयागिरि, बलीगेरावां की 171 हेक्टेयर भूमि का चिह्नांकन किया है। एसडीएम सुमित आर महाजन ने बताया कि औद्योगिक गलियारा के फेज वन में जमीन अधिग्रहीत करने के लिए अधिसूचना जारी हो गई है। लैंडबैंक के लिए कार्रवाई चल रही है। जल्द ही इसकी प्रक्रिया पूरी हो जाएगी।

ये प्रस्ताव नहीं चढ़े परवान

पहले एक्सप्रेसवे व लखनऊ सुल्तानपुर हाईवे के लिंक प्वाइंट पर बारा के पास भूमि तलाशी गई थी। फिर खरसतिया, गोसूपुर, भिखरा की करीब 360 हेक्टेयर भूमि प्रस्तावित हुई। किसानों के विरोध के चलते प्रस्ताव आगे नहीं बढ़ा था।

वर्तमान में भारतीय किसान यूनियन कृषि उपयोगी भूमि पर औद्योगिक गतिविधियां शुरू करने का विरोध कर रही है।

बिना काम कराए राशि निकालने के मामले में वीडीओ निलंबित

बाराबंकी। विकास खंड हरख के ब्लॉक प्रमुख की ओर से की गई शिकायत पर अमृत सरोवर में बिना काम कराए धनराशि निकालने के मामले में ग्राम विकास अधिकारी को निलंबित कर दिया गया है। हरख के ब्लॉक प्रमुख रवि रावत ने 20 मार्च को शासन स्तर पर शिकायत की थी कि ग्राम करौदी कलां के अमर शहीद अशफाक उल्लाह खां अमृत सरोवर में बिना निर्माण कार्यों के ही धनराशि निकाल ली गई है। शिकायत के बाद रातों-रात इंटरलॉकिंग लगवाई गई थी। इसी के साथ ही और अनियमितताओं की भी शिकायत की थी। ग्राम्य विकास विभाग के आयुक्त के निर्देश पर उपायुक्त मनरेगा सेल आदित्य कुमार ने स्थलीय जांच की थी। इसके बाद ग्राम विकास अधिकारी अमित कुमार के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए आयुक्त ने निर्देश दिए थे। डीडीओ भूषण कुमार ने वीडीओ को अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू करते हुए निलंबित कर दिया है। निलंबन के दौरान वीडीओ को फतेहपुर ब्लॉक से संबद्ध किया गया है एवं पूरे प्रकरण में बीडीओ फतेहपुर को जांच अधिकारी नामित किया गया है। हालांकि इस प्रकरण में अभी कई और अधिकारी-कर्मचारी कार्रवाई की जद में हैं। रामनगर की ग्राम पंचायत चंदनापुर में तैनात सफाई कर्मचारी दिनेश कुमार को डीपीआरओ रोहित भारती ने निलंबित कर दिया है। इस पर आरोप है कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान के दौरान अन्य सफाई कर्मियों से उसने दुर्व्यवहार किया। इसके लिए एडीओ पंचायत की ओर से कारण बताओ नोटिस नौ अक्तूबर को जारी की गई थी, लेकिन इस पर संतोषजनक जवाब प्रस्तुत नहीं किया। इसके अलावा सफाई कर्मचारी पर नियमित सफाई न करने जैसे कई गंभीर आरोप भी हैं।

स्नातक छात्र ने मवेशी बाड़े में फंदा लगाकर की खुदकुशी

बांदा। स्नातक छात्र ने मवेशी बाड़े में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। मां मवेशियों को चारा-पानी कराने गई तब घटना की जानकारी हुई। खुदकुशी के कारण का पता नहीं चल सका है। गिरवां थाना क्षेत्र के बिगहना गांव निवासी कैलाश (18) दशरथ महाविद्यालय बहेरी में बीए प्रथम वर्ष में पढ़ता था। उसका शव घर से कुछ दूरी पर स्थित मवेशी बाड़े में गमछे से बांस के सहारे लटका मिला। बुधवार को सुबह मां जगिया मवेशियों को चारा पानी कराने गई तो उसका शव लटका देखा। मृतक के भाई आनंद कुमार ने बताया कि वह तीन भाइयों में सबसे छोटा था। उसने किस कारण से खुदकुशी की वह नहीं बता सके। मृतक अविवाहित था। बताया कि रात में सबने एक साथ बैठकर खाना खाया था। उसके बाद देवी जी के दर्शन करने गांव में गए थे। वहां से लौटने के बाद वह मवेशी बाड़े में सो गया था।

बासमती और परसन की खुशबू से खिंचे चले आ रहे कारोबारी

बांदा। बासमती और परसन की खुशबू कानपुर और दिल्ली के चावल कारोबारियों को खूब भा रही हैं। व्यापारी गांव-गांव जाकर खेतों में खड़ी फसलों की बोली लगा रहे हैं। इतना ही नहीं एडवांस देकर धान बेचने का करार कर रहे हैं। चित्रकूटधाम मंडल में दो दशक पहले तक सुगंधित धान बासमती, परसन, चिन्नावर की बड़े पैमाने पर खेती होती थी। यहां का चावल दूर-दूर तक भेजा जाता था, लेकिन सिंचाई के अभाव में धीरे-धीरे किसानों ने सुगंधित धान की रोपाई कम कर दी। दूसरा कारण यह भी रहा कि सरकारी क्रय केंद्र पर सुगंधित व पतले धान की खरीद भी मोटे धान के भाव ही होती है। ऐसे में किसान पूरी तरह से आढ़तियों पर निर्भर था। आढ़तिया मनमाने दाम पर धान खरीदते थे। इससे किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा था। पिछले साल दाम अच्छे मिलने से किसानों का रुझान बासमती और परसन की ओर बढ़ा। इस साल 57 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल में धान की रोपाई की गई है। इसमें करीब सात हजार हेक्टेयर में सुगंधित धान रोपा गया है। सबसे अधिक बांदा के नरैनी, अतर्रा आदि क्षेत्रों में छह हजार हेक्टेयर से पतला धान रोपित किया गया है। इसकी जानकारी मिलते ही बाहरी चावल कारोबारियों ने यहां डेरा डाल लिया है। गांव-गांव जाकर फसलों की बोली लगा रहे हैं।

दाम अच्छे मिलने से खुश हैं किसान

3500 रुपये क्विंटल बेचा धान

बिलगांव के किसान रामभवन का कहना है कि पांच बीघे में बासमती, परसन धान लगाया था। बाहरी व्यापारियों ने उनसे 3500 रुपये क्विंटल धान बेचने का करार किया है। 10 हजार रुपये एडवांस भी दे दिया है। बाजार लेकर जाते तो 2500 रुपये क्विंटल से अधिक दाम नहीं मिलते। खुरहंड के किसान शिवम ने बताया कि छह बीघे में सुगंधित बासमती, परसन लगाया है।

बाहरी व्यापारी खड़ी फसल का 60 हजार रुपये दे गए हैं। यह धान मड़ाई के बाद उन्हें दिया जाएगा। धान की फसल तैयार होने में 15 दिन शेष हैं। अब नफा नुकसान की जिम्मेदारी व्यापारी की है।

सरकारी क्रय केंद्रों पर मोटे धान की खरीद होती है। किसान को अच्छा समर्थन मूल्य भी सरकार दे रही है। पतले धान के उसे अच्छे दाम मिले रहे हैं, यह अच्छा है। -रामकुमार, संयुक्त कृषि निदेशक, चित्रकूटधाम मंडल, बांदा।

सीओ व एसओ ने कोर्ट से माफी मांगी

बरेली। जिस धारा में पुलिस को रिपोर्ट दर्ज करने का अधिकार नहीं है, उसमें रिपोर्ट दर्ज करने के मामले में एसओ बिथरी चैनपुर संजय तोमर व सीओ आशीष प्रताप सिंह ने कोर्ट से माफी मांग ली। कोर्ट ने 12 अक्तूबर को दोनों पुलिस अधिकारियों से इस मामले में स्पष्टीकरण तलब किया था। एसओ ने कोर्ट को भेजे पत्र में कहा कि 138 एनआई एक्ट की धारा का अभियोग से लोप कर दिया गया है और इसके लिए जिम्मेदार कांस्टेबल को भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति नहीं करने की चेतावनी दी गई है।

सीओ की ओर से भी कहा गया कि थाना स्तर पर हुई इस भूल को ठीक कर लिया गया है और इस मामले के जिम्मेदार को चेतावनी भी दे दी गई है। इसलिए इस भूल के लिए माफ कर दिया जाए। उल्लेखनीय है कि थाना बिथरी चैनपुर में अमानत में खयानत के एक मामले की रिपोर्ट दर्ज करते समय उसमें एनआई एक्ट की धारा 138 भी जोड़ दी गई थी।

दुष्कर्म के आरोपी की जमानत अर्जी खारिज

बरेली। दुष्कर्म के आरोपी की जमानत अर्जी विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट रामदयाल की अदालत ने खारिज कर दी। क्योलड़िया थाना क्षेत्र के शख्स ने लिखाई गई रिपोर्ट में बताया कि 25 जुलाई को रात के 11 बजे अभियुक्त अमित कुमार ने उसकी 17 साल की बेटी किसी के साथ भगा दी। उक्त अमित कुमार उसके खेत व घर पर उसकी बेटी का पीछा करता था। घटना वाले दिन भी वह बाइक से उसके घर के कई चक्कर लगाते हुए देखा गया था। पुलिस ने पीड़िता को तलाश लिया। उसने बयान दिया कि अभियुक्त व उसका साथी उसे जबरदस्ती उठा ले गए और उसके साथ दुष्कर्म किया। अभियोजन की ओर से सरकारी वकील सुभव कुमार मिश्रा ने जमानत अर्जी का विरोध किया। कोर्ट ने अभियुक्त अमित कुमार की जमानत अर्जी खारिज कर दी।

अंडर ट्रायल रिव्यू कमेटी ने किया विमर्श

बरेली। अंडर ट्रायल रिव्यू कमेटी की बुधवार को बैठक हुई। इसमें ऐसे बंदी जिनकी जमानत मंजूर होने के बावजूद जमानती उपलब्ध नहीं हैं, उनको जल्द रिहा कराने पर बल दिया गया। यह बैठक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में आयोजित की गई। प्राधिकरण के सचिव निर्दोष कुमार ने बताया कि इस तरह के बंदियों को जेल से बाहर लाने के लिए 18 सितंबर से 20 नवंबर तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

बैठक में एडीएम सिटी सौरभ दुबे, एसपी सिटी राहुल भाटी, वरिष्ठ अधीक्षक केंद्रीय कारागार विपिन कुमार मिश्र आदि मौजूद रहे।

झाड़फूंक में गई सर्प दंश के शिकार बालक की जान

बांदा। सर्प दंश के शिकार बालक का परिजनों ने झाड़फूंक पर समय गवां दिया। जिससे उसकी जान चली गई। परिजनों ने शव को बिना पोस्टमार्टम कराए दफना दिया है। थाना क्षेत्र के साडासानी गांव निवासी अफजल (9) गांव के तेजवा गुप्ता की किराना दुकान से सामान लेने गया था। दुकानदार ने रुपया लेने के बाद उसे पैसे वापस किए। उसमें से दो सिक्के पास में रखी बोरियों के नीचे गिर गए। अफजल बोरियों के नीचे हाथ डालकर सिक्का निकालने लगा तभी उसे सर्प ने डस लिया। परिजन उसे कमासिन सीएचसी ले जाने के बजाय ओरन क्षेत्र के गांव बिसंडी ले गए। वहां झाड़फूंक कराई। झाड़फूंक के दौरान बालक की मौत हो गई। परिजनों ने शव को दफन कर दिया है। अफजल कक्षा चार का छात्र था।

कुतुबखाना पुल का सुस्त काम, अभी और झेलिए जाम

बरेली। मजदूरों की संख्या कम होने से कुतुबखाना पुल का निर्माण सुस्त पड़ गया है। 31 दिसंबर तक निर्माण पूरा होने के आसार नहीं हैं। हालांकि, सेतु निगम ने कार्यदायी संस्था को नोटिस जारी कर तय समय सीमा में निर्माण पूरा करने के आदेश दिए हैं। कोतवाली से कुतुबखाना होते हुए कोहाड़ापीर तक 105 करोड़ की लागत से 1307 मीटर लंबे टूलेन पुल का निर्माण दो सितंबर 2022 को शुरू हुआ था। निर्माण जून 2023 तक पूरा होना था, लेकिन कभी मजदूर कम रहे तो कभी हादसा होने से रफ्तार प्रभावित हुई। कार्यदायी संस्था मंटेना इंफ्रासोल के मालिक व एमडी को तलब किया गया। तब निर्माण को रफ्तार मिली, लेकिन नवरात्र पर मजदूर फिर कम हो गए। सेतु निगम के महाप्रबंधक केएन ओझा और उप परियोजना प्रबंधक अरुण कुमार गुप्ता ने पुल निर्माण की स्थिति देखी। निरीक्षण के बाद उप परियोजना प्रबंधक ने मजदूरों की संख्या बढ़ाने के आदेश दिए। मंटेना ग्रुप के प्रोजेक्ट डायरेक्टर एमके सिंह ने बताया कि निर्माण की रफ्तार पहले से तेज है। नगर आयुक्त ने 31 दिसंबर तक काम पूरा करने के निर्देश दिए हैं, उसके अनुरूप ही काम कराया जा रहा है। अधिकतम काम तय समय सीमा में ही हो जाएगा।

कोतवाली से घंटाघर तक सर्विस रोड का निर्माण चल रहा है। प्रोजेक्ट मैनेजर एमके सिंह ने बताया कि एक तरफ का निर्माण पूरा होने वाला है। दूसरी ओर के निर्माण जल्दी शुरू हो जाएगा। दिवाली से पहले व्यापारियों को सर्विस रोड मिल जाएगी और कारोबार को रफ्तार मिलेगी।

ईज ऑफ़ टेक्नोलॉजी से ही संभव होगा ईज ऑफ़ डूइंग बिजनेस – मण्डलायुक्त

निज संवाददाता

गोण्डा। मंडलायुक्त सभागार में उद्योग विभाग की ओर से निवेश मित्र सिंगल विंडो पोर्टल व ईज ऑफ डूइंग बिजनेस पर मण्डल स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश सबसे अधिक आबादी वाला प्रदेश है उत्तर प्रदेश ईज आफ डूइंग बिजनेस मैं काफी अग्रणी प्रदेश है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी एवं मुख्यमंत्री जी का संकल्प है कि देश की ईकोनमी को 5 ट्रिलियन का बनाया जाए। इस संकल्प को पूरा करने के लिए हम सभी को मिलकर काम करना होगा। पूरे मण्डल में बेहतर से बेहतर माहौल बनाना होगा ताकि अधिक से अधिक लोग बिजनेस कर सकें। मंडलायुक्त ने कहा की इज आफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने के लिए ईज आफ टेक्नोलॉजी को भी बढ़ावा देना होगा, बिना टेक्नोलॉजी के बिजनेस में सफलता प्राप्त नहीं हो सकती। उन्होंने सभी अधिकारियों से कहा कि हमें पूरे मण्डल में ऐसा माहौल बनाना है कि आम आदमी भी उद्यमी बन सके। सभी लोगों को समान रूप से अवसर प्रदान करने होंगे। उन्होंने कहा कि उद्योग विभाग व अन्य संबंधित विभाग कड़ी से कड़ी मेहनत कर देश को 5 ट्रिलियन इकोनामी बनाने में अपना पूरा सहयोग करें। इस मंडलीय कार्यशाला में सभी उद्यमियों को ईज आफ डूइंग बिजनेस से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यशाला में संयुक्त उपायुक्त उद्योग, उपायुक्त उद्योग व अन्य संबंधित अधिकारी गण व उद्यमी मौजूद रहे।

घर से निकला बालक लापता सुबह मनवर नदी के पास खेत में मिली लाश

जनक राम वर्मा

अलावल देवरिया (गोंडा)। जनपद गोंडा के थाना मोतीगंज क्षेत्र के एक गांव निवासी बालक अपने घर से निकला जो देर शाम तक घर नहीं पहुँचा और लापता हो गया।परिजन खोजबीन करते रहे सुबह उसका शव गांव के ही समीप मनवर नदी के पास खेत में मिला।जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया।सूचना पाकर मौके पर पहुंची मोतीगंज पुलिस जांच पड़ताल में जुटी मौके पर क्षेत्राधिकारी शिल्पा वर्मा भी पहुँच कर जांच शुरू कर दी है।मिली जानकारी के अनुसार मोतीगंज थाना क्षेत्र के ग्राम सभा बेलवा के अहिरन पुरवा निवासी अरुण कुमार यादव पुत्र जगन्नाथ यादव बृहस्पतिवार शाम 6.00 बजे घर से निकाला था जो देर शाम तक घर वापस नहीं आया और परिवारजनों ने इसकी तलाश शुरू कर दी लेकिन वह नहीं मिला।सुबह किसी व्यक्ति द्वारा देखा गया कि गांव के समीप मनवर नदी के पास एक खेत में बालक पड़ा हुआ है जो मृत्यु थी और किसी ने परिजनों को बताया परिजन मौके पर पहुंचे तो पहचान की और इसकी सूचना ग्राम प्रधान ने थाना मोतीगंज को दी। सूचना पाकर मोतीगंज पुलिस घटनास्थल पर पहुँचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है पुलिस ने इसकी सूचना उच्च अधिकारियों को दी तो मौके पर क्षेत्र अधिकारी सदर शिल्पा वर्मा भी पहुँचकर जांच पड़ताल की और डाग स्क्वायर टीम पहुँचकर जांच पड़ताल में जुटी। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है मृतक के मुंह में मिट्टी भरा हुआ था और एक या दो स्थान पर खून के निशान भी थे इस बारे में मोतीगंज पुलिस ने बताया की शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। इसकी मौत कैसे हुई पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा। फिलहाल परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है और क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाओं का बाजार गर्म है। लोग दबी जुबान से कह रहे हैं कि आखिर इस 11 वर्षीय बालक ने किसी का क्या बिगाड़ा था इस घटना के बारे में थाना अध्यक्ष मोतीगंज प्रतिभा सिंह से जब दूरभाष पर बात करने की कोशिश की गई तो उनका सरकारी मोबाइल नॉट रीचेबल बता रहा था जिससे कि थानाध्यक्ष से बात नहीं हो पाई।

गोंडा में मिशन शक्ति वॉल की गई तैयार, इनसे नई पीढ़ी ले सकेगी प्रेरणा

महिला शक्ति को नए अंदाज में किया सम्मानित, शक्ति वंदन समारोह के साथ किया जाएगा लोकार्पण

निज संवाददाता

गोंडा। नारी शक्ति, सम्मान व स्वावलम्बन के लिए प्रतिबद्ध उत्तर प्रदेश की योगी सरकार की पहल पर देश और दुनिया में भारत का मान बढ़ाने वाली महिला शक्ति को गोंडा जिला प्रशासन एक नए अंदाज में सम्मानित करने जा रहा है। जिला प्रशासन की ओर से मिशन शक्ति वॉल तैयार की गई है। बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ के संदेश के साथ बनी यह वॉल देश और दुनिया में अलग-अलग क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली देश की महिलाओं को समर्पित है। देश की प्रथम नागरिक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, रानी दुर्गावती, रानी लक्ष्मीबाई, सरोजनीनायडू से लेकर सुषमा स्वराज, सानिया मिर्जा, जिमनास्टर दीपा कर्माकर समेत 25 शख्सियतों को स्थान दिया गया है। इस वॉल का लोकार्पण आगामी 22 अक्टूबर को आयोजित 11000 कन्याओं के भव्य कन्या पूजन समारोह षशक्ति वंदनष के अवसर पर किया जाएगा। जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने बताया कि यह शख्सियत सभी के लिए एक मिसाल हैं। इन्होंने अपनी मेहनत, कौशल, दृढ़ संकल्प और अथक प्रयासों से समाज में कभी न मिटने वाली एक छाप छोड़ी है। आने वाली पीढ़ी भी इनसे प्रेरणा ले, इसलिए यह वॉल तैयार की गई है।

मिशन शक्ति वॉल में इनको मिला स्थान

इस वॉल में राजनीति, समाजसेवा, खेलकूद, विज्ञान समेत सभी अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महिलाओं को स्थान दिया गया है। इनमें, देश की प्रथम नागरिक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल, भारत की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले, एथलीट पीटी ऊषा, नृत्यांगना रुक्मिणी देवी अरुंडेल, पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज, चित्रकार अमृता शेरगिल, तैराक आरती शाह, भारतीय पर्वतारोही अरुणिमा सिन्हा, जिमनास्ट दीपा कर्माकर, रानी दुर्गावती, रानी लक्ष्मीबाई, पूर्व राज्यपाल सरोजनी नायडू, वनस्पति वैज्ञानिक जानकी अम्माल, अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला, पहली महिला आईपीएस किरण बेदी, स्वर कोकिला लता मंगेशकर, खिलाड़ी मैरी कॉम, क्रिकेट खिलाड़ी मिताली राज, संत मदर टेरेसा, टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा, कवयित्री महादेवी वर्मा, बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु को शामिल किया गया है।

मिशन शक्ति अभियान के चतुर्थ चरण का हुआ शुभारंभ

(सत्य प्रकाश पांडेय,)

अंबेडकरनगर,महिला सशक्तिकरण की जागरूकता हेतु निकाली गयी रैली,जिसमें महिला आरक्षी और शिक्षिकाएं एवं छात्राएं बढ़-चढ़कर हुई शामिलउत्तर-प्रदेश सरकार द्वारा महिला सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान मिशन शक्ति फेज 4.0 त्यौहार दुर्गा पूजा/दशहरा के दृष्टिगत चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज-04 शक्ति दीदी अभियान के अन्तर्गत महिला सशक्तिकरण रैली में %चुप्पी तोड़ो, खुल कर बोलो% का सन्देश लेकर जनपद में महिलाओं / बालिकाओं/ छात्राओं को नारी सुरक्षा,नारी स्वाबलंबन एवं नारी सम्मान की दिशा में जनपद की महिला बीट पुलिसकर्मियों द्वारा अपने-अपने बीट क्षेत्र/ग्राम पंचायत/वार्ड/मोहल्लों के पूजा पंडालों में पी0ए0 सिस्टम/एल0सी0डी/ जिंगल गीत के माध्यम से जाकर प्रतिदिन लघु फिल्म, नुक्कड़ नाटक, सांस्कृतिक कार्यक्रम, रैली के माध्यम से महिलाओं/ बालिकाओं/छात्राओं को महिला सुरक्षा संबंधी विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के बारे में जागरूक करने के साथ-साथ साइबर अपराध व 01. निराश्रित विधवा पेंशन योजना 02. जननी सुरक्षा योजना 03. मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना 04. मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना 05. बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ 06. मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना आदि विभिन्न योजनाओं के प्रति किया गया जागरूक। मिशन शक्ति दीदी अभियान के दृष्टिगत महिलाओं/बालिकाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दुर्गा पूजा पंडालों में महिला हेल्प डेस्क स्थापित कर उनकी समस्याओं को सुनकर निस्तारण किया जा रहा है।

मिशन शक्ति दीदी अभियान के दृष्टिगत स्कूलों और कालेजों व भीड़ वाले इलाके में पोस्टर बैनर लगाकर महिलाओं/बालिकाओं /छात्राओं को जागरुक किया गया

(सत्य प्रकाश पांडेय,)

अंबेडकरनगर,मिशन शक्ति दीदी अभियान के दृष्टिगत क्षेत्राधिकारी नगर श्री सुरेश कुमार मिश्र के नेतृत्व में जनता इण्टर कॉलेज बडागांव जलालपुर में छात्राओं के द्वारा मिशन शक्ति जागरूकता रैली / नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम के माध्यम से साइबर अपराध, एसिड अटैक , बच्चा चोरी, एक्सीडेंट के विषय में जागरूक किया गया।

जनपद अम्बेडकरनगर के समस्त क्षेत्राधिकारी/थाना प्रभारी व थानों की एन्टीरोमियो टीमों द्वारा शारदीय नवरात्रि के दृष्टिगत मिशनद्गशक्तिद्गफेज.4 के क्रम स्कूल/कॉलेज में छात्र /छात्राओं के द्वारा खेलकूद/ दौड़/ कबड्डी/ खो-खो खेल प्रतियोगिता का आयोजन कर जागरूक किया गया। खेल प्रतियोगिता मे शामिल होने वाले स्कूली छात्र/छात्राओं को क्षेत्राधिकारी महोदय/ थाना प्रभारी द्वारा पुरस्कृत किया गया।

मिशनद्गशक्ति -दीदी अभियान के तहत थानाध्यक्ष बेवाना द्वारा विश्वनाथ राजेंद्र प्रसाद इंटर कॉलेज अटंगी बेवाना की छात्रा ब्यूटी गौतम को 3 घंटे के लिए थानाध्यक्ष बनाया गया जिनके द्वारा जनसुनवाई कर जनता की शिकायतों के निस्तारण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया।

जनपद अम्बेडकरनगर के समस्त क्षेत्राधिकारी/थाना प्रभारी व थानों की एन्टीरोमियो टीमों द्वारा शासन द्वारा जारी महिला सुरक्षा संबंधी विभिन्न हेल्पलाइन 1090-वीमेन पॉवर लाइन, 181-महिला हेल्प लाइन, 108-एम्बुलेंस सेवा, 1076-मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112-पुलिस आपातकालीन सेवा, 1098-चाइल्ड लाइन्, 102-स्वास्थ्य सेवा आदि नंबर युक्त पैंपलेट वितरित कर निरन्तर जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद के विभिन्न थानों की एन्टी रोमियो टीम द्वारा विभिन्न स्थानों पर मनचलों द्वारा छेड़छाड़ व महिला उत्पीड़न की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाए जाने के दृष्टिगत सतत निगरानी करते हुए अभियान चलाया गया एवं संदिग्धों की चेकिंग की गयी । वर्तमान में बढ़ रहे साइबर फ्रॉड के सम्बन्ध में जागरुक करते हुए बताया गया कि किसी अन्जान व्यक्ति से अपना ओटीपी शेयर न करें। यदि किसी के साथ साइबर फ्रॉड होता है तो वह तत्काल साइबर हेल्पलाइन नम्बर 1930 पर सम्पर्क कर अपनी शिकायत दर्ज करायें।

जनपद स्तरीय कहानी सुनाओ प्रतियोगिता में सोनबरसा के बलजीत सिंह कनौजिया व पूरे सुभमन के जितेन्द्र कुमार पाण्डेय रहे प्रथम

त्रिगुट संवाददाता

अलावल देवरिया (गोंडा)। शुक्रवार को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान दर्जीकुआं में कहानी सुनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न विकास खण्डों से दो प्राथमिक विद्यालय व दो उच्च प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों ने हिस्सा लिया। शिक्षकों को कहानी लिखने के लिए % मेरा माटी मेरा देश% थीम दिया गया था। प्रतियोगिता में लगभग पचपन शिक्षक शिक्षिकाओं ने हिस्सा लिया व अपनी कहानी का प्रस्तुतीकरण किया। जनपद बलरामपुर से तीन सदस्यीय विशेषज्ञ टीम को मूल्यांकन कर्ता के रुप आमंत्रित किया गया था। प्रतियोगिता प्रभारी के रुप में डाइट प्रवक्ता ज्ञान बहादुर अपने कर्तव्यों का निर्वहन बखूबी निभाया गया।प्रतियोगिता में उच्च प्राथमिक स्तर से कम्पोजिट विद्यालय सोनबरसा बक्सरा आज्ञाराम मनकापुर के शिक्षक बलजीत सिंह कनौजिया व प्राथमिक स्तर से प्राथमिक विद्यालय पूरे सुखमन ब्लाक बेलसर के जितेन्द्र कुमार पाण्डेय का चयन हुआ। बलजीत सिंह व जितेन्द्र पाण्डेय को स्टेट लेवल के लिए चुना गया। प्रतियोगिता में विवेक पाठक,राय साहब, सुनील कुमार वर्मा, सुनैना चौहान,तोता राम पाण्डेय, कल्पना तिवारी, कल्पना सिंह, कनिक राम,राम सजन, जगजीवन राम आदि का भी प्रदर्शन सराहनीय रहा।

पुलिस अधीक्षक ने शान्ति समिति की बैठक का आयोजन, दिए गए आवश्यक दिशा निर्देश

(सत्य प्रकाश पांडेय)

अंबेडकरनगर ,पुलिस अधीक्षक अजीत कुमार सिन्हा द्वारा आगामी त्यौहार शारदीय नवरात्र, दशहरा, दीपावली,गोवर्धन पूजा जुम्मा नमाज को सकुशल संपन्न कराए जाने के दृष्टिगत थाना को0 अकबरपुर , थाना टांडा व थाना को0 जलालपुर थाना परिसर में थाना क्षेत्र के सर्वसमुदाय के धर्मगुरुओं, सम्भ्रांत/गणमान्य व्यक्तियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया ।बैठक में प्रतिभाग करने वाले लोगों के साथ संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना गया व उनसे सुझाव भी मांगे गये । उपस्थित लोगों से त्यौहारों को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण ढंग से मनाए जाने की अपील की गई साथ ही सड़क बाधित कर कोई धार्मिक आयोजन न करने हेतु हिदायत दी गयी ।महोदय द्वारा गोष्ठी में आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत सरकार द्वारा जारी किये गये गाइडलाइन व कोविड गाइड लाइन का पालन करते हुए सभी लोग आपस में मिलजुल कर आपसी सौहार्द व भाईचारे के साथ अपना अपना त्योहार मनाएं । असामाजिक व अराजकता फैलाने वाले तत्वों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। यदि किसी व्यक्ति के संज्ञान में ऐसा कोई मामला आता है तो तुरंत सम्बंधित थाना पुलिस को अवगत कराएं, जिससे कि कोई अप्रिय घटना घटित न होने पाए ।सोशल मीडिया पर सतर्क दृष्टि रखी जा रही है जो भी व्यक्ति सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट, भ्रामक व अफवाह पोस्ट करेगा उसके विरुद्ध कठोरतम विधिक कार्यवाही की जाएगी । साथ ही साथ यह भी निर्देश दिया गया नवरात्रि के समय रोड पर मीट, मछली की दुकान लगाना वर्जित किया गया है। गोष्ठी/बैठक के दौरान क्षेत्राधिकारी नगर ,क्षेत्राधिकारी टांडा व क्षेत्राधिकारी जलालपुर मौजूद रहे।

दो बंदोबस्त अधिकारी, एक चकबंदी अधिकारी समेत तीन निलंबित, दो चकबंदी अधिकारी पदच्युत एवं दो के विरुद्ध एफ़.आई.आर.भी हुई दर्ज़

लखनऊ। मा. मुख्यमन्त्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के निर्देशानुसार चकबन्दी विभाग को पारदर्शी तथा जन सामान्य के प्रति उत्तरदायी बनाने के उद्देश्य से चकबन्दी प्रक्रिया में गुणात्मक सुधार के दृष्टिगत अपर मुख्य सचिव, राजस्व, उत्तर प्रदेश शासन व चकबन्दी आयुक्त, उ. प्र. के समक्ष विगत गुरुवार को प्रस्तुतीकरण किया गया। इसमें निर्णय लेते हुए अपर मुख्य सचिव राजस्व ने निर्देशित किया कि चकबन्दी प्रक्रिया को पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत करते हुए इसके लिए कार्यदायी संस्था को चयनित तथा कम समय में पूरी पारदर्शिता एवं जन सहभागीदारी के साथ चकबन्दी कार्य पूर्ण किया जाए। वर्तमान में चकबन्दी में अपनाये जाने वाली प्रक्रिया को सहज, सरल व प्रक्रिया को न्यूनतम कर इसकी कमियों को दूर किया जाए।

उन्होंने निर्देश दिए कि चकबन्दी प्रक्रियाओं में व्याप्त व्यापक त्रुटियों/ कमियों तकनीकी सहायकता के माध्यम से दूर कर सभी आकड़ों (कंज) एवं भू-चित्र को ऑनलाइन उपलब्ध कराया जाए। वहीं चकबन्दी आयुक्त ने निर्देशित किया कि उपरोक्त कार्य के लिए इच्छुक कम्पनियों को आमन्त्रित करते हुए उनके विचार ई-टेण्डर के माध्यम से नवीनतम तकनीक यथा ए0आई0/एम0एल0/ ब्लाक चेन/ड्रोन रोवर आधारित सर्वेक्षण के आधार पर प्राप्त किया जाए और उसके आधार पर टेस्टिंग के रूप में एक-एक ग्राम आवंटित किया जाए। उक्त कार्य अपनी पूर्णावस्था में आ चुके हैं और सभी बिन्दुओं पर कार्य प्रारम्भ हो चुका है। अब चकबन्दी प्रक्रिया में लगने वाला समय तीन से पांच वर्ष से घट कर एक से डेढ़ वर्ष में होगा। चकबंदी आयुक्त ने बताया कि इस दौरान चकबन्दी कार्यों की निरन्तर समीक्षा एवं अनुश्रवण से यह स्थिति स्पष्ट हुई कि कतिपय अधिकारी व कर्मचारी चकबन्दी कार्यों में शिथिलता बरत रहे हैं और उनके द्वारा मानक के अनुसार कार्य नहीं किया जा रहा है। इसी क्रम में बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी, बलिया श्री अनिल कुमार व बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी, सीतापुर श्री सन्तोष कुमार को निलम्बित कर विभागीय कार्यवाही किये जाने की संस्तुति शासन को प्रेषित की गयी है।

श्री कुमार ने बताया कि चकबन्दी अधिकारी, मऊ श्री अशफाक आलम अन्सारी को मानक के अनुसार कार्य न करने एवं शिथिलता बरतने के कारण निलम्बित कर विभागीय कार्यवाही संस्थित की गयी है। तत्कालीन चकबन्दी अधिकारी सम्प्रति सहायक चकबन्दी अधिकारी श्री कामता प्रसाद को जनपद सिद्धार्थनगर के ग्राम गढावर में शासकीय भूमि को क्षति पहुंचाने के कारण विभागीय कार्यवाही संस्थित की गयी और आरोप सिद्ध हो जाने की दशा में उन्हें पदच्युत कर दिया गया। इसी क्रम में चकबन्दी अधिकारी, अलीगढ़ श्री बृजेश कुमार शर्मा व चकबन्दी अधिकारी महाराजगंज श्री ऐश मुहम्मद को चकबन्दी प्रक्रियाओं के दौरान गम्भीर अनियमितता करने के कारण उनके विरूद्ध सम्बन्धित जनपदों में प्रथम सूचना प्रतिवेदन भी अंकित कराया गया है।

कंपोजिट विद्यालय बरईपारा में मेधावी बच्चों का हुआ सम्मान, टॉपर अंकित पांडेय ने दिए टिप्स

डॉ0कल्पराम त्रिपाठी

गोंडा। राष्ट्रीय आविष्कार अभियान परीक्षा 2023 24 के अंतर्गत ब्लॉक स्तरीय परीक्षा में कंपोजिट विद्यालय बरईपारा के बच्चों ने परचम लहराया। गत दिवस आयोजित इस परीक्षा में विद्यालय के होनहार बच्चों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। विद्यालय से भेजे गए सभी छह बच्चों का चयन टॉप 20 में हुआ जिसमें अंकित पांडेय को प्रथम स्थान विद्यालय के ही अन्य बच्चों सुहाना बानो को चौथा पूजा पांडेय को ग्यारहवां आशीष को अठारहवां सौरभ पांडेय को उन्नीसवां और माधुरी वर्मा को बीसवां स्थान प्राप्त हुआ। शुक्रवार को इन सभी बच्चों का प्रतिभा सम्मान समारोह विद्यालय में किया गया। मेधावी बच्चों को मिठाई खिलाकर उन्हें बधाई दी गयी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गयी। मेधावी अंकित ने अन्य सभी बच्चों को टिप्स भी दिए। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक सलमान रोहिणी नंदन मिश्र गोपाल प्रसाद करण सिंह अरुण मिश्र सौरभ वर्मा विजय कुमार महेंद्र प्रताप सिंह उपस्थित रहे।

वर्ष 2027 तक वनावरण व वृक्षारोपण व वृक्षावरण में वृद्धि कर भौगोलिक क्षेत्र का 15 प्रतिशत करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य- डा0 अरूण कुमार सक्सेना

वन मंत्री द्वारा ''उत्तर प्रदेश में कृषि वानिकी में अवसर व चुनौतियाँ'' विषयवस्तु परआधारित कार्यशाला का शुभारम्भ

वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ- उत्तर प्रदेश के पर्यावरण, वन, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ0 अरूण कुमार सक्सेना द्वारा आज होटल हिल्टन में वन्य एवं वन्यजीव विभाग तथा जी0आई0जेड0 द्वारा आयोजित ''उत्तर प्रदेश में कृषि वानिकी में अवसर व चुनौतियाँ'' विषयवस्तु पर आधारित कार्यशाला का शुभारम्भ किया।

इस अवसर पर डा0 अरूण कुमार सक्सेना ने कहा कि वैश्विक तापमान में वृद्धि के प्रतिकूल प्रभावों को रोकने व मानव जाति को विभिन्न रोगों से बचाने हेतु कार्बन का उत्सर्जन कम करने एवं वातावरण से कार्बन की मात्रा कम करने के लिए अधिक से अधिक वृक्ष रोपित करना आवश्यक है। राष्ट्रीय वन नीति, 1988 व राज्य वन नीति, 2017 का लक्ष्य प्राप्त करने, वर्ष 2027 तक वनावरण व वृक्षारोपण व वृक्षावरण में वृद्धि कर भौगोलिक क्षेत्र का 15 प्रतिशत करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य प्राप्त करने एवं कृषकों का आर्थिक स्तर उन्नत करने हेतु खेती के साथ अधिक से अधिक पौधे रोपित करने हेतु अनुकूल परिस्थितियाँ सृजित किये जाने की दिशा में प्रयास किये जा रहे हैं।

उन्होंने कहा की कृषकों को तीव्र गति से बढ़ने वाली व शीघ्र तैयार होने वाली प्रजातियों के उच्च गुणवत्ता के पौधे व बीज उपलब्ध करवाकर तथा वनाधारित उद्योगों को जोड़कर कृषि वानिकी को प्रोत्साहित कर हरित आवरण में वृद्धि का लक्ष्य प्राप्त करने में सफल हो सकते हैं। प्रदेश सरकार द्वारा मनरेगा श्रमिकों व ग्रामीणों का पौधे रोपित करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु चलाई जा रही योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में वन एवं वन्यजीव विभाग तथा पंचायती राज विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका है। डॉ0 सक्सेना ने कहा कि कृषि वानिकी को प्रोत्साहित करने व कृषकों के समक्ष आने वाली कठिनाईयों को दूर करने हेतु व्यक्तिगत भूमि पर अवस्थित 29 वृक्ष प्रजातियों के अतिरिक्त समस्त वृक्ष प्रजातियों के पातन को अधिनियम के प्राविधानों से छूट प्रदान कर दी गयी है।

तकनीकी सत्र में हेड ऑफ फॉरेस्ट फोर्स/प्रधान मुख्य वन संरक्षक और विभागाध्यक्ष, श्री सुधीर कुमार शर्मा ने ''उत्तर प्रदेश में वन क्षेत्र के बाहर वृक्षावरण व कृषि वानिकी की स्थिति एवं हरित आवरण विस्तार हेतु विभिन्न संस्थाओं से किये गये एम0ओ0यू0 पर विस्तार से प्रकाश डाला। श्री शर्मा ने कहा कि वर्ष 2027 तक प्रदेश के 15 प्रतिशत क्षेत्र को हरा-भरा करने हेतु विभिन्न विभागों के साथ समन्वय एवं व्यापक जन सहभागिता से वर्ष 2017 से 2023 तक प्रदेश में रोपित किये गये 168 करोड़ से अधिक पौधों में से लगभग 105 करोड़ पौधे वन भूमि के बाहर रोपित किये गये हैं। उन्होंने कृषि वानिकी से सम्बन्धित विधिक प्राविधानों का सरलीकरण, प्रदेश में प्रचलित कृषि वानिकी पद्धतियॉ, खेती के साथ रोपित वृक्षों की विशेषताएं, कृषि वानिकी के लाभ एवं प्रदेश में विभिन्न कृषि पद्धतियों में रोपित किये जाने वाली प्रजातियों से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

वन एवं वन्यजीव विभाग एवं जी.आई.जेड. के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ''उत्तर प्रदेश में कृषि वानिकी में अवसर व चुनौतियॉ'' कार्यशाला में वन एवं वन्यजीव विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों, जोनल/ मण्डलीय मुख्य वन संरक्षक, वन संरक्षक, प्रभागीय वनाधिकारी, कृषि वानिकी क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कृषक, कृषि वानिकी से जुड़े शोध संस्थानों, कृषि वानिकी विशेषज्ञों तथा जी.आई.जेड. के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया।

इस अवसर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्यजीव, श्री अंजनी कुमार आचार्य, प्रबन्ध निदेशक उत्तर प्रदेश वन निगम, श्री अनुपम गुप्ता एवं प्रधान मुख्य वन संरक्षक, अनुसंधान एवं प्रषिक्षण, श्री संजय श्रीवास्तव उपस्थित थे।

त्योहार के दृष्टिगत अपर पुलिस अधीक्षक ने टांडा नगर में पैदलगस्त कर सुरक्षा का एहसास कराया

(सत्य प्रकाश पांडेय)

अंबेडकरनगर,रामनवमी, दशहरा, दीपावली आदि के दृष्टिगत जनपद में कानून एवं शांति व्यवस्था के दृष्टिगत अपर पुलिस अधीक्षक श्री संजय राय द्वारा थाना टांडा क्षेत्र अंतर्गत व जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारीगण व थाना/ चौकी प्रभारियों द्वारा पर्याप्त पुलिस बल के साथ किया जा रहा सायं पैदल गस्त/ चेकिंगत्यौहार के दृष्टिगत मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों, प्रमुख मार्गों, चौराहों, बाजारों व भीड़-भाड़ वाले स्थानों आदि पर भ्रमण कर संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु व वाहनों की की जा रही सघन चेकिंग किया।

अपर पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा नवरात्रि/दुर्गा पूजा त्यौहार के दृष्टिगत दुर्गा पूजा पंडालों का किया निरीक्षण किया।

कार्यालय, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, गोण्डा

भवन की आवश्यकता

नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र हेतु बड़गांव पुलिस चौकी (झूलेलाल चौराहा) से गोण्डा बलरामपुर मुख्य मार्ग पर शहरी क्षेत्र में लगभग 2400 वर्ग फुट युक्त भूतल पर आठ कमरों युक्त (सूर्य प्रकाश एवं हवादार) दो शौलाचय, मरीजों के बैठने युक्त वेटिंग एरिया एवं स्टाफ मरीजों के वाहन तथा 108 एवं 102 एम्बूलेन्स खड़े होने हेतु वृहद पार्किंग स्थल बिजली पानी युक्त नवीन भवन की आवश्यकता है। अधिकतम किराया पच्चीस हजार प्रति माह की दर से दिया जायेगा। इच्छुक भवन स्वामी भवन का वैध पेपर नक्शा युक्त प्रस्ताव 15 दिन के भीतर कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी गोण्डा के यहां पंजीकृत डाक द्वारा भेजें।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी
गोण्डा

'अवधी का विकास एवं अवधी साहित्य का प्रभाव'' विषय पर संगोष्ठी आयोजित

लखनऊ- उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान ने आज ष्अवधी का विकास एवं अवधी साहित्य का प्रभावष् विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। इस सम्मेलन में उत्तर प्रदेश के अवधी भाषा और साहित्य के प्रति रुचि रखने वाले विद्वानों ने विचार विमर्श किया और महत्वपूर्ण दृष्टिकोण प्रस्तुत किए। सम्मेलन का उद्घाटन उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान के निदेशक विनय श्रीवास्तव द्वारा किया गया, जिन्होंने इस आयोजन के महत्व को बताया और अवधी भाषा के महत्व की ओर संकेत किया। इस सम्मेलन में विशेषज्ञ विद्वानों ने अपनी विशेषज्ञता के आधार पर विभिन्न विषयों पर प्रस्तावनाएँ दी, जैसे कि अवधी साहित्य के इतिहास, संस्कृति, और भाषाशास्त्र के प्रति उनके दृष्टिकोण। संगोष्ठी में उपस्थित व्यक्तियों ने अवधी भाषा के साहित्यिक मूल्य को बढ़ावा देने के उपायों पर विचार विमर्श किया।

श्री गंगा प्रसाद शर्मा ने अवधी साहित्य के विकास के साथ-साथ उसके मूल्यों और सांस्कृतिक महत्व के प्रति जोर दिया।

RNI No. 46071/85

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक **टी.रजा रिज़वी** ने विकास प्रिन्टिंग प्रेस, मालवीयनगर, गोण्डा से मुद्रण करवाकर 568, मालवीयनगर गोण्डा (उ0प्र0) 271001 से प्रकाशित किया।

गोण्डा कार्यालय

फोन/फैक्स–05262–230683

मो0– 09415120085

लखनऊ कार्यालय–

फोन– 0522–4028445

मो0– 09415249085

:- E-mail :-

trigutdainik@gmail.com